@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
मंगलवार, 6 अक्टूबर 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 333 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

पीएम मोदी के सार्वजनिक जीवन में 25 साल पूरे होने पर भाजपा का मेगा शो

•आईजीआई स्टेडियम में होगा भव्य कार्यक्रम

एजेंसी
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में 25 साल पूरे होने पर भारतीय जनता पार्टी बड़े स्तर पर जश्न की तैयारी में है। सूत्रों के मुताबिक, भाजपा इस ऐतिहासिक मौके पर दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में एक बड़े कार्यक्रम का आयोजन करने जा रही है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि यह कार्यक्रम भाजपा के 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत चल रहे देशव्यापी जश्न का सबसे अहम हिस्सा होगा। इस कार्यक्रम में पार्टी के शीर्ष नेता, सांसद, विधायक, हजारों कार्यकर्ता और समर्थक शामिल होंगे। उम्मीद जताई जा रही है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद इस कार्यक्रम में शिरकत करेंगे और वहां मौजूद कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे। बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी ने 7 अक्टूबर 2001 को पहली बार गुजरात के मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली थी। तब से लेकर अब तक उनके सार्वजनिक जीवन के 25 साल पूरे हो रहे हैं। भाजपा इसे केवल एक राजनीतिक जश्न नहीं बल्कि सेवा और सुशासन के 25 साल के तौर पर मना रही है।

इसी कड़ी में 7 अक्टूबर को हरियाणा में 'सेवा ज्योति यात्रा' के बड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह कुरुक्षेत्र में सेवा ज्योति यात्रा में शामिल होंगे। वहीं, भाजपा की वरिष्ठ नेता स्मृति ईरानी जींद में सेवा ज्योति यात्रा कार्यक्रम में हिस्सा लेंगी। हरियाणा का प्रभारी बनाए जाने के बाद यह उनका राज्य का पहला दौरा होगा, जिसको लेकर कार्यकर्ताओं में काफी उत्साह है। पार्टी ने देशभर में सेवा पखवाड़ा, रक्तदान शिविर, स्वच्छता अभियान, युवाओं के साथ संवाद जैसे कई कार्यक्रमों की योजना बनाई है। भाजपा का लक्ष्य इस मौके पर मोदी सरकार की 25 साल की यात्रा और उनके सेवा भाव को जन-जन तक पहुंचाना है।

दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में होने वाला कार्यक्रम इस अभियान का मुख्य आकर्षण होगा, जहां से प्रधानमंत्री मोदी देशभर के कार्यकर्ताओं को सेवा संकल्प का मंत्र देंगे।

सीईसी ज्ञानेश कुमार के निलंबन पर अंतरिम आदेश पारित करने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

•केंद्र और ईसीआई को भेजा नोटिस

एजेंसी
नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को निलंबित करने से जुड़ी याचिकाओं पर अंतरिम आदेश पारित करने से इनकार कर दिया। याचिकाओं में सीईसी ज्ञानेश कुमार के काम करने के तरीके और एसआईआर प्रक्रिया से जुड़े उनके फैसलों पर सवाल उठाए गए हैं। आरोपों को लेकर अदालत में केंद्र सरकार और चुनाव आयोग को नोटिस जारी किया है। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी मोहना की पीठ ने सोमवार को याचिकाओं पर सुनवाई की। पीठ ने इस मामले को ज्ञानेश कुमार के खिलाफ एक और याचिका के साथ जोड़ दिया। अदालत में वकील विकास सिंह ने कहा कि 2023 एक्ट से चुनाव आयोग का अधिकार बढ़ाया गया है। कुछ अंतरिम उपायों की जरूरत है।

आयोग की विश्वसनीयता इतनी कम हो गई है कि हर नागरिक असुरक्षित महसूस कर रहा है। विकास सिंह ने सुनवाई पूरी होने तक मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की शक्तियों को सस्पेंड करने या उनसे शक्तियां वापस लेने की मांग की।

याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील मेनका गुरुस्वामी ने कहा कि नागरिकों के वोटिंग अधिकार खतरे में हैं और सीईसी पक्षपाती हैं। मेनका गुरुस्वामी ने इसी से जुड़ी एक दूसरी याचिका में 'फॉर्म 6' में किए गए बदलावों पर सवाल उठाए और एसआईआर प्रक्रिया में बड़ी खामियों का आरोप लगाया। मेनका गुरुस्वामी ने अदालत में कहा कि हमने इस देश में निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव होते देखे हैं। आज वैसी स्थिति नहीं है। यह एक राष्ट्रीय समस्या है।

बेंच ने मेनका गुरुस्वामी से याचिका में की गई मांगों के बारे में सवाल किया, लेकिन उन्होंने कहा कि वह अपनी मांगों पर कायम हैं।

इसके बाद, सुप्रीम कोर्ट ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को निलंबित करने की मांग वाली याचिका पर अंतरिम आदेश पारित करने से इनकार कर दिया। साथ ही, सोमवार को सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने याचिका पर चुनाव आयोग, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार, चुनाव आयुक्त सुखबीर संधु और चुनाव आयुक्त विवेक जोशी के अलावा केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया।

'6जी तकनीक में दुनिया के लिए मानक तय करेगा भारत'

वैश्विक पेटेंट में 10 प्रतिशत हिस्सेदारी का लक्ष्य: ज्योतिरादित्य सिंधिया

एजेंसी
नई दिल्ली । केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सोमवार को कहा कि गुणवत्ता, मानक और नवाचार ही 'विकसित भारत 2047' के निर्माण की मजबूत नींव हैं। उन्होंने कहा कि भारत की वैश्विक पहचान केवल उत्पादन क्षमता से नहीं, बल्कि गुणवत्ता और विश्वसनीयता से बनेगी। इसी दिशा में इंडियन फाउंडेशन फॉर क्वालिटी मैनेजमेंट (आईएफक्यूएम) की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। मीडिया से बातचीत में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि देश में एक ऐसा इकोसिस्टम विकसित हो रहा है जो गुणवत्ता, उत्कृष्टता और मानकीकरण को बढ़ावा दे रहा है। उन्होंने कहा कि आपूर्ति श्रृंखलाओं, उद्योगों और संस्थानों में गुणवत्ता-आधारित संस्कृति विकसित करने के प्रयास तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने आईएफक्यूएम की सराहना करते हुए कहा, 'यह संस्था इस बात का उत्कृष्ट उदाहरण है कि गुणवत्ता और मानकों के माध्यम से राष्ट्र निर्माण कैसे किया जा सकता है।' उन्होंने कहा कि भारत को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ाने के लिए गुणवत्ता को हर स्तर पर प्राथमिकता देनी होगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मोबाइल प्रौद्योगिकी के इतिहास में पहली बार भारत केवल दूसरे देशों द्वारा तय किए गए मानकों का पालन करने वाला देश नहीं रह गया है। उन्होंने कहा, '2जी, 3जी, 4जी और 5जी के दौर में भारत मानक निर्धारण की प्रक्रिया का हिस्सा नहीं था, लेकिन 6जी के लिए स्थिति पूरी तरह बदल रही है। अब भारत वैश्विक मानक निर्धारण प्रक्रिया में सक्रिय भागीदार बन रहा है। '

सुप्रीम कोर्ट बोला-अपराधियों में मौत का डर पैदा करना जरूरी

नहीं तो रेप जैसे अपराध रोकना मुश्किल, अदालत ने रेप की 3 घटनाओं पर खुद नोटिस लिया

एजेंसी
नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-NCR में नाबालिगों से गैंगरेप की 3 घटनाओं पर कहा, 'जब तक अपराधी के मन में मौत का डर नहीं होगा, तब तक ऐसे अपराध नहीं रुकेंगे। 'सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली पुलिस से कहा कि केवल चीजों को कागज पर लिखना पर्याप्त नहीं है, सख्त कार्रवाई करनी होगी। जस्टिस पारदीवाला और जस्टिस के विनोद चंद्रन की बेंच ने कहा कि जरूरत पड़ने पर सख्त होने से हिचकिचाएं नहीं। बेंच ने कहा कि कुछ लोग अनुच्छेद 21 यानी मानव अधिकार का हवाला देकर सवाल उठाएंगे, लेकिन पुलिस को अपना कर्तव्य निभाना होगा। इसके बाद दिल्ली पुलिस और गृह मंत्रालय से 4 हफ्ते में जवाब मांगा है। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-

NCR में 4 अगस्त से 21 सितंबर के बीच ग्रेटर नोएडा-दिल्ली बस, आस्था कुंज पार्क और स्वरूप नगर में रेप की 3 घटनाओं पर स्वतः संज्ञान लिया था। इस मामले में पहली सुनवाई 28 सितंबर को हुई थी।

भारत-स्विट्ज़रलैंड साझेदारी को नई रफ्तार

'माइग्रेशन से लेकर तकनीक तक 5 समझौतों पर सहमति'

एजेंसी
नई दिल्ली । भारत और स्विट्जरलैंड ने अपने रिश्तों को नया आयाम देने की कोशिश के तहत विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ने पर सहमति जताई। दोनों देश केवल व्यापार और निवेश तक सीमित रखने के बजाय लोगों की आवाजाही, युवा पेशेवरों, परिवहन तकनीक, वैज्ञानिक अनुसंधान और स्टार्टअप जैसे नए क्षेत्रों तक ले जाने की दिशा में आगे बढ़े। स्विस राष्ट्रपति गाइ परमेलिन की भारत यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच पांच महत्वपूर्ण समझौते और सहयोग से जुड़े दस्तावेज तय किए गए। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने एक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी। बताया गया कि इनमें सबसे महत्वपूर्ण समझौतों में से एक माइग्रेशन एंड मोबिलिटी पार्टनरशिप (एमएमपी) से जुड़ा समझौता है। इसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से लोगों की आवाजाही को बढ़ावा देना तथा समान व्यवहार के सिद्धांतों के तहत माइग्रेशन सहयोग को मजबूत करना है। समझौते में अनियमित प्रवासन, मानव शोषण और मानव तस्करी को रोकने के साथ ही उससे निपटने के लिए सहयोग करने का प्रावधान है। इसके तहत पांच साल तक की अवधि के लिए मल्टीपल-एंट्री वीजा की सुविधा का प्रावधान किया गया है। प्रत्येक यात्रा में छह महीने तक रहने की अनुमति दी जा सकेगी। इसके अलावा छात्रों के लिए एक वर्ष की अवधि वाले नवीकरणीय परमिट की व्यवस्था भी प्रस्तावित है।

दोनों देशों ने युवा पेशेवरों के आदान-प्रदान के लिए भी एक समझौते पर सहमति जताई है। यंग प्रोफेशनल्स स्कीम (वाईपीएस) के तहत दोनों देशों के युवा पेशेवर दूसरे देश में सीमित अवधि के लिए काम कर सकेंगे। इसका उद्देश्य उन्हें अपने पेशेवर क्षेत्र में अनुभव हासिल करने के साथ-साथ भाषा और व्यावहारिक कौशल विकसित करने का अवसर देना है। इस योजना के तहत हर साल प्रत्येक देश से 300 युवा पेशेवरों के आदान-प्रदान का प्रावधान होगा। जरूरत और सहमति के आधार पर यह संख्या बढ़ाकर 500 तक की जा सकती है।

ओमान बना भारत का सबसे बड़ा एलएनजी सप्लायर

•सितंबर में अमेरिका को छोड़ा पीछे

एजेंसी
नई दिल्ली । भारत के तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) आयात परिदृश्य में सितंबर के दौरान बड़ा बदलाव देखने को मिला। ऊर्जा बाजार के आंकड़ों के अनुसार, ओमान भारत का सबसे बड़ा एलएनजी आपूर्तिकर्ता बनकर उभरा और उसने अमेरिका को पीछे छोड़ दिया। यह बदलाव ऐसे समय में आया है जब भारत पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनावों के बीच अपने ऊर्जा आयात स्रोतों में विविधता लाने की रणनीति पर लगातार काम कर रहा है। ऊर्जा विश्लेषण कंपनी क्प्लर के आंकड़ों के मुताबिक, सितंबर में भारत ने ओमान से 5.85 लाख टन एलएनजी का आयात किया, जो अगस्त की तुलना में 11.6 प्रतिशत अधिक था। इसके साथ ही भारत के कुल एलएनजी आयात में ओमान की हिस्सेदारी लगभग 27 प्रतिशत रही। नाइजीरिया सितंबर में भारत का दूसरा सबसे बड़ा एलएनजी सप्लायर रहा। हालांकि वहां से आयातित मात्रा 3.51 लाख टन रही, जो पिछले महीने की तुलना में 35 प्रतिशत कम थी। वहीं, अगस्त में भारत का सबसे बड़ा एलएनजी आपूर्तिकर्ता रहा अमेरिका तीसरे स्थान पर खिसक गया। अमेरिका से आयात 59 प्रतिशत घटकर सितंबर में लगभग 16 प्रतिशत हिस्सेदारी तक सीमित रह गया।

एक समय भारत के एलएनजी आयात का सबसे बड़ा स्रोत रहा कतर भी इस सूची में काफी पीछे चला गया। सितंबर में कतर से केवल 94,000 टन एलएनजी आयात किया गया और वह छठे स्थान पर रहा। इसके मुकाबले संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने 3.11 लाख टन और अंगोला ने 2.05 लाख टन एलएनजी भारत को निर्यात की। विश्लेषकों के अनुसार, कतर की आपूर्ति में आई गिरावट का प्रमुख कारण मार्च में रास लाफान इंडस्ट्रियल सिटी पर हुए हमले का प्रभाव है। यह क्षेत्र कतर का प्रमुख एलएनजी उत्पादन केंद्र माना जाता है और भारत सहित कई देशों के लिए प्राकृतिक गैस का महत्वपूर्ण स्रोत है। सितंबर में भारत का कुल एलएनजी आयात भी घटा। अगस्त में जहां आयात 25 लाख टन था, वहीं सितंबर में यह 14 प्रतिशत घटकर 21.7 लाख टन रह गया।

प्राकृतिक गैस भारत की अर्थव्यवस्था के कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों के लिए जरूरी है। इसका उपयोग उर्वरक उत्पादन, औद्योगिक ताप प्रक्रियाओं, बिजली उत्पादन और शहरी परिवहन में बड़े पैमाने पर किया जाता है। भारत अपनी एलएनजी जरूरतों का लगभग आधा हिस्सा आयात करता है। वर्तमान में भारत के एलएनजी आयात का लगभग 60 प्रतिशत हिस्सा पश्चिम एशियाई देशों, विशेष रूप से कतर और यूएई से आता है। इन आपूर्तियों का बड़ा हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है, जिससे क्षेत्रीय तनावों का सीधा असर ऊर्जा आपूर्ति पर पड़ सकता है।

बाढ़ प्रभावित परिवारों के घरों और सम्पत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए: मुख्यमंत्री योगी

कौमी पत्रिका
लखनऊ 5 अक्टूबर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि जनपद पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, सीतापुर व नेपाल में हुई बारिश के कारण पांच-छह दिन बाद पानी नीचे आने से गोमती नदी का जलस्तर बढ़ गया। इस कारण बख्शी का तालाब, लखनऊ उत्तर, फैजुल्लागंज से लेकर नैमिष तक यह क्षेत्र जल प्लावन और बाढ़ का सामना कर रहा है। गोमती नदी पर तटबन्ध बनाने से काफी हद तक बाढ़ की विभीषिका से बचा जा सकता है। मुख्यमंत्री जी आज यहां फैजुल्लागंज से नैमिष तक गोमती नदी में आयी बाढ़ के हवाई सर्वेक्षण के उपरान्त सुल्तानपुर, बख्शी का तालाब क्षेत्र में बाढ़ प्रभावितों के मध्य अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने बाढ़ प्रभावित परिवारों को राहत सामग्री वितरित की। उन्होंने रेस्क्यु के दौरान बचाये गये स्थानीय नागरिकों व एस0डी0आर0एफ0 जवानों के साथ संवाद किया। स्वास्थ्य शिविर में मुख्यमंत्री जी ने दवाओं तथा अन्य व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि विगत 10 दिनों में प्रदेश के 50 से अधिक जनपदों में भारी बारिश से विभिन्न नदियों के जलस्तर में काफी वृद्धि हुई है। कई वर्षों बाद अक्टूबर माह में गोमती नदी में इस प्रकार की बाढ़ की स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए केवल वर्तमान संकट से निपटना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि भविष्य के लिए स्थायी समाधान तैयार करना भी आवश्यक है। इस सम्बन्ध में सिंचाई विभाग को निर्देश दिए गए हैं कि फैजुल्लागंज से नैमिष तक सम्पूर्ण नदी तट का विस्तृत सर्वे कराया जाए और तटबन्ध निर्माण की समुचित व्यवस्था की जाए। आपदा की इस घड़ी में डबल इंजन सरकार मजबूती से बाढ़ प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी है। सरकार प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत उपलब्ध कराने के साथ ही, भविष्य में इस प्रकार की बाढ़ की पुनरावृत्ति रोकने के लिए स्थायी समाधान की दिशा में प्रभावी कदम उठाएगी। वह निरन्तर प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति का आकलन कर रहे थे और स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। उन्होंने स्वयं प्रभावित क्षेत्रों में जाकर राहत एवं बचाव कार्यों की वास्तविक स्थिति देखने का निर्णय लिया, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सहायता जरूरतमन्दों तक समय से पहुंच रही है। सरकार का उद्देश्य प्रशासन, पुलिस, सिंचाई विभाग, जनप्रतिनिधियों और स्थानीय स्तर पर सक्रिय सभी लोगों को मिलकर राहत एवं बचाव कार्यों को पूरी संवेदनशीलता और तत्परता के साथ आगे बढ़ाना है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि तटबन्ध निर्माण के साथ एक दूसरी महत्वपूर्ण समस्या का समाधान भी जरूरी है। ऐसे गांव और आबादी क्षेत्र जो तटबन्ध के बाहर हों, वहां बारिश के पानी की निकासी की उचित व्यवस्था हो।

शेष पृष्ठ 3 पर

लखनऊ में 40 हजार घरों में पानी घुसा: बिहार के 466 गांवों में बाढ़

एमपी में 7 अक्टूबर से बारिश का अनुमान, राजस्थान में पारा 41°C

एजेंसी
नई दिल्ली । भारत के तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) आयात परिदृश्य में सितंबर के दौरान बड़ा बदलाव देखने को मिला। ऊर्जा बाजार के आंकड़ों के अनुसार, ओमान भारत का सबसे बड़ा एलएनजी आपूर्तिकर्ता बनकर उभरा और उसने अमेरिका को पीछे छोड़ दिया। यह बदलाव ऐसे समय में आया है जब भारत पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनावों के बीच अपने ऊर्जा आयात स्रोतों में विविधता लाने की रणनीति पर लगातार काम कर रहा है। ऊर्जा विश्लेषण कंपनी क्प्लर के आंकड़ों के मुताबिक, सितंबर में भारत ने ओमान से 5.85 लाख टन एलएनजी का आयात किया, जो अगस्त की तुलना में 11.6 प्रतिशत अधिक था। इसके साथ ही भारत के कुल एलएनजी आयात में ओमान की हिस्सेदारी लगभग 27 प्रतिशत रही। नाइजीरिया सितंबर में भारत का दूसरा सबसे बड़ा एलएनजी सप्लायर रहा। हालांकि वहां से आयातित मात्रा 3.51 लाख टन रही, जो पिछले महीने की तुलना में 35 प्रतिशत कम थी। वहीं, अगस्त में भारत का सबसे बड़ा एलएनजी आपूर्तिकर्ता रहा अमेरिका तीसरे स्थान पर खिसक गया। अमेरिका से आयात 59 प्रतिशत घटकर सितंबर में लगभग 16 प्रतिशत हिस्सेदारी तक सीमित रह गया। एक समय भारत के एलएनजी आयात का सबसे बड़ा स्रोत रहा कतर भी इस सूची में काफी पीछे चला गया। सितंबर में कतर से केवल 94,000 टन एलएनजी आयात किया गया और वह छठे स्थान पर रहा। इसके मुकाबले संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने 3.11 लाख टन और अंगोला ने 2.05 लाख टन एलएनजी भारत को निर्यात की। विश्लेषकों के अनुसार, कतर की आपूर्ति में आई गिरावट का प्रमुख कारण मार्च में रास लाफान इंडस्ट्रियल सिटी पर हुए हमले का प्रभाव है। यह क्षेत्र कतर का प्रमुख एलएनजी उत्पादन केंद्र माना जाता है और भारत सहित कई देशों के लिए प्राकृतिक गैस का महत्वपूर्ण स्रोत है। सितंबर में भारत का कुल एलएनजी आयात भी घटा।

ममता बनर्जी का तीन अस्पतालों को कानूनी नोटिस

पूछा- दस्तावेज शुभेंदु अधिकारी तक कैसे पहुंचे, 2021 में व्हीलचेयर पर बैठकर प्रचार किया था

एजेंसी
कोलकाता। बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने तीन अस्पतालों को कानूनी नोटिस भेजा है। यह नोटिस 2021 के उनके मेडिकल रिकॉर्ड सार्वजनिक किए जाने से जुड़ा है। ममता ने पूछा है कि ये दस्तावेज पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी तक कैसे पहुंचे। यह नोटिस 5 अक्टूबर को नंदीग्राम में शुरू हुए नए राजनीतिक विवाद के बीच भेजा गया है। ममता ने नोटिस में पूछा है कि मेडिकल

रिकॉर्ड जारी करने से पहले उनकी सहमति ली गई थी या नहीं।उन्होंने यह भी पूछा कि क्या दस्तावेज जारी करने के लिए किसी अदालत ने आदेश दिया था। रिकॉर्ड का इस्तेमाल किसलिए हुआ। किन परिस्थितियों में इसे दिया गया, इसकी जानकारी मांगी गई है। साथ ही, यह भी बताने को कहा गया है कि सार्वजनिक किए गए दस्तावेज मूल मेडिकल रिकॉर्ड थे या नहीं। इसकी एक कॉपी स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव को भी भेजी गई है।

मुंबई में कांग्रेस मुख्यालय से आदिवासी छात्रों को हिरासत में लेने का आरोप, पुलिस ने किया इंकार

मुंबई (एजेंसी)। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि पुलिस ने मुंबई स्थित पार्टी के महाराष्ट्र मुख्यालय तिलक भवन में प्रवेश कर नासिक से पहुंचे आदिवासी छात्रों और एनएसयूआई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया। पार्टी ने सभी को तत्काल रिहा करने की मांग की है। हालांकि, पुलिस ने तिलक भवन से किसी भी व्यक्ति की गिरफ्तारी से इंकार किया है। महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने आरोप लगाया कि आदिवासी छात्र अपनी मांगों को लेकर आजाद मैदान में प्रदर्शन करने के लिए नासिक से मुंबई आए थे और रात में दादर स्थित तिलक भवन में रुप थे। उनके मुताबिक, पुलिसकर्मी देर रात पार्टी कार्यालय में पहुंचे, छात्रों को धमकाया और कुछ को हिरासत में लिया। सपकाल ने एनएसयूआई महाराष्ट्र अध्यक्ष सागर सालुंखे और युवा कांग्रेस के मुंबई प्रमुख को भी गिरफ्तार करने का दावा किया है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि छात्रों और एनएसयूआई पदाधिकारियों को रिहा नहीं किया गया, तब कांग्रेस नेता मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के सरकारी आवास 'वर्षा' का घेराव करने वाले है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने इस कार्रवाई को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधकर आदिवासी विरोधी बताया। दूसरी ओर, पुलिस उपायुक्त मनीष कलवानिया ने कांग्रेस के आरोपों को खारिज किया। उन्होंने कहा कि तिलक भवन से किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है। पुलिस के अनुसार, प्रदर्शनकारियों ने राज्यपाल के आवास लोक भवन तक मार्च निकालने का आह्वान किया था। लोक भवन जाने की कोशिश कर रहे लोगों को अलग-अलग स्थानों से हिरासत में लिया गया और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है।
कांग्रेस के अनुसार, आदिवासी छात्र छात्रवृत्ति, आश्रम स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं और छात्रावासों समेत कई मांगों को लेकर 10 दिन से अधिक समय से आंदोलन कर रहे हैं। पार्टी का दावा है कि कुछ छात्र बसों और पैदल मुंबई पहुंचे हैं। छात्र आदिवासी विकास मंत्री और विभाग के आयुक्त के इस्तीफे की मांग भी कर रहे हैं। कांग्रेस ने कहा कि छात्रों की आवाज दबाने की कोशिश स्वीकार नहीं की जाएगी और पार्टी उनके अधिकारों के लिए उनके साथ खड़ी रहेगी।

गांधीजी पर आपत्तिजनक रील बनाना पड़ा भारी

सूरत (एजेंसी)। सूरत में 47 साल की महिला इंफ्लूएंसर को महात्मा गांधी की तस्वीर वाले 500 रुपए के नोट पर आपत्तिजनक रील डालने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। सूरत पुलिस की साइबर क्राइम ब्रांच ने सोमवार को यह कार्रवाई की। आरोपी की पहचान सिमरन पटेल के रूप में हुई है। उसके इंस्टाग्राम पर करीब 10 लाख फॉलोअर्स हैं। पुलिस के मुताबिक, सिमरन ने 1 अक्टूबर को इंस्टाग्राम पर यह रील अपलोड की थी। इसके बाद एक नागरिक ने पुलिस से शिकायत की। साइबर क्राइम ब्रांच की प्रेस नोट के अनुसार, सिमरन पटेल सूरत के अडाजण इलाके की रहने वाली हैं। वह गृहिणी हैं। पुलिस ने बताया कि रील में 500 रुपए के नोट पर गांधीजी की तस्वीर को अश्लील तरीके से दिखाया गया था। इसमें आपत्तिजनक और अपमानजनक बातें कही गई थीं। रील में यौन संकेत वाले इशारे भी किए गए थे। सिमरन ने यह वीडियो अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया था।

संत रविदास की प्रतिमा तोड़ने के आरोप में पांच आरोपी गिरफ्तार

बलिया (एजेंसी)। यूपी के बलिया जिले के सुखपुरा थाना क्षेत्र में संत रविदास की प्रतिमा तोड़े जाने के मामले में पुलिस ने सात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनमें से पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है और दो की तलाश जारी है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि सुखपुरा थाना क्षेत्र के कुम्हिया गांव में अनुसूचित बस्ती के लोगों ने संत रविदास मंदिर में प्रतिमा स्थापित की थी, जिसे शनिवार देर रात कुछ अराजक तत्वों ने क्षतिग्रस्त कर दिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक थानाध्यक्ष ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और क्षतिग्रस्त मरम्मत की तत्काल मरम्मत करा दी। उन्होंने बताया कि रविवार को सोहन राम की तहरीर पर सात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। पुलिस ने रविवार को मोहन, राकेश, उमेश, शंभू और अशोक को गिरफ्तार कर लिया है। नामजद आरोपी लालबहादुर और वकील की तलाश की जा रही है। उन्होंने बताया कि अब गांव में स्थिति शांतिपूर्ण है।

विपक्षी विधायक श्रेय न ले सकें इसलिए रोकी जा रही सहायता राशि : सीएम सरमा

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के सीएम हिमंत बिस्व सरमा ने कहा है कि पूर्वी जिलों में बाढ़ प्रभावित लोगों को दी जाने वाली आर्थिक मदद जारी करने में देरी की जा रही है, ताकि विपक्षी विधायक अखिल गोगोई इसका श्रेय न ले सकें।
सीएम सरमा ने कहा कि करीब सात दिन पहले गोगोई ने मुआवजे के मुद्दे पर मुझसे फोन पर काफी देर तक बात की थी...मैंने उन्हें विस्तार से समझाया था। अब जब उन्हें पता है कि लोगों को पैसा मिलने वाला है, तो वह इसका श्रेय लेना चाहते हैं। हमें सहायता राशि जारी करने में देरी करनी होगी, ताकि वह इसका श्रेय न ले सकें। सरमा ने कहा कि मेरी गलती यह थी कि मैंने उन्हें मुआवजे से जुड़ी जानकारी दे दी। वह इस मुद्दे पर राजनीति कर रहे हैं और मैं भी राजनीति करूंगा।

संस्कृत के श्लोक भी समझें, कंप्यूटर कोड भी: राजनाथ सिंह

अयोध्या , एजेंसी।
रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि देश को ऐसे विद्यार्थियों की जरूरत है जो संस्कृत के श्लोकों के साथ-साथ कंप्यूटर कोड को भी समझें। वे वेदों के मंत्रों की गहराई को जानें और आधुनिक विज्ञान की भाषा को भी समझने की क्षमता रखें। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को न्याय और मीमांसा जैसे भारतीय ज्ञान-विषयों के साथ आधुनिक समाज की समस्याओं को समझने की योग्यता भी विकसित करनी चाहिए।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को अयोध्या में श्रीनारायण संस्कृत महाविद्यालय के नए भवन का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने संस्कृत के अध्ययन को आधुनिक शिक्षा से जोड़ने पर विशेष जोर दिया है। रक्षा मंत्री ने कहा कि परंपरा को संरक्षित करने का सबसे बेहतर तरीका उसे वर्तमान समय की जरूरतों से जोड़ना है। आने वाली पीढ़ी के लिए केवल अतीत को जानना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसे अतीत से प्रेरणा और शक्ति लेकर भविष्य का निर्माण करना होगा। उन्होंने कहा कि वेदों से लेकर उपनिषद, दर्शन से लेकर व्याकरण, आयुर्वेद से लेकर गणित, ज्योतिष से लेकर साहित्य और न्याय से लेकर मीमांसा तक भारतीय ज्ञान-परंपरा का बड़ा हिस्सा संस्कृत के माध्यम से पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ा है। इस परंपरा ने दुनिया की बौद्धिक विरासत को भी समृद्ध किया है। रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि भारतीय सभ्यता की बड़ी विशेषता यह रही है कि यहां ज्ञान को सिर्फ किताबों तक सीमित नहीं रखा गया। ज्ञान को परंपरा बनाया गया और उस परंपरा को संस्कार का रूप दिया गया। इसके बाद शिक्षा के माध्यम से संस्कारों को समाज के व्यवहार में उतारा गया। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया भारत की संस्कृति के पुनरुत्थान को देख रही है और अयोध्या एक बार फिर अपने प्राचीन गौरव को प्राप्त कर रही है। इस गौरव में संत परंपरा का योगदान बेहद महत्वपूर्ण रहा है।
उन्होंने कहा कि संस्कृत को केवल एक भाषा के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए। संस्कृत में भारत की ज्ञान-परंपरा का विशाल भंडार मौजूद है। उन्होंने भारतीय संस्कृति में संतों के योगदान को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि भारत की स्मृतियों को एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुंचाने में संतों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। संतों ने लोगों को अपनी संतानों की तरह प्रेम, ज्ञान और शांति का पाठ पढ़ाया। उन्होंने कहा कि देश के संतों ने जेल की यातनाएं सहीं और अपने प्राणों तक की आहुति दी। आज जब रामलला भव्य मंदिर में विराजमान हैं, तब उन संतों को भी याद किया जाना चाहिए, जिनके त्याग और बलिदान से यह संभव हुआ। उन्होंने कहा कि अयोध्या की पुण्यभूमि पर वर्षों का संघर्ष आज भव्य रूप में सामने है और भगवान रामलला अपने घर में विराजमान हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि अयोध्या की संत परंपरा 500 से अधिक वर्षों से श्रीराम जन्मभूमि से जुड़े विभिन्न आंदोलनों की सहयोगी रही है।

बंगाल में यूसीसी लागू करने के शुभेंदु अधिकारी के वादे से विहिप हुई खुश

नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने पश्चिम बंगाल में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने के बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के वादे का स्वागत किया है। विहिप ने कहा कि समान नागरिक संहिता लागू होने से राज्य में सभी नागरिकों की सुरक्षा और अधिकारों को मजबूत करने में मदद मिलेगी। विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने पोस्ट के जरिए सीएम अधिकारी की घोषणा की खूब सराहना की। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल, उत्तराखंड और गुजरात के बाद यूसीसी लागू करने की योजना घोषित करने वाला देश का तीसरा राज्य होगा।
विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता बंसल ने कहा कि विहिप सीएम सुवेंदु अधिकारी की अहम घोषणा का स्वागत करती है और महत्वपूर्ण कदम मानती है। उन्होंने सीएम अधिकारी की ओर से छह महीने के भीतर 'लव जिहाद' और 'लैंड जिहाद' के खिलाफ कानून बनाने की प्रतिबद्धता का पूर्ण स्वागत किया। बंसल के मुताबिक, इसतरह के कानून नागरिकों और राज्य की सुरक्षा सुनिश्चित करने में मदद करने वाले है। उन्होंने दावा किया कि 'लैंड जिहाद' के खिलाफ प्रस्तावित कानून के जरिए सुवेंदु सरकार कथित अवैध कब्जे से सरकारी और निजी भूमि को मुक्त कराने की दिशा में कदम उठा सकती है। सीएम शुभेंदु अधिकारी ने कोलकाता में विहिप के पूर्व अध्यक्ष अशोक सिंघल की जन्म शताब्दी के मौके पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ये घोषणाएं की थीं।

एसआईआर विवाद-सुप्रीम कोर्ट संविधान और लोकतंत्र को बचाएं: चिदंबरम

-पूर्व जजों की टिप्पणियों का हवाला देकर चुनाव आयोग के कामकाज पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी।
कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद पी चिदंबरम ने सोमवार को एसआईआर और वोट के अधिकार को लेकर जारी विवाद के बीच सुप्रीम कोर्ट से संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए हस्तक्षेप की उम्मीद जताई है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज जस्टिस रोहिंटन एफ नरिमन और मौजूदा जज जस्टिस उज्जल भूषण की हालिया टिप्पणियों का हवाला देते हुए चुनाव आयोग के कामकाज पर उठ रहे सवालों का जिक्र किया। चिदंबरम ने एक्स पर लिखा कि लोगों को राजकोट में जस्टिस नरिमन और हैदराबाद में जस्टिस भूषण की टिप्पणियां पढ़नी चाहिए। चिदंबरम ने उम्मीद जताई कि सुप्रीम कोर्ट इस मौके पर आगे आएगा और संविधान व लोकतंत्र को बचाएगा। साथ ही उन्होंने अपने राजनीतिक विरोधियों पर तंज कसते हुए 'भक्तों' से चुप रहने की अपील की।
चिदंबरम की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब सुप्रीम कोर्ट में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के कामकाज को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई होनी है। एसआईआर को लेकर भी राजनीतिक दलों और चुनाव आयोग

के बीच लगातार विवाद चल रहा है। 4 अक्टूबर को जस्टिस उज्जल भूषण ने चुनावी अधिकार से जुड़े एक कार्यक्रम में कहा था कि अगर किसी प्रक्रिया के कारण लाखों नागरिक अपने मताधिकार से वंचित होते हैं और उन्हें वोट देने के अधिकार के बिना 'दूसरे दर्जे का नागरिक' बना दिया जाता है, तो ऐसी प्रक्रिया मूल रूप से मनमानी है। उन्होंने कहा था कि इस स्थिति को किसी भी तरह के 'व्हाटअबाउटरी' से सही नहीं ठहराया जा सकता। उनके मुताबिक ऐसा कदम संविधान के मूल केंद्र पर चोट है।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पूर्व सुप्रीम कोर्ट जज जस्टिस रोहिंटन एफ नरिमन ने भी एसआईआर के दौरान मतदाताओं के नाम हटाए जाने को लेकर चिंता जताई। पश्चिम बंगाल की मतदाता सूची से करीब 90 लाख नाम हटाए जाने का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि वोट देने का अधिकार लोकतंत्र के केंद्र में है। जस्टिस नरिमन ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए।

युवाओं से वोटिंग अधिकार छीनने में मिलीभगत: सौरभ दास

सुप्रीम कोर्ट पर सीजेपी के गंभीर आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी।
कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने सुप्रीम कोर्ट पर बेहद गंभीर सवाल उठाए हैं। पार्टी के पदाधिकारी सौरभ दास ने एक बयान जारी कर शीर्ष न्यायालय पर युवाओं के वोटिंग अधिकार को छीनने में मिलीभगत का आरोप लगाया है। उन्होंने इस दौरान दो जजों, मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाला बागची, का नाम लेते हुए कहा कि बंगाल और बिहार में एसआईआर प्रक्रिया को बिना किसी बाधा के चलने देने वाले ये जज अब शांत रहें। दास ने कहा कि भले ही वे अब कुछ करना चाहें, तो कर सकते हैं, लेकिन किसी को इससे फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट जेन जी के वोट देने के अधिकार और राज्य के चुनाव छीनने की इस मिलीभगत में शामिल था।
सौरभ दास ने अपने बयान में न्यायपालिका की विश्वसनीयता पर भी सवाल उठाए। उन्होंने लिखा कि इसे सुनिश्चित करते हुए समय रहते जरूरी याचिकाएं नहीं सुनी गईं, जिनमें महाराष्ट्र सरकार का गिरना, पार्टियों का टूटना और दिल्ली में संवैधानिक संकट जैसे मामले शामिल हैं। दास ने आरोप लगाया कि इन सभी मामलों में भाजपा की मर्जी चली, जो हमारी न्यायपालिका पर एक बड़ा धब्बा है। उन्होंने कहा कि ऐसे में अब सुप्रीम कोर्ट की बेंच जो चाहे करे, लेकिन लोगों की नजरों में उसकी विश्वसनीयता नहीं रहेगी। विश्वसनीयता किस बात की होगी, यह भारत के लोग और युवा तय करेंगे, कोर्ट कल या कभी भी जो चाहे तो करे। बता दें कि पटना के रहने वाले राकेश कुमार सिंह ने इस मामले में एक जनहित याचिका दाखिल की है। इस याचिका के जरिए सुप्रीम कोर्ट से यह तय करने का अनुरोध किया गया है कि क्या मुख्य चुनाव आयुक्त कुमार अकेले उन शक्तियों का इस्तेमाल कर रहे हैं, जो कानूनी तौर पर पूरे निर्वाचन आयोग की है। याचिका में यह भी मांग की गई है कि अगर ऐसा है तो उन कार्यों को अनधिकृत घोषित किया जाए और उपयुक्त कानूनी कार्रवाई की जाए। याचिका में निर्देश देने की मांग की गई है कि प्रतिवादी संख्या 3 (सीईसी) इस याचिका की लंबित अंतिम सुनवाई तक मुख्य निर्वाचन आयुक्त के तौर पर

काम न करें। साथ ही यह भी निर्देश दिया जाए कि इस दौरान आयोग का कामकाज प्रतिवादी संख्या 4 (सुखबीर सिंह संधू) और 5 (विवेक जोशी) की सर्वसम्मति से चलाया जाए और परिणामस्वरूप रिक्त होने वाले पद पर कोई भी नियुक्ति एक ऐसी समिति की सिफारिश पर की जाए, जिसमें माननीय प्रधान न्यायाधीश भी शामिल हों।

नीतीश कुमार पहुंचे ललन सिंह के घर, अनंत सिंह-नीरज कुमार विवाद का निकल सकता है हल?

पटना (एजेंसी)। पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव को लेकर जेडीयू विधायक अनंत सिंह और पार्टी के उम्मीदवार नीरज कुमार के बीच चल रहे विवाद के बीच पूर्व सीएम नीतीश कुमार केंद्रीय मंत्री ललन सिंह से मिलने उनके आवास पहुंचे। दोनों नेताओं के बीच हुई इस मुलाकात को अनंत सिंह और नीरज कुमार के बीच चल रहे विवाद के लिहाज से अहम माना जा रहा है। जानकारी के मुताबिक ललन सिंह दिल्ली रवाना होने से पहले उनका जवाब आ सकता है। माना जा रहा है कि ललन सिंह के बयान के बाद अनंत सिंह और नीरज कुमार के विवाद पर तस्वीर साफ होने की उम्मीद है। माना जा रहा है कि ललन सिंह का बयान इस पूरे विवाद की दिशा तय कर सकता है।
बता दें इससे पहले जेडीयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने इसे ललन सिंह के क्षेत्र का मामला बताते हुए उनसे समाधान की पहल करने की बात कही थी। वहीं ललन सिंह ने इस पर अब तक एक तरह से चुप्पी साध रखी थी, लेकिन इशारों में यह भी बता दिया था कि वे नीरज कुमार और अनंत सिंह की अदावत के पचड़े से दूर रहना चाहते हैं। अब जब नीतीश कुमार खुद उनके आवास पहुंचे और निशांत कुमार ने खुलकर नीरज कुमार के समर्थन में मोर्चा संभाल लिया है, तो माना जा रहा है कि ललन सिंह की चुप्पी टूटेगी और पार्टी इस विवाद पर अपना स्टैंड क्लियर करेगी।

रिपोर्ट के मुताबिक ललन सिंह ने अब तक इस विवाद पर खुलकर कोई हस्तक्षेप नहीं किया है। वहीं सोमवार को जेडीयू के चारों उम्मीदवारों का नामांकन से पहले नीतीश-ललन की यह मुलाकात बेहद अहम मानी जा रही है। अब नीतीश कुमार का उनके आवास पहुंचना इस पूरे घटनाक्रम में नया मोड़ माना जा रहा है। बता दें अनंत सिंह लगातार नीरज कुमार के खिलाफ खुलकर मोर्चा खोले हुए हैं, जबकि नीरज कुमार पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से जेडीयू के उम्मीदवार हैं। एक ही पार्टी के विधायक और उम्मीदवार के बीच इस तरह का विवाद पार्टी नेतृत्व के लिए भी असहज स्थिति पैदा कर रहा है।

ममता बनर्जी की 2021 चोट की मेडिकल रिपोर्ट कथित तौर पर लीक, अस्पताल को कानूनी नोटिस

कोलकाता , एजेंसी।
पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की 2021 में नंदीग्राम चुनाव प्रचार के दौरान लगी पैर की चोट से जुड़े मेडिकल रिकॉर्ड कथित तौर पर सार्वजनिक होने के बाद राजनीतिक विवाद तेज हुआ है। ममता बनर्जी के वकील ने उनके इलाज से जुड़े गोपनीय दस्तावेजों के कथित अनधिकृत खुलासे को लेकर एसएसकेएम अस्पताल प्रबंधन और राज्य स्वास्थ्य विभाग के कई अधिकारियों को कानूनी नोटिस भेजा है।
नोटिस में आरोप लगा है कि ममता के इलाज और स्वास्थ्य से जुड़ी संवेदनशील जानकारी तथा मेडिकल रिपोर्ट बिना अनुमति सार्वजनिक की गईं। उनके वकील ने मरीज की मेडिकल गोपनीयता और चिकित्सकों के पेशेवर आचार नियमों का

उल्लंघन बताया है।
यह कार्रवाई मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के उन हालिया दावों के बाद हुई है, जिसमें उन्होंने 2021 के विधानसभा चुनाव के दौरान नंदीग्राम में ममता के पैर में लगी चोट को लेकर सवाल उठाए थे। सीएम अधिकारी ने कथित तौर पर मेडिकल दस्तावेजों का हवाला देकर दावा किया कि अस्पताल के रिकॉर्ड में पैर में फैक्चर या डिसलोकेशन का कोई प्रमाण नहीं था। उन्होंने इस मामले की जांच की बात भी कही थी। तृणमूल कांग्रेस ने अधिकारी के आरोपों को खारिज करते हुए उन्हें बेबुनियाद और दुर्भाग्यपूर्ण बताया। पार्टी का आरोप है कि इसतरह के दावे राजनीतिक लाभ लेने और चुनावी माहौल को प्रभावित करने के उद्देश्य से किए जा रहे हैं। मामला 10 मार्च 2021 का है, जब नंदीग्राम के बिरुलिया स्थित रेयापाड़ा इलाके में चुनाव प्रचार के दौरान ममता बनर्जी के बाएं पैर में चोट लगी थी। उन्होंने शुरुआत में आरोप लगाया था कि कुछ लोगों ने उन्हें धक्का दिया, जिससे वह कार के खुले दरवाजे से टकरा गईं। बाद में उन्होंने भीड़ के दबाव में चोट लगने की बात भी कही थी।

कांग्रेस की तीन मांगों में से कोई भी मांग नामंजूर करने का विकल्प नहीं

-खड़गे बोले- तानाशाह घबराया है, ध्यान भटकाने के एक और अध्याय के लिए तैयार रहें

नई दिल्ली, एजेंसी।
मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और एसआईआर को लेकर विपक्ष आक्रामक है। सोमवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की 3 मांगों से समझौता नहीं करेगी। पहली ज्ञानेश कुमार का इस्तीफ़ा, दूसरी- एसआईआर को रद्द करना और तीसरी- बैलेट पेपर पर चुनाव कराना। खड़गे ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि देशभर में कांग्रेस कार्यकर्ता और इंडिया गठबंधन के साथी इन तीन मुद्दों को लेकर सड़कों पर हैं, जो भी सीविल सोसाइट मेंबर्स और यूथ ऑर्गेनाइजेशन इन मुद्दों पर देश में जगह-जगह संघर्ष कर रहे हैं, हम उनके साथ हैं। खड़गे ने कहा कि दूसरी ओर भाजपा ने दिल्ली में महिला पत्रकारों का उत्पीड़न किया, वो बेहद निंदनीय है। तानाशाह बहुत घबराया हुआ है, ध्यान भटकाने के एक और अध्याय के लिए तैयार रहिए।
मुख्य चुनाव आयुक्त और 2 चुनाव आयुक्तों में 10 महीनों के अंदर 14 बार मतभेद हुए। चुनाव आयुक्तों ने इतनी ही बार लिखित आपत्ति दर्ज कराई। विपक्ष का दावा है कि एसआईआर को लेकर चलाई जा रही प्रक्रिया में बड़ी खामी है। गलत तरीके से लोगों का नाम काटा जा रहा है। कई मौकों पर विपक्ष ईवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर चुका है। इसलिए बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग रखी है। वहीं डीएमके के प्रवक्ता टीकेएस एलंगोवन ने सोमवार को कहा, ज्ञानेश कुमार बीजेपी के गुलाम हैं, न्यूट्रल आदमी नहीं हैं।
विवाद के बीच बीजेपी का कहना है कि जब भी विपक्ष चुनाव हारता है, तो वह ईवीएम या इलेक्शन कमीशन को दोष देता है। तेलंगाना के बीजेपी अध्यक्ष रामचंदर राव ने कहा कि जब वो यहां जीतते हैं तो चुनाव ठीक होता है, हारते हैं तो चुनाव आयोग पर सवाल उठाते हैं।

महाराष्ट्र में दर्ज की जाती हैं सबसे अधिक आत्महत्याएं: डब्ल्यूएचओ

नई दिल्ली, एजेंसी।
किसी देश में आत्महत्या से होने वाली कुल मौतों की संख्या अधिक हो सकती है, लेकिन आबादी के अनुपात में उसकी दर कम हो सकती है। इसलिए देशों की तुलना करते समय कुल मौतों के साथ प्रति एक लाख आबादी पर आत्महत्या की दर को देखना जरूरी होता है।
आत्महत्या दुनिया भर में सार्वजनिक स्वास्थ्य की गंभीर चिंता है। हालांकि अलग-अलग देशों में इसकी स्थिति एक जैसी नहीं है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों के अनुसार, आबादी के अनुपात में आत्महत्या की सबसे अधिक दर लेसोथो में दर्ज की गई है। यहां प्रति एक लाख लोगों पर करीब 87.5 मौतें बताई गई हैं। यह दर वैश्विक औसत से काफी अधिक है।
आंकड़े यह भी बताते हैं कि कम आबादी वाले किसी देश में कुल मौतों की संख्या कम होने के बावजूद प्रति व्यक्ति दर काफी ज्यादा हो सकती है। प्रति एक लाख आबादी पर आत्महत्या की ऊंची दर वाले देशों में दक्षिण कोरिया भी शामिल है। यहां यह दर करीब 27.5 से 29.1 मौतों के बीच बताई गई है। इसके बाद एस्वातिनी में करीब 27.2, गुयाना में लगभग 24.8 से 26.4 और उरुग्वे में करीब 24.8 मौतें प्रति एक लाख आबादी पर बताई गई हैं। अलग-अलग स्रोतों और वर्षों में आंकड़ों में कुछ अंतर हो सकता है।
भारत की स्थिति को समझने के लिए कुल संख्या और आबादी के अनुपात को अलग-अलग देखना जरूरी है। बड़ी आबादी के कारण भारत में आत्महत्या से होने वाली कुल मौतों की संख्या काफी अधिक है। वहीं प्रति एक लाख आबादी पर दर करीब 12 से 12.5 बताई गई है, जिसके आधार पर भारत की वैश्विक स्थिति करीब 43वें स्थान के आसपास बताई जाती है। उपलब्ध आंकड़ों में वैश्विक औसत करीब 9.2 मौतें प्रति एक लाख आबादी है। भारत में राज्यों के बीच भी तस्वीर अलग-अलग दिखाई देती है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के मुताबिक कुल मामलों की संख्या के आधार पर महाराष्ट्र में सबसे अधिक आत्महत्याएं दर्ज की जाती हैं। इसके बाद तमिलनाडु, मध्य प्रदेश और पश्चिम बंगाल का स्थान बताया गया है।
हालांकि जब आबादी के अनुपात में दर की बात आती है तो राज्यों की स्थिति बदल जाती है और सिक्किम में दर सबसे अधिक बताई गई है। भारत में कुछ सामाजिक समूह भी विशेष चिंता के दायरे में हैं। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार आत्महत्या करने वालों में दिहाड़ी मजदूरों की हिस्सेदारी 26.4 प्रतिशत बताई गई है। छात्रों और घर संभालने वालों में भी मामलों को लेकर चिंता जताई गई है। 15 से 29 वर्ष की

उम्र के युवाओं को विशेष रूप से संवेदनशील समूह माना गया है। इन आंकड़ों को समझते समय यह ध्यान रखना जरूरी है कि अलग-अलग देशों में रिपोर्टिंग व्यवस्था, जनसंख्या संरचना और आंकड़ों की गुणवत्ता अलग हो सकती है।

प्रभावित परिवारों के घरों और सम्पत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए: मुख्यमंत्री योगी

प्रथम पृष्ठ का शेष

ऐसा न हो कि नदी का पानी रोकने के लिए तटबन्ध बनने के उपरान्त बारिश के पानी से जलभराव के कारण बीमारी तथा अन्य समस्याएं उत्पन्न हों। तटबन्ध के कारण बारिश के समय नदी का जलस्तर बढ़ने पर पानी आबादी में प्रवेश नहीं करेगा। जमा होने वाले बारिश के पानी को पम्पिंग सेट के माध्यम से बाहर निकालने की व्यवस्था की जाएगी। सिंचाई विभाग पम्पिंग सेट की व्यवस्था सहित सम्पूर्ण कार्ययोजना का प्रस्ताव तैयार कर स्वीकृत कराए। अति शीघ्र इस कार्य को प्रारम्भ किया जाए, ताकि भविष्य में बाढ़ की त्रासदी को रोका जा सके। सरकार का उद्देश्य तत्काल राहत देना ही नहीं, बल्कि ऐसा स्थायी तंत्र विकसित करना है, जिससे प्रत्येक वर्ष बाढ़ की समस्या से लोगों को सुरक्षा मिल सके। तटबन्ध पर आवागमन की व्यवस्था भी कराई जाएगी। जिस प्रकार एल0डी0ए0 द्वारा निर्मित ग्रीन कॉरिडोर सड़क के साथ-साथ सुरक्षा का कार्य भी कर रहा है, उसी प्रकार तटबन्ध को भी दोहरे उपयोग के दृष्टिकोण से विकसित किया जा सकता है। तटबन्ध एक ओर नदी के पानी से आबादी और गांवों को सुरक्षा देगा, वहीं दूसरी ओर लोगों के आवागमन में भी उपयोगी होगा। राहत एवं बचाव कार्यों को प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए प्रशासन को पर्याप्त धनराशि उपलब्ध कराई गई है। प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों में किसी प्रकार की धन की कमी नहीं होने दी जाएगी। सरकार का स्पष्ट निर्देश है कि संकट की घड़ी में प्रभावित व्यक्ति को तत्काल सहायता उपलब्ध करायी जाए और जिससे प्रभावित परिवारों को मूलभूत आवश्यकताओं के लिए परेशान न होना पड़े। प्रदेश की आपदा प्रबन्धन व्यवस्था में राहत, बचाव, पुनर्वास और पुनर्निर्माण के लिए राज्य स्तर पर समन्वित तंत्र कार्य करता है। बाढ़ सहित विभिन्न आपदाओं के लिए निर्धारित व्यवस्थाएं लागू की गयी हैं। बाढ़ से प्रभावित गांव और मोहल्लों में प्रत्येक परिवार के लिए राशन किट उपलब्ध करायी जा रही है। राहत सामग्री में 10 किलो चावल, 10 किलो आटा, 10 किलो आलू, 02 किलो अरहर की दाल, 01 लीटर रिफाइण्ड या सरसों का तेल, नमक, मिर्च और मसाला आदि उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रभावित परिवारों को बरसाती, बाल्टी, मोमबत्ती और माचिस भी उपलब्ध कराई जा रही है। आवश्यकतानुसार अतिरिक्त राहत सामग्री भी उपलब्ध कराई जाएगी। प्रभावित लोगों को किसी भी प्रकार की चिन्ता करने की आवश्यकता नहीं है। मुख्यमंत्री जी ने निर्देश देते हुए कहा कि राहत सामग्री का वितरण आवश्यकतानुसार और पारदर्शिता के साथ किया जाए। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि बाढ़ प्रभावित लोग खुले अथवा असुरक्षित स्थानों पर रात्रि न बिताएं। प्रशासन स्कूलों, मैरिज हॉल और अन्य सुरक्षित भवनों को राहत शिविर के रूप में उपयोग करे। गांवों से बाहर निकाले गए लोगों को खुले में रोकने के बजाय सुरक्षित राहत शिविरों में रखा जाए। राहत शिविरों में केवल रहने की व्यवस्था ही नहीं, बल्कि गर्म भोजन की व्यवस्था भी होनी चाहिए। प्रभावितों को दोनों समय का भोजन उपलब्ध कराया जाए। आवश्यकतानुसार लंगर की व्यवस्था की जाए, ताकि प्रभावित परिवारों को संकट की स्थिति में भोजन के लिए परेशान न होना पड़े। जिन परिवारों में छोटे बच्चे हैं, उनके लिए दूध की व्यवस्था की जाए। प्रशासन यह सुनिश्चित करे कि राहत शिविरों में बच्चों को आवश्यकतानुसार दूध उपलब्ध हो। गर्भवती महिलाओं के लिए विशेष व्यवस्था की जाए। राहत शिविरों में गर्भवती महिलाओं को उनकी आवश्यकता के अनुसार पौष्टिक आहार उपलब्ध कराया जाए, ताकि आपदा की स्थिति में महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। गांव के लोगों के लिए पशुधन महत्वपूर्ण सम्पत्ति है। किसान अपने परिवार के साथ गाय, भैंस, बकरी, घोड़ा, कुत्ता सहित विभिन्न पशुओं का पालन करता है। इसलिए राहत कार्य केवल मनुष्यों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि पशुओं की सुरक्षा और उनके चारे की व्यवस्था भी समान रूप से आवश्यक है। उन्होंने प्रशासन को निर्देश देते हुए कहा कि प्रभावित क्षेत्रों में पशुओं के लिए पर्याप्त मात्रा में चारे की व्यवस्था की जाए। केवल सूखा भूसा ही नहीं, बल्कि चोकर भी उपलब्ध कराया जाए, ताकि पशु कमजोर न हों। जलभराव के कारण पशुओं में विभिन्न प्रकार की बीमारियां हो सकती हैं। इसको दृष्टिगत रखते हुए पशु चिकित्सा शिविर लगाए जाएं और बीमार पशुओं के उपचार की तत्काल व्यवस्था की जाए। प्रभावित क्षेत्रों में पर्याप्त संख्या में चिकित्सा शिविर लगाए जाएं। बाढ़ और जलभराव के दौरान स्वास्थ्य सम्बन्धी अनेक चुनौतियां उत्पन्न होती हैं। इसलिए स्वास्थ्य विभाग पूरी तैयारी के साथ कार्य करे। पानी भरने के दौरान सांप, बिच्छू तथा अन्य जहरीले की?ें के काटने की घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है। इसके अलावा, कई स्थानों पर वन्य जीव भी आबादी वाले क्षेत्रों में आ सकते हैं। इसलिए स्वास्थ्य केन्द्रों पर आवश्यक दवाओं और उपचार की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रत्येक स्वास्थ्य केन्द्र पर एण्टी स्नेक वेनम की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। दुर्भाग्यवश किसी व्यक्ति को सर्प काट ले, तो उसे तत्काल उपचार और आवश्यक वैक्सीन उपलब्ध होनी चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति की जान महत्वपूर्ण है और व्यक्ति की जान बचाना सरकार की जिम्मेदारी है। इसी प्रकार यदि किसी व्यक्ति को जंगली जानवर अथवा कुत्ता काट ले, तो उसे तत्काल एण्टी रैबीज इन्जेक्शन उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आपदा के दौरान उपचार में देरी न की जाए और प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं लगातार सक्रिय रहें। दुर्भाग्यवश यदि डूबने अथवा आकाशीय बिजली गिरने जैसी आपदा के कारण किसी व्यक्ति की जनहानि होती है, तो उसे आपदा की श्रेणी में सम्मिलित करते हुए प्रभावित परिवार को तत्काल 04 लाख रुपये की सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। पीड़ित परिवारों को सहायता उपलब्ध कराने में अनावश्यक विलम्ब नहीं होना चाहिए। राज्य की आपदा राहत व्यवस्था में मृत्यु सहित विभिन्न प्रकार की क्षति के लिए निर्धारित राहत प्रावधान हैं। बरसात के कारण यदि किसी परिवार का घर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है, तो परिवार को 'प्रधानमंत्री आवास योजना' अथवा 'मुख्यमंत्री आवास योजना' के माध्यम से नया आवास उपलब्ध कराया जाएगा। संकट के कारण जिन परिवारों का आशियाना छिन गया है, उन्हें खुले में रहने के लिए मजबूर नहीं होने दिया जाएगा। प्रशासन ऐसे परिवारों को चिन्हित कर नियमानुसार आवास उपलब्ध कराने की कार्रवाई सुनिश्चित करे। किसी परिवार के पशुधन की हानि होती है, तो नियमानुसार उसे सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। ग्रामीण परिवारों के लिए पशुधन केवल आर्थिक सम्पत्ति नहीं, बल्कि आजीविका का महत्वपूर्ण आधार है। इसलिए पशुओं की सुरक्षा, उपचार और क्षति की स्थिति में सहायता उपलब्ध कराना भी राहत व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है। बाढ़ से प्रभावित किसानों की फसलों का समयबद्ध सर्वे कराया जाए और नियमानुसार मुआवजा उपलब्ध कराया जाए। पहले राहत एवं बचाव कार्य सुनिश्चित किए जाएं और इसके साथ ही फसल क्षति का सर्वे भी कराया जाए, ताकि किसानों को सहायता के लिए अनावश्यक प्रतीक्षा न करनी पड़े। अन्नदाता किसान खुशहाल रहेगा, तो गांव और प्रदेश खुशहाल होगा। संकट की इस घड़ी में किसान को यह महसूस होना चाहिए कि सरकार उनके साथ खड़ी है। उनकी फसल की क्षति की भरपाई के लिए प्रत्येक सम्भव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह जी ने भी स्थिति पर चिन्ता जताते हुए बाढ़ की स्थिति के सम्बन्ध में फोन के माध्यम से जानकारी ली है। रक्षा मंत्री जी ने बल दिया है कि फैजुल्लागंज से नैमिष तक तटबन्ध का निर्माण हो जाए, तो वहां के गांवों और मोहल्लों को बाढ़ से बचाने में मदद मिलेगी। प्रदेश सरकार ने इस कार्य को स्वीकृति प्रदान कर दी है। तत्काल धनराशि जारी करते हुए कार्य को आगे बढ़ाया जाएगा। तटबन्ध को इस प्रकार मजबूत एवं उपयोगी बनाया जाएगा, जिससे प्रत्येक मौसम में यह क्षेत्र की सुरक्षा में काम आ सके। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि बाढ़ के कारण जो लोग गांवों से बाहर राहत शिविरों में आए हैं, उनके गांवों की सुरक्षा की भी जिम्मेदारी प्रशासन की है। गांवों में चौकीदार, होमगार्ड, पी0आर0डी0 जवान तथा पुलिसकर्मी रात्रि में गश्त करें। प्रभावित परिवारों के घरों और सम्पत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। संकट की स्थिति का लाभ उठाकर किसी प्रकार की चोरी अथवा असामाजिक गतिविधि न होने पाए, इसके लिए पुलिस की प्रभावी पेट्रोलिंग सुनिश्चित की जाए। जहां राहत शिविरों में बिजली उपलब्ध है, वहां विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। जहां बिजली उपलब्ध नहीं है, वहां पेट्रोमैक्स अथवा सोलर लाइट की व्यवस्था कराई जाए। रात्रि के समय पर्याप्त प्रकाश होने से लोगों को सुरक्षा का एहसास होगा और सांप, बिच्छू अथवा अन्य जीवों से होने वाले खतरे को भी कम किया जा सकेगा। राहत शिविरों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित एवं सम्मानजनक वातावरण उपलब्ध कराना प्रशासन की जिम्मेदारी है। राहत एवं बचाव कार्य किसी एक विभाग की जिम्मेदारी नहीं है। इसके लिए प्रशासन, पुलिस, सिंचाई विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पशुपालन विभाग, स्थानीय निकाय, जनप्रतिनिधि तथा सामाजिक संगठनों को मिलकर कार्य करना होगा। प्रभावित लोग चिन्ता न करें कि उनकी आगे की जरूरतें कैसे पूरी होंगी। सरकार प्रत्येक सहयोग के लिए उनके साथ खड़ी है, जिसकी उन्हें आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि संकट में कोई व्यक्ति भूखा न रहे, कोई बच्चा दूध से वंचित न रहे, गर्भवती महिला को आवश्यक पोषण मिले, किसी बीमार व्यक्ति को उपचार के लिए परेशान न होना पड़े, पशुओं को चारा और उपचार मिले तथा प्रभावित परिवारों को उनके नुकसान के अनुसार नियमानुसार सहायता उपलब्ध हो। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री ब्रजेश पाठक, मुख्यमंत्री के सलाहकार श्री अवनीश कुमार अवस्थी, विधान परिषद सदस्य श्री पवन कुमार सिंह, विधायक डॉ0 नीरज बोरा व श्री योगेश शुक्ला सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण तथा शासन-प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

NAME CHANGE
I, ANIRUDHAN BALAJI S/O BALAJI BALASUBRAMANIAM R/O FLAT NO.343, SKYLARK APARTMENT, PLOT NO.35, SECTOR-6, DWARKA, DELHI-110075 HAVE CHANGED MY NAME TO ANIRUDH BALAJI FOR ALL FUTURE PURPOSES.

NAME CHANGE
I, RAMESHWAR S/O KAMAL SINGH R/O B-149, 3RD FLOOR JHILMIL COLONY SHAHDARA DELHI 110095, CHANGED MY NAME TO R D KAUSHAL.

NAME CHANGE
I, MANOJ BHARTI S/O DIN DAYAL GOSWAMI R/O 2101/1-B GALI NO 14 PREM NAGAR PATEL NAGAR CENTRAL DELHI 110008, CHANGED MY NAME TO MANOJ KUMAR.

NAME CHANGE
I CHANDRAKALAVATHI legally wife of Army no -15209212H, Rank - HAV, Name - M.Nandanna, Presently Residing At - Santhajutur, Post- Santhajutur, Teh - Nandyal, Dist - Nandyal, State- Andhrapradesh, Pin - 518513 have changed my name from CHANDRAKALAVATHI to MINIGE CHANDRAKALAVATHI have changed my name for all future purposes, Vide affidavit dated 05/10/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE
I M.Nandanna, Army no -15209212H, Rank - HAV, Presently Residing At - Santhajutur, Post- Santhajutur, Teh - Nandyal, Dist - Nandyal, State- Andhrapradesh, Pin - 518513 have changed my minor son name from MENEGE JAYANANDAN to MINIGE JAYANANDAN for all future purposes, Vide affidavit dated 05/10/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE
I M.Nandanna, Army no - 15209212H, Rank - HAV, Presently Residing At - Santhajutur, Post- Santhajutur, Teh - Nandyal, Dist - Nandyal, State- Andhrapradesh, Pin - 518513 have changed my minor daughter MENEGE SREENANDINI to MINIGE SRINANDINI for all future purposes, Vide affidavit dated 05/10/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, SHER ALAM S/O SHEHZAD ALAM R/O C-41/246, JANTA CAMP T-HUTS MATHURA ROAD NEW DELHI 110001, CHANGED MY NAME TO SHERE ALAM

NAME CHANGE
I, hitherto known as Geetanjali D/O Paramjeet singh, R/O 47 1st floor Right side Portion, Pocket 16, Sector 20 rohini, Sultanpuri C Block, PO: Sultanpuri C Block, DIST:North West Delhi, Delhi, 110086, have changed my name and shall hereafter be known as GEETANJALI KHURANA.

NAME CHANGE
I, SUNIL KUMAR S/o ASHOK KUMAR R/o 571, Block-B-2, J J Colony, Raghubir Nagar, Delhi-110027, have changed my name from SUNIL KUMAR to SUNIL for all future purposes.

NAME CHANGE
I, INDERA RAJ W/o ASHOK KUMAR R/o 571, Block-B-2, J J Colony, Raghubir Nagar, Delhi-110027, have changed my name from INDERA RAJ to INDRA for all future purposes.

NAME CHANGE
I MADHU BALA W/O SUNIL KUMAR R/O. WZ-86B, MUKHERJEE PARK, TILAK NAGAR, DELHI-110018 have changed my name to MADHU.

NAME CHANGE
I, GOPALA KRISHNAN NAIR S/O RAGHAVAN PILLAI VALIYAVEEDU GOVINDAN R/O HOUSE NO.72, SECOND FLOOR, INDRA PRASTHA COLONY, NEAR SLF MALL, SECTOR-30-33, AMARNAGAR, FARIDABAD, HARYANA-121003 HAVE CHANGED MY NAME TO G K NAIR FOR ALL FUTURE PURPOSES.

NAME CHANGE
I, Shabanam W/O Dilshad R/O -196, MO.Ansriyan Muradnagar, Muradnagar, Ghaziabad Uttar Pradesh -201206, have changed the name of my minor Son Shad aged 16 years and he shall hereafter be known as Mohmmad Shad Ansari

NAME CHANGE
I, Shweta Sharma D/O Surender Kumar Sharma, A 66, Block A Badli Extensan, Badli Village. Libas Pur PO: Samai Pur Dist: North West Delhi Pin:110042 Have Changed My Name To Shweta For All The Future Purposes.

NAME CHANGE
I, Puneet Kumar S/O Ashwani Sharma, K-115,K Block Jahangir Puri N.s Mandi North West Delhi Pin: 110033 Have Changed My Name To Puneet Kumar Sharma For All the future purposes.

NAME CHANGE
I, Ankur Nuraj Chaurasia S/O Chandrika Prasad Chaurasia, I -142 First Floor Phase 1, Ashok Vihar, New Delhi Pin: 110052 Have Changed My Name To Ankur Chaurasia For All The Future Purposes.

NAME CHANGE
I Rishabh S/O Tarachand Jain R/O House no.C - 25/1, Yadav Nagar, Badli, Po:- Samaipur, District:- North West Delhi, Delhi - 110042 I have Changed My Name To Rishabh Jain

NAME CHANGE
I KAVINDER S/O RAJ SINGH R/O DHANAURA SILVER NAGAR SILVERNAGAR BAGHPAT UTTAR PRADESH 250611 have changed my name to KAVINDER SINGH Permanently for all future Purposes

NAME CHANGE
I ISLAM S/O BABU KHAN R/O , I - 48 /D ABUL FAZAL ENCLAVE -1, MADEENA MASJID JAMIA NAGAR DELHI 110025 have changed my name to MOHD ISLAM Permanently for all future purposes

NAME CHANGE
I ISLAM MALIK S/O BABU KHAN R/O , I -48 /D ABUL FAZAL ENCLAVE -1, MADEENA MASJID JAMIA NAGAR DELHI 110025 have changed my name to MOHD ISLAM Permanently for all future purposes of

NAME CHANGE
I SALIM S/O MOHAMMAD BASHART R/O , B-46/3 VIJAY VIHAR PHASE -2 ROHINI DELHI-110085 have changed my name to MOHAMMAD SALEEM Permanently for all future purposes

NAME CHANGE
I ARTI ARYA W/O JAI SINGH R/O 1B BLOCK 4, SECTOR 2 DIZ AREA DELHI -110001 have changed my name and shall be hereafter be legally known as ARTI ARYA SINGH.

NAME CHANGE
I ABHITESH S/O RAM PARSHAD SHARMA R/O MS84A/WZ 460A - MS BLOCK 2 ND FLOOR HARI NAGAR MAYA PURI DELHI 110064 have changed my name to ABHITESH SHARMA Permanently for all future purposes

NAME CHANGE
I MOHD NABEEL KHAN S/0 MOHD SHAMAIL R/0 E-374 TOP FLOOR NEAR UMAR MASJID JAITPUR EXTN.BADARPUR DELHI 110044 CHANGED MY NAME TO MOHAMMAD NABEEL KHAN

NAME CHANGE
I, Ashwani kumar S/O Banarsi lal Sharma K-115,K Block Jahangir Puri N.s Mandi North West Delhi Pin: 110033 Have changed my name to Ashwani kumar sharma for all the future purposes

NAME CHANGE
I, Harmeet Singh Sahni S/O Jasbir Singh, H NO. 105 Narang Colony Janak Puri Delhi Pin:110058 Have Changed My Name To Harmeet Singh For All The Future Purposes.

NAME CHANGE
I, ASTHA GROVER D/o RITU MADAN R/o B-122, Belvedere Tower, Sector-24, DLF Cyber City, Opp RBS Building, Nathupur (67) Gurgaon, Haryana-122002 have changed my name to ASTHA MADAN GROVER for all future purposes

NAME CHANGE
I, NISHA W/O VIJAY KUMAR RANA R/O C-42, MODEST KETKI CGHS PLOT NO-8 B, SEC-11 DWARKA SEC-6 SOUTH WEST DELHI 110078, CHANGED MY NAME TO NISHA RANA.

NAME CHANGE
I, RINKU S/O KAILASH NATH MORYA R/O 137, GALI NO -5 A-BLOCK BRIJPURI GOKAL PURI SEELAM PUR NORTH EAST DELHI 110094, CHANGED MY NAME TO RINKU MORYA.

NAME CHANGE
I, MOHAMMAD SHUAIB, S/O MOHAMMAD ANWAR, R/O - MOHALLA HAKIMAN DARBAR SADAT, P.S. NEHTAUR, BIJNOR, UTTAR PRADESH - 246733, HEREBY DECLARE THAT I HAVE CHANGED MY NAME TO MOHD SHUAIB FOR ALL FUTURE PURPOSES.

NAME CHANGE
I, Pradeep Kumar S/O Krishan Lal R/O A-4 Sun Light Colony -2, Ashram, South Delhi-110014 Have Changed My Name to Pardeep Kumar for All Future Purposes.

NAME CHANGE
I, MOHAMMAD ANWAR, R/O - MOHALLA DARBAR SADAT, P.S. NEHTAUR, BIJNOR, UTTAR PRADESH - 246733, HEREBY DECLARE THAT I HAVE CHANGED MY NAME TO MOHD ANWAR FOR ALL FUTURE PURPOSES.

NAME CHANGE
I, YESHODHA mother of No-2616697M, Rank- L/NK, Name-SRINIVASAN S, residing at House No- 85, VPO- VARAGUR, DIST-VELLORE, TAMIL NADU- 632507, have changed my name from YESHODHA to YESHODHA SUBRAMANI, for all future purposes, vide affidavit dated 05/10/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, FUL SINGH son of No- 2614552H, Rank- HAV (HK), Name- THAKOR RANJITSINH KALUJI, residing at VPO- MUBARAKPUR, PS & TEHSIL- KALOL, DIST-GANDHI NAGAR, GUJARAT- 382721, have changed my name from FUL SINGH to FULSINH RANJITSINH THAKOR, for all future purposes, vide affidavit dated 05/10/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I Prince s/o kuldeep R/o Near Baddi Chopal VPO Bhaproda dist Jhajjar 124501,Haryana,India have changed my name to Prince Rathee

NAME CHANGE
I RAGIB S/O RIYASAT ULLA R/O E133 WELCOME SEELAMPUR-4 GARHI MENDU DELHI 110053 HAVE CHANGED MY NAME TO MOHD RAGHIB

Public Notice
It is for general Information that I, Shambu Raul S/o Kani Raul R/o House no. 111 First Floor, Zamrudpur, Greater Kailash, South Delhi, Delhi - 110048 declare that name of mine and my minor Son have been wrongly written as Shambu Kumar Rawal and Karan Rawal in my minor Son namely Karan Raul aged 15 years in his Birth Certificate no. MCDOLIR-0114-006406088 and School Records, The actual name of mine and my minor Son are Shambu Raul and Karan Raul

NAME CHANGE
I, Payal Ohri Arora D/O Pardeep Ohri R/O 81 4th floor Block D, Suncity, Gold Course Road, Sec 54, Wazirabad (75), Gurgaon HR - 122003 Have changed my name to Payal Ohri for all future purposes.

NAME CHANGE
I, GROVER RITU MADAN D/o Late. Surrinder Kumar Madan R/o B-122, Belvedere Tower, Sector-24, DLF Cyber City, Opp RBS Building, Nathupur (67) Gurgaon, Haryana-122002 have changed my name to RITU MADAN for all future purposes.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Khatija W/O: Shujat Alam, R/O D-124,Block-D, Abul Fazal Enclave, VTC: Jamia Nagar, PO: New Friends Colony, Sub District: Defence Colony, District: South Delhi, State: Delhi, 110025, declare that name of mine has been wrongly written as Khatija Shujat in my minor daughter namely Maham aged 14 years in her School record. The actual name of mine is Khatija, respectively which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
I hitherto known as Ajay Sharma S/O: Ajeet Sharma, R/O house no 140, south krishnapuri-2, VTC: Muzaffarnagar, PO: Muzaffar Nagar City, Sub District: Muzaffarnagar, District: Muzaffarnagar, Uttar Pradesh,: 251002, have changed my name and shall hereafter be known as AJAY KUMAR.

PUBLIC NOTICE
Be it known to all that my clients namely (1) SH. SURESH YADAV S/O SH. RAMBALI YADAV and (2) SMT. RAM DULARI YADAV W/O SH. SURESH YADAV, both R/o C-197, AMBEDKAR PLACE, BAPROLA VIHAR, WEST DELHI, NEW DELHI-110043 have disowned, debarred their son namely RAM SHANKAR S/O SH. SURESH YADAV R/o C-197, AMBEDKAR PLACE, BAPROLA VIHAR, WEST DELHI, NEW DELHI -110043 from all their moveable and immoveable properties because he is out of control of my clients. My clients have severed all relations with him. Anyone dealing with him may do so at his/her own risks, costs and consequences.

RAVI RANJAN PANDEY
Advocate
Chamber No.835,
Lawyers Chamber Complex
District Courts Dwarka, Sector 10,
New Delhi-110075

PUBLIC NOTICE
My client SALMA W/O RAHIS AHMAD R/o E 407/7A, Sangam Vihar, New Delhi-110080, has disowned/debarred her son namely Shakil Ahmed and daughter in law Shahreen Naz from all her moveable/immovable properties/assets and severed all their relations with them due to their misbehavior/misconduct towards my clients. If anybody dealing with them in any manner will do so at his/her/their own risk and responsibility. My client shall not responsible for any kind of acts done by her son and daughter in law.

MOHD TAHIR QIDWAI
Advocate
Chamber: 484,Lawyer Block,
Saket Court, New Delhi-110017

PUBLIC NOTICE
My clients SAHIB LAL and wife MANJU both R/o H.N. D-68B/5, Block D, Sangam Vihar, New Delhi -110080, has disowned/debarred their son namely Bhim Singh @ Bheem Singh and daughter in law Susma from all their moveable/immovable properties/ assets and severed all their relations with him due to their misbehavior/misconduct towards my clients. If anybody dealing with them in any manner will do so at his/her/their own risk and responsibility. My clients shall not responsible for any kind of acts done by their son and daughter in law.

MOHD TAHIR QIDWAI
Advocate
Chamber: 484,Lawyer Block,
Saket Court, New Delhi-110017

NAME CHANGE
I, JILAJEET SINGH S/O ANUJ PRATAP SINGH R/O 3477 2ND FLOOR DARIBA PAN NEAR MAHARANI HOTEL, PAHAR GANJ DELHI-110055 have changed my name to JILAJIT SINGH for all future purposes.

NAME BIFURCATION
I, ANKIT KUMAR, S/o HIRALAL, DOB: 27/03/1992, resident of B2-183, Tower No. B2, Sobha City, Babupur Main Road, Sector-108, Gurgaon, Haryana – 122017, hereby declare that my name "ANKIT KUMAR" shall be bifurcated as First Name: ANKIT and Surname: KUMAR. Both names refer to one and the same person.

NAME CHANGE
I, SANDRA ANTONY W/O SEBASTIAN ANIL KURIAN R/O H NO-P-03/4 TARAPORE OFFICERS ENCLAVE VASANT KUNJ DELHI-110070 have changed my name to SANDRA MARIE ANTONY for all future purposes.

NAME CHANGE
I, NAZEER AHMED S/O HAJIABU AHMED R/O H NO-2814 IIIRD FLOOR SHANKER GALI BAZAR SITA RAM AJMERI GATE DELHI-110006 have changed my name to NAZIR AHMED for all future purposes.

सार्वजनिक सूचना
मैं, मंगेश पुत्र दवेन्द्र ठाकुर, निवासी 1942/5, गली नं. 54, फर्स्ट 60 फीट रोड, मोलर बैंड एक्सटेंशन, बदरपुर, साउथ दिल्ली, दिल्ली-110044, यह घोषणा करता हूँ कि मेरे 10वीं, 12वीं एवं स्नातक (B.B.A.) के शैक्षणिक प्रमाण-पत्रों में मेरे पिता का नाम त्रुटिवश देवेन्दर ठाकुर अंकित हो गया है, जबकि मेरे पिता का सही नाम दवेन्द्र ठाकुर है। देवेन्दर ठाकुर एवं दवेन्द्र ठाकुर दोनों नाम एक ही व्यक्ति, अर्थात मेरे पिता के हैं। अत: भविष्य में मेरे पिता का सही नाम दवेन्द्र ठाकुर ही पढ़ा, लिखा एवं मान्य किया जाए।

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री सतवीर (पिता श्री अयोध्या प्रसाद) एक M.I.G. फ्लैट (नंबर G-1, ग्राउंड फ्लोर, छत के स्तर तक, सुपर एरिया 900 वर्ग फुट) के मालिक हैं। यह फ्लैट प्लॉट नंबर G-11 (खसरा नंबर 1076/5/2 का हिस्सा) पर बना है और दिलशाद गार्डन एक्सटेंशन-I, गांव झिलमिल ताहिरपुर, इलाका शाहदरा, दिल्ली-110095 में स्थित है। वे इसके मालिक 15.07.1999 की रजिस्टर्ड GPA (डॉक्यूमेंट नंबर 37824, बुक नंबर 4, SR-दिल्ली में रजिस्टर्ड) और 15.07.1999 की रजिस्टर्ड वसीयत (डॉक्यूमेंट नंबर 21326, श्रीमती मोनिका डावर पत्नी श्री हृच. डावर द्वारा निष्पादित) के आधार पर हैं। यह प्रॉपर्टी श्री फुरकान खान को बेची जा रही है और इसके लिए SMFG इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड से फाइनेंस लिया जा रहा है। आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी का भी इस प्रॉपर्टी पर कोई अधिकार/हित/टाइटल है या कोई विवाद है, तो कृपया इस सूचना के 07 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में सूचित करें।

Rahul Raj, Advocate,
SG Associates (Law Firm)
B-01, Plot no. 20, Koushambhi near HDFC Bank, U.P.
E-MAIL: sgassociatespl@gmail.com,
Ph: 8130309204

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री अशोक कुमार सिंह के पुत्र श्री पिंकू कुमार सिंह, ग्राम बिंदापुर (सुभाष पार्क, उत्तम नगर एक्सटेंशन II, नई दिल्ली-110059) में स्थित प्रॉपर्टी (खसरा नंबर 24 में RZ-64, एरिया 50 वर्ग गज) की तीसरी मंजिल (सामने की तरफ) और छत के अधिकारों के मालिक हैं। यह मालिकाना हक श्रीमती रीना शर्मा (पत्नी श्री राज कुमार शर्मा) द्वारा निष्पादित नोटरीकृत GPA (दिनांक 30.08.2025), ATS और वसीयत के आधार पर है। उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती वंदना (पत्नी श्री सुरेश कुमार) को बेची जा रही है और इसके लिए स्म्ब्नत इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड से फाइनेंस लिया जा रहा है। आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी का भी उक्त प्रॉपर्टी पर कोई दावा/हित/अधिकार या कोई विवाद है, तो कृपया इस सूचना के 07 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में सूचित करें।

Rahul Raj, Advocate,
SG Associates (Law Firm)
B-01, Plot no. 20, Koushambhi near HDFC Bank, U.P.
E-MAIL:sgassociatespl@gmail.com,
Ph: 8130309204

NAME CHANGE
I hitherto known as BHAVAYA alias ZOYA AKHTAR KHAN alias BHAVAYA SHAH D/o MAHENDRA KUMAR W/o ZAKIR AKHTAR, R/o C-14, Greater Ganga, Ganga Nagar, Meerut, Uttar Prades-250001, have changed my name and shall hereafter be known as BHAVAYA SHAH. I have changed my name only and not my religion.

NAME CHANGE
I hitherto Known as FUNDAN S/O KALE R/O GARHI KATAIYA ,Loni Dehat GHAZIABAD UTTAR PRADESH-201102 have changed my name and shall hereafter be known as FUNDAN SINGH.

NAME CHANGE
I hitherto known as Nizam S/O Azimuddin R/o Madina Masjid Ashok Vihar, Loni, Loni Ghaziabad Uttar Pradesh-, have changed my name and shall hereafter be known as Nizamuddin.

NAME CHANGE
JAKIR HUSSAIN S/o FAJRUDDIN R/o H NO BC 475, WARD NO 13,BADKHAL FARIDABAD HARYANA 121001 I HAVE CHANGED MY NAME TO ZAKIR HUSSAIN ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, Phool Kumar S/O Paliram R/O Asmadpur Charoli, PO: Thora, DIST: Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 203155, have changed my name and shall hereafter be known as Rahul Kumar

PUBLIC NOTICE
My Client Smt. Usha W/o Late Sh. Ashok R/o D-323, Sangam VIhar, Deoli,, South Delhi, New Delhi-110062, have disowned and debarred his Son Tarun Kumar from their all movable, immovable properties and I have no relation with them in future.

Parmod Kumar Advocate
Ch.No.543, Saket Court
NEW DELHI-110017

PUBLIC NOTICE
GENERAL PUBLIC IS HEREBY INFORMED THAT MR. YOGENDRA PAL, MRS. MITHLESH AND MR. JITENDER KUMAR ARE OWNER AND IN POSSESSION OF "PROPERTY AS RESIDENTIAL FLAT, UPPER GROUND FLOOR FLAT AREA MEASURING 100 SQ. YARDS, TOTAL AREA MEASURING 233 SQ. YARDS, OUT OF KHASRA NO. 11/17 & 11/8, LOCATED AT VILLAGE KAMAL PUR MAJRA BURARI, DELHI-110084." AND ACQUIRED THE SAID PROPERTY VIDE NOTARIZED GPA, ATS & WILL DT. 21.06.2026 EXECUTED BY MR. GAURAV TYAGI IN FAVOUR OF MR. YOGENDRA PAL, MRS. MITHLESH AND MR. JITENDER KUMAR. NOW MR. DEVENDER IS GOING TO PURCHASE THE SAID PROPERTY, FROM OWNER / SELLER MR. YOGENDRA PAL, MRS. MITHLESH AND MR. JITENDER KUMAR, WHICH WILL BE MORTGAGED WITH TRU HOME FINANCE LIMITED AS SECURITY AGAINST HOUSING LOAN FOR PURCHASING OF SAID PROPERTY. PLEASE CONTACT WITH WRITTEN OBJECTION LETTER AND RELEVANT DOCUMENTS TO UNDERSIGNED IF ANYONE HAS AN OBJECTION IN RESPECT OF SAID PROPERTY WITHIN 10 DAYS OF THIS PUBLICATION.

ADITYA VERMA, ADVOCATE
E-16, 1ST & 2ND FLOOR, E-BLOCK, MANSAROVAR PARK, SHAHDARA, DELHI-110032.
MOBILE NO. 9999042521 / 9958996685.

सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री अमन तोमर उस प्रॉपर्टी के मालिक हैं जिसका MPL नंबर B-1614 है, क्षेत्रफल 66 वर्ग गज है, पुराना प्लॉट नंबर D-19 है, और यह प्रॉपर्टी शास्त्री नगर, दिल्ली , साढोरा कलां गांव कॉलोनी में स्थित है। शुरुआत में, 04.01.1966 को श्री सतवंत सिंह ने एस. दर्शन सिंह के ज़रिए श्री भूपिंदर गली (10/16 हिस्सा) और श्री नछित्तर सिंह (6/16 हिस्सा) के पक्ष में सेल डीड (बिक्री विलेख) निष्पादित की। फिर, 23.08.1988 को श्री नछित्तर सिंह ने श्रीमती कुलदीप कौर के पक्ष में GPA और ATS निष्पादित की। फिर, 26.07.1990 को श्रीमती कुलदीप कौर ने श्री राज कुमार तोमर के पक्ष में GPA, ATS और वसीयत निष्पादित की। फिर, 23.05.2001 को श्री राज कुमार तोमर ने श्री शिव कुमार तोमर के पक्ष में GPA, ATS और रजिस्टर्ड वसीयत निष्पादित की। इसके बाद, स्वर्गीय श्री शिव कुमार तोमर के कानूनी उत्तराधिकारियों के तौर पर श्री अमन तोमर (बेटे) और श्रीमती अंजलि तोमर व श्रीमती आशु ठाकुर (दोनों बहनें) के नाम पर स्ब्ष्ट बनी। अंत में, 23.09.2022 को सुश्री आशु तोमर और सुश्री अंजलि तोमर ने उक्त प्रॉपर्टी के संबंध में श्री अमन तोमर के पक्ष में रिलिनक्विशमेंट डीड (अधिकार त्याग विलेख) निष्पादित की (डॉक्यूमेंट नंबर 2070)। वे अपनी वास्तविक ज़रूरतों के लिए इस अचल संपत्ति को L&T फाइनेंस लिमिटेड के पास गिरवी रखना चाहते हैं। यदि किसी को उक्त बिक्री और गिरवी रखने पर कोई आपत्ति है, या प्रॉपर्टी में कोई दावा, अधिकार या हित है, तो वे 07 दिनों के भीतर नीचे हस्ताक्षरकर्ता से संपर्क करें; ऐसा न करने पर यह मान लिया जाएगा कि कोई आपत्ति नहीं है।

नई दिल्ली
दिनांक: 30/9/2026

प्रज्ञा भूषण वकील
Enrl No. D/721/02
कार्यालय: L-27,GF, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली-48 Mob: 9968006418

NAME CHANGE
I, SONU SINGH S/O AJIT SINGH presently residing at Ground Floor, Unit 1RK, SD-180, SD-180, SECTOR-63A, NOIDA, UP-201309 and permanent residence at A-599, Multan Nagar, Diwakari Near By Pani Ki Tanki, Alwar, Rajasthan-301001 have changed the name of my minor daughter PRATIGYA aged 05 months and She shall hereafter be known as PRATIGYA SINGH.

NAME CHANGE
I, SONU SINGH S/O AJIT SINGH presently residing at Ground Floor, Unit 1RK, SD-180, SD-180, SECTOR-63A, NOIDA, UP-201309 and permanent residence at A-599, Multan Nagar, Diwakari Near By Pani Ki Tanki, Alwar, Rajasthan-301001 have changed the name of my minor son AKHIL PRATAP aged 05 months and he shall hereafter be known as AKHIL PRATAP SINGH.

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री गंगा प्रसाद एवं श्रीमती सुधा प्रसाद, निवासी K-1-18/120, संगम विहार, हमदर्द नगर, दक्षिण दिल्ली, दिल्ली-110062, अपने पुत्र SUNNY एवं पुत्रवधू JYOTI द्वारा लगातार मेरे मुवक्किलों का अनादर, अवहेलना एवं सम्मान न किए जाने तथा उनके प्रति अनुचित व्यवहार किए जाने से क्षुब्ध होकर, उन्हें अपनी चल एवं अचल संपत्तियों से बेदखल (DISOWN) करते हैं तथा उनसे अपने सभी पारिवारिक एवं सामाजिक संबंध समाप्त करते हैं। यह भी स्पष्ट किया जाता है कि आज की तारीख से SUNNY एवं JYOTI द्वारा किए गए किसी भी प्रकार के लेन-देन, उधार, ऋण, समझौते, दस्तावेज, वित्तीय दायित्व अथवा किसी अन्य कार्य के लिए मेरे मुवक्किल किसी भी प्रकार से जिम्मेदार अथवा उत्तरदायी नहीं होंगे। अत: आम जनता, रिश्तेदारों एवं सभी संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि वे उक्त SUNNY एवं JYOTI के साथ किसी भी प्रकार का लेन-देन अपने स्वयं के जोखिम एवं जिम्मेदारी पर करें। यह सार्वजनिक सूचना मेरे मुवक्किलों के निर्देशानुसार उनके हितों एवं अधिकारों की सुरक्षा हेतु प्रकाशित की जा रही है।

अरबिंदा नायक अधिवक्ता
Ch. No. 245-A, Lawyer's Chamber
Block District Court Complex,
Saket, New Delhi-17

सार्वजनिक सूचना
यह सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती कविता ठकरान (प्रस्तावित ऋणकर्ता) प्लॉट नं. 1515, क्षेत्रफल 69.33 वर्ग गज, स्थित लाल डोरा, मौजा झाड़सा, तहसील वज़ीराबाद, जिला गुरुग्राम, हरियाणा, को श्रीमती बीरमा से क्रय करने का इरादा रखती हैं, श्रीमती बीरमा ने उक्त संपत्ति श्रीमती उषा सिंह पत्नी श्री रविन्द्र सिंह द्वारा निष्पादित दिनांक 25.04.2024 की विक्रय विलेख के माध्यम से क्रय की थी, जो दस्तावेज संख्या 1601, बुक नं. 1, वॉल्यूम नं. 166/5502, पृष्ठ संख्या 149.25/97 से 101 पर दिनांक 25.04.2024 को उप-पंजीयक कार्यालय, वज़ीराबाद में पंजीकृत है, उक्त संपत्ति की स्वामित्व श्रृंखला में सम्मिलित मूल विक्रय विलेख दिनांक 07.04.2011, दस्तावेज संख्या 444, बुक नं. 1, दिनांक 07.04.2011, उप-पंजीयक कार्यालय, वज़ीराबाद, मूल प्रति खो गई है तथा उक्त दस्तावेज के संबंध में ऑनलाइन एफ.आई.आर. पहले ही दर्ज कराई जा चुकी है, जिसका एल.आर. नंबर 695036/2026 है, उक्त संपत्ति को सभी प्रकार के भारों, ग्रहणाधिकार, प्रभार, बंधक, दावों तथा अन्य किसी भी तृतीय पक्ष के अधिकार/हित से मुक्त बताया गया है, कृपया यह भी ध्यान दें कि उक्त संपत्ति का वित्तपोषण Bajaj Housing Finance Ltd., गुरुग्राम द्वारा प्रस्तावित है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के संबंध में किसी प्रकार का अधिकार, हक, हित, दावा, आपत्ति, भार, बंधक अथवा अन्य कोई तृतीय-पक्ष हित हो, तो वह इस सार्वजनिक सूचना के प्रकाशन की तारीख से 7 दिनों के भीतर अपने दावे/आपत्ति की सूचना संबंधित दस्तावेजों सहित प्रस्तुत कर सकता है। उक्त अवधि के पश्चात प्राप्त किसी भी दावे या आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

NAME CHANGE
I, Krishan Tanwar W/O Manoj Tanwar R/O House No 4 Gurjar Mohlla Chandan Hola 110074 have changed my name to Krishna Tanwar for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Dheeraj S/O Nagender Jha R/O D-2306 Tower-D Plt No GH-10A, Saviour Green Arch Sector Techzone-4, Greater Noida West, Gautam Budha Nagar UP 201306 have changed my name to Dheeraj Kumar for all future purposes.

NAME CHANGE
It is for general I, YOGESH TIVARI R/O 210 C,SK - 2 Ssctor - 93 Noida, Salarpur, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh- 201304 declare that name of my wife has been Wrongly written as SHASHIWALA SHARMA in my minor daughter namely UTKRISHT TIWARI aged 17 years in her School Records. The actual name of my wife is SHASHI WALA SHARMA, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, hitherto known as Honey Ray, S/O Manoj Kumar, R/o 102, NIKAT BANK OF BARODA, NAVYUG MARKET, Ghaziabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh 201001, have changed my name and shall hereafter be known as HUNNY.

NAME CHANGE
I hitherto Known as ASHU S/O Kamal Jeet Singh,R/O 100, KAMNA VAISHALI, NEAR WATER TANK, SECTOR-5, VAISHALI, Ghaziabad, UttarPradesh, 201010 have changed my name and shall hereafter be known as ARSHJHOT SINGH.

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mr. Gurmeet Singh** is the owner of **Upper Ground Floor (East Facing), without roof rights area measuring 1309.31 sq. fts., of Part of Property bearing No. 70-A/31, out of Khasra NO. 436, situated in the abadi of Guru Nanak Pura, Laxmi Nagar, in the area of village Mandawali Fazalpur, Iliaqa Shahdara, Delhi.;. vide Sale Deed dated 23.05.2025 which is duly registered vide as Doc. No. 2025/5/I/4989, in Book No.01, Vol. No. 4419, Page No. 165-182 dated 05.06.2025 (SRO: East Preet Vihar). and Intend to mortgage the said property with Truhome Finance Ltd. (Formerly known as Shriram Housing Finance Limited). That the (1) Sale Deed dated 31.05.2007 executed by M/s. Moonbeam Finvest Lease Ltd & M/s. Rathore Building Constructions Interior & Developers in favour of Mrs. Bimla Goel, as doc. no. 4819, book no.1,vol. no. 2848, Page no. 153 to 159, on 31.05.2007, SRO-VIII- Delhi. (2) Sale Deed dated 09.08.2010 executed by Mrs. Bimla Goel in favour of Mrs. Neelu Jain. (Regn No. 15329), (3) Sale Deed dated 12.10.2018 executed by Mrs. Neelu Jain in favour of Mrs. Rekha Aggarwal. (Document No. 6093) , (4) Sale Deed dated 07.09.2021** executed by Mrs. Rekha Aggarwal in favour of Mrs. Kamini Sharma (Document No. 5300) 07.09.2021 are Lost/Misplaced. Public is being warned not to deal with the said document. Any person dealing with the said document would do so at their own risk & responsibility. Owner shall not be liable in any manner whatsoever for any loss incurred by such person. If anybody found these document or notice any misuse of the above mentioned document, Concern person is required to communicate in writing to the undersigned at below address.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

गुरुग्राम में STF टीम पर हमला; गोलियां बरसाकर भागे बदमाश, 2 पुलिसकर्मी जख्मी

एजेंसी

गुरुग्राम। गुरुग्राम के सोहना एलिवेटेड हाईवे पर शनिवार रात को चेकिंग के दौरान 3 गाड़ियों में आए 12 बदमाशों ने स्क्लस्न टीम पर जानलेवा हमला कर दिया। पुलिस के रोकने पर बदमाशों ने तेज रफ्तार में एसटीएफ की गाड़ी को टक्कर मार दी और उतरकर मारपीट, तोड़फोड़ और फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। हमले में दो पुलिसकर्मी घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

संदिग्ध गाड़ियां रोकने पर हमला

बताया जाता है कि नाकेबंदी के दौरान पुलिस ने संदिग्ध गाड़ियों को रोकने का इशारा किया। इस पर 3 गाड़ियों में सवार बदमाशों ने अपनी रफ्तार बढ़ा दी। इतना ही नहीं बदमाशों ने एसटीएफ की सरकारी गाड़ी में टक्कर मार दी। बदमाश गाड़ियों से उतर गए और पुलिसकर्मियों के साथ हाथापाई की। बदमाशों ने गाड़ी के शीशे भी तोड़ दिए।

फायरिंग भी की

बदमाशों ने एसटीएफ टीम पर सीधी फायरिंग कर दी। इसके बाद पुलिस की ओर से भी जवाबी कार्रवाई की गई। आरोपी अपनी कारों समेत मौके से फरार हो गए। इस वारदात में एसटीएफ के दो जवान घायल हो गए हैं। हमले में घायल इन दोनों पुलिसकर्मियों को तुरंत इलाज के लिए सोहना के नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया।

बदमाशों की पहचान की कोशिश

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि शिकायत मिलने पर भोंडसी थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाल रही है। पुलिस तकनीकी सर्विलांस की मदद से गाड़ियों की भी पहचान करने की कोशिश की है। पुलिस का कहना है कि बदमाशों की पहचान की जा रही है। बदमाशों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

बहादुरगढ़ में नहर से दो शव मिलने से फैली सनसनी, महिला सूट तो पुरुष टी-शर्ट-अंडरवियर में मिला; पुलिस हर पहलू से कर रही जांच

एजेंसी

बहादुरगढ़। बहादुरगढ़ में संदिग्ध परिस्थितियों में एनसीआर माइनर में एक महिला और पुरुष के शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। दोनों शव नहर में तैरते हुए मिले। शवों की हालत देखकर उनके कई दिन पुराने होने की आशंका जताई जा रही है। अभी तक दोनों मृतकों की पहचान नहीं हो पाई है।

जानकारी के अनुसार, बहादुरगढ़ के गांव जसौरखेड़ी से भैंसरू जाने वाली सड़क पर नहर पर बने पुल के पास ग्रामीणों ने महिला और

पुरुष के शव तैरते हुए देखे। इसके बाद उन्होंने मामले की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। मामले की जांच के लिए फोरेंसिक टीम को भी सूचना दी गई। महिला ने सूट पहना हुआ है, जबकि पुरुष टी-शर्ट और अंडरवियर में मिला है। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बहादुरगढ़ के नागरिक अस्पताल भिजवा दिया है। फिलहाल पुलिस मृतकों की पहचान करने के प्रयास में जुटी हुई है।

दोनों की मौत किन परिस्थितियों में हुई, यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। उन्होंने आत्महत्या की, उनकी हत्या की गई या फिर यह किसी हादसे का परिणाम है, इन सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर पुलिस जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और मृतकों की पहचान होने के बाद मामले में अहम सुराग मिलने की उम्मीद है। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। इस मामले में फिलहाल पुलिस कुछ भी कहने से बच रही है।

फरीदाबाद में बाल सुधार गृह से 3 नाबालिग फरार, खिड़की तोड़कर भागे... मचा हड़कंप, तीनों पर गंभीर अपराधों के आरोप

एजेंसी

फरीदाबाद। एनआईटी फरीदाबाद के 5 नंबर इलाके में स्थित महिला एवं बाल विकास विभाग के बाल सुधार गृह से तीन नाबालिग बाल बंदियों के फरार होने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि तीनों बाल बंदी बीती देर रात बाथरूम की खिड़की तोड़कर बाहर निकले और मेन गेट से फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलने के बाद विभाग में हड़कंप मच गया।

सूत्रों के मुताबिक फरार हुए तीनों नाबालिगों को अलग-अलग मामलों में बाल सुधार के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग के अधीन रखा गया था। इनमें से दो बाल बंदी वर्ष 2024 से यहां रह रहे थे, जबकि तीसरा वर्ष 2025 से बाल सुधार गृह में था। सूत्रों का कहना है कि तीनों पर गंभीर अपराधों के आरोप हैं और इसी के चलते उन्हें यहां रखा गया था।

बताया जा रहा है कि फरार बाल बंदियों में एक गुरुग्राम, दूसरा मेवात और तीसरा हिसार जिले का रहने वाला है। घटना के बाद पुलिस ने आसपास के इलाकों में उनकी तलाश शुरू कर दी है। वहीं, क्राइम ब्रांच की टीमें भी फरार बाल बंदियों की तलाश में जुट गई हैं। थाना एनआईटी इंचार्ज महावीर ने बताया कि बाल सुधार गृह की तरफ से उनको शिकायत मिली है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ-साथ संभावित ठिकानों पर भी दबिश दे रही है। तीनों नाबालिग किस तरह बाल सुधार गृह से बाहर निकले और सुरक्षा व्यवस्था में कहां चूक हुई, इसकी भी जांच की जा रही है। फिलहाल पुलिस का पूरा ध्यान फरार बाल बंदियों को जल्द से जल्द तलाशने पर है।

बल्लभगढ़ : सेक्टर-62 चौराहे पर ताबड़तोड़ चले चाकू, एक की मौत...दूसरा घायल; थर्रा उठा इलाका

एजेंसी

फरीदाबाद । फरीदाबाद बल्लभगढ़ के सेक्टर-62 चौराहे पर देर रात करीब 10 बजे विवाद के बाद चाकूबाजी की घटना सामने आई है। चाकू लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को उपचार के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना का छ्ष्ट्ठङ्क फुटेज भी सामने आया है।

जानकारी के अनुसार, किसी बात को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हुआ था। देखते ही देखते विवाद झगड़े में बदल गया और इस दौरान चाकू चल गए। चाकूबाजी में दो लोग घायल हुए, जिनमें से एक की मौत हो गई। मृतक और घायल दोनों के शाहपुर गांव के रहने वाले बताए जा रहे हैं। इधर घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस के साथ क्राइम ब्रांच और फॉरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया और मौके से साक्ष्य जुटाए। सामने आए CCTV फुटेज के आधार पर भी पुलिस मामले की जांच कर रही है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि सेक्टर-62 चौराहे के आसपास कथित तौर पर अवैध तरीके से शराब पीने वालों का जमावड़ा रहता है।

लोगों का कहना है कि यहां आए दिन विवाद और झगड़े की घटनाएं होती रहती हैं। स्थानीय लोगों ने पुलिस से क्षेत्र में गश्त बढ़ाने और अवैध शराब गतिविधियों पर सख्ती करने की मांग की है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। हत्या की वजह, चाकूबाजी में शामिल लोगों और विवाद की शुरुआत कैसे हुई, इसका पता लगाने के लिए CCTV फुटेज और अन्य साक्ष्यों की जांच की जा रही है।

कैथल में पुलिस एनकाउंटर, AVT टीम पर फायरिंग करने वाले आरोपी के घुटने में लगी गोली; बुलेट प्रूफ जैकेट ने बचाई ASI की जान

एजेंसी

कैथल। अपराधियों की धरपकड़ के लिए निकली एवीटी टीम की रविवार को गुहला थाना क्षेत्र में एक आरोपी से मुठभेड़ हो गई। बाबकपुर गांव के पास हुई इस घटना में आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली आरोपी के घुटने में लगी। पुलिस ने उसे काबू कर लिया। वहीं, आरोपी की गोली एएसआई अजीत सिंह की छाती पर लगी, लेकिन बुलेट प्रूफ जैकेट पहने होने के कारण उनकी जान बच गई।

मोटरसाइकिल पर था और उसके पास अवैध हथियार भी था। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर उसे पकड़ने की कोशिश की। पुलिस टीम को देखते ही आरोपी जंगल की तरफ भागने लगा। पुलिस कर्मचारियों ने उसे रुकने के लिए आवाज लगाई, लेकिन उसने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी।

एक गोली ASI की छाती पर लगी, जैकेट ने बचाई जान

आरोपी की ओर से की गई फायरिंग में एक गोली एएसआई अजीत सिंह की छाती पर लगी। एएसआई ने बुलेट प्रूफ जैकेट

पहन रखी थी, जिससे गोली का असर नहीं हुआ और उनकी जान बच गई। इसके बाद पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की। इसमें आरोपी के घुटने में गोली लगी और उसे मौके पर ही काबू कर लिया गया। घायल आरोपी को पहले सीएचसी गुहला ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उसे नागरिक अस्पताल कैथल रेफर कर दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस के उच्च अधिकारी मौके पर पहुंचे। फोरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया है। पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, एवीटी टीम में एएसआई अजीत सिंह, एएसआई राममेहर, एएसआई अशोक, एएसआई संदीप और सिपाही सरवन कुमार शामिल थे। टीम सरकारी गाड़ी से गुहला क्षेत्र में अपराधियों की तलाश कर रही थी। इसी दौरान बाबकपुर गांव के पास गुप्त सूचना मिली कि पंजाब के अलीपुर निवासी कृपाल उर्फ बल्लू बाबकपुर से रता खेड़ा जाने वाली सड़क के पास जंगल में खड़ा है। वह चोरी और छीना-झपटी के कई मामलों में वांछित बताया गया है।

सूचना के अनुसार आरोपी बिना नंबर प्लेट की

एशियन गेम्स में हरियाणवियों का डंका, 14 स्वर्ण समेत 32 पदक जीतकर लौटे खिलाड़ी; एयरपोर्ट पर खेल मंत्री ने किया जोरदार स्वागत

एजेंसी

हरियाणा। जापान में आयोजित एशिया चैंपियनशिप में जोरदार प्रदर्शन करके लौटे हरियाणा के खिलाड़ियों का इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर खेल मंत्री गौरव गौतम ने जोरदार स्वागत एवं अभिनंदन किया। उन्होंने फूल मालाएं पहनाकर खिलाड़ियों का स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि एशियन गेम्स में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 85 पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाया है। इनमें से हरियाणा के खिलाड़ियों ने कुल 32 पदक जीते हैं, जिसमें 14 स्वर्ण, 9 रजत और 9 कांस्य पदक सहित शामिल हैं।

खेल मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि प्रदेश के खिलाड़ियों ने यह पदक अपने नाम कर हरियाणा की खेल शक्ति का लोहा मनवाया। उन्होंने खिलाड़ियों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर उनकी उपलब्धियों की सराहना की और भविष्य में भी हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश को खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर गर्व है। यह हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा चलाई जा रही खेल नीतियों व योजनाओं का नतीजा है कि प्रदेश में खेल व खिलाड़ी निरंतर आगे बढ़ रहे हैं। उन्हें पूरा भरोसा है कि भविष्य में भी खिलाड़ी इसी तरह बेहतर प्रदर्शन कर प्रदेश का नाम रोशन करेंगे।

घर पर संदिग्ध परिस्थितियों में मृत मिली बुजुर्ग महिला, हत्या की आशंका

एजेंसी

गुड़गांव। न्यू कॉलोनी एरिया में उस वक्त सनसनी मच गई जब 75 वर्षीय बुजुर्ग महिला घर पर मृत मिली। पड़ोसियों ने इसकी सूचना पुलिस को दी और लूट के इरादे से हत्या किए जाने का शक जताया है। ऐसे में पुलिस ने लोगों के शक के बिनाह पर एक युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। वहीं, न्यू कॉलोनी थाना प्रभारी की मानें तो प्रारंभिक तौर की जांच में यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि महिला की हत्या की गई हो। महिला घर पर अकेली रहती थी। फिलहाल देर रात को शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पुलिस के मुताबिक, न्यू कॉलोनी मदर डेयरी के पास स्थित मकान नंबर 180 में 75 वर्षीय बुजुर्ग महिला मधु शर्मा अकेली

रहती थी। बताया जा रहा है कि वह मानसिक रूप से परेशान थी। रविवार रात को पुलिस को पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी कि महिला के साथ कोई अप्रिय घटना घटित हुई है। उन्होंने एक युवक को देखा है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन शुरू की तो महिला घर पर मृत अवस्था में थी। फॉरेंसिक टीम को मौके पर बुलाया गया और जांच शुरू कर दी गई। वहीं, पुलिस ने प्रारंभिक तौर की जांच के दौरान पड़ोस के घर में छिपकर बैठे एक युवक को हिरासत में लिया। लोगों ने आरोप लगाया कि युवक ने लूट की आशंका से महिला की हत्या की है। वहीं, न्यू कॉलोनी थाना प्रभारी की मानें तो प्रारंभिक तौर की जांच महिला की हत्या का कोई साक्ष्य नहीं मिला है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले की जांच की जा रही है। शव के पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के दौरान जो भी तथ्य सामने आएंगे उसके आधार पर आगामी कार्रवाई की जाएगी।

बदमाशों ने STF की गाड़ी को मारी टक्कर, मारपीट के साथ गाड़ियों के शीशे तोड़, फायरिंग कर हुए फरार

एजेंसी

गुड़गांव। स्पेशल टास्क फोर्स (स्क्लस्न) की सेंट्रल यूनिट को सोहना एलिवेटेड रोड पर भोंडसी मोड़ के नजदीक उस वक्त जान बचाना भारी पड़ गया जब तीन गाड़ियों को जांच के लिए रोकने का प्रयास किया। तीन गाड़ियों में सवार युवकों ने न केवल एसटीएफ की गाड़ी को जोरदार टक्कर मारी बल्कि इन लोगों ने एसटीएफ की टीम पर हमला कर मारपीट की और गाड़ियों के शीशे तोड़ दिए। आरोपियों ने एसटीएफ टीम पर फायरिंग भी कर दी और मौके से फरार हो गए। वारदात की सूचना भोंडसी थाना पुलिस को दी गई। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना में एसटीएफ के दो जवान घायल हुए हैं जिनका इलाज कराया जा रहा है।जानकारी के मुताबिक, एसटीएफ की सेंट्रल यूनिट में तैनात पीएसआई राजकुमार ने भोंडसी थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि शनिवार रात उन्हें सूचना मिली थी कि एक नामी बदमाश गुरुग्राम की तरफ से सोहना एलिवेटेड हाईवे होते हुए भोंडसी की ओर आने वाला है। सूचना के आधार पर टीम ने शनिवार देर रात करीब 9ञ्30 बजे भोंडसी कट पर विशेष नाकेबंदी की थी। रात करीब दस बजे तीन अलग-अलग कारों में 10 से 12 युवक पहुंचे। संदिग्ध लगने पर जब टीम ने उन्हें रुकने का संकेत दिया, तो चालकों ने गाड़ियां रोकने के बजाय उनकी गति बढ़ा दी और नाके पर खड़ी एसटीएफ की गाड़ी को सीधी टक्कर मार दी। इसके बाद बदमाशों ने उतरकर सरकारी गाड़ी में तोड़फोड़ की और टीम पर गोलियां चला दी। फायरिंग में पुलिसकर्मी बाल-बाल बचे। इसके बाद एसटीएफ टीम ने भी बचाव में जवाबी फायरिंग की, जिसके बाद आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से भाग निकले। हमले में एसटीएफ के दो जवान घायल हो गए जिन्हें इलाज के लिए सोहना के नागरिक अस्पताल में दाखिल कराया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि भोंडसी थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है।

दिल्ली का कूड़ा गुड़गांव में डालने वाले 10 गिरफ्तार, 7 गाड़ियां बरामद

दिल्ली से कूड़ा लाकर गुड़गांव में फेंकने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए गुड़गांव पुलिस ने 10 लोगों के खिलाफ अलग-अलग 4 केस दर्ज किए हैं। मामले में पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 7 वाहन जब्त किए हैं।

एजेंसी

गुड़गांव। दिल्ली से कूड़ा लाकर गुड़गांव में फेंकने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए गुड़गांव पुलिस ने 10 लोगों के खिलाफ अलग-अलग 4 केस दर्ज किए हैं। मामले में पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 7 वाहन जब्त किए हैं। डीसीपी वेस्ट ने बताया कि मामले में दो केस बजघेड़ा थाने में, एक उद्योग विहार तथा एक राजेंद्रा पार्क थाने में दर्ज किया गया है।

डीसीपी ने बताया कि आरोपी दिल्ली से कूड़ा कचरा लोकर गुड़गांव के अलग-अलग क्षेत्रों में फेंक रहे थे। मुख्यमंत्री के आदेश के बाद अलग-अलग स्थानों पर विशेष नाकाबंदी की और दिल्ली से कूड़ा लाकर जैसे ही यह लोग गुड़गांव में डाल रहे थे वैसे ही इन्हें काबू कर लिया गया। पकड़े गए वाहनों में कैंटर, ट्रेक्टर ट्रॉली व टाटा﹐ष्टश्व शामिल हैं। मामले में 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों से प्रारंभिक पूछताछ एवं जांच के दौरान सामने आया है कि आरोपी दिल्ली से जुड़े एक नेटवर्क के माध्यम से कूड़ा-कचरा एवं प्लास्टिक कचरा गुरुग्राम में लाने का कार्य करते थे। गुरुग्राम में लाए गए कूड़े-कचरे से प्लास्टिक को अलग करके उसकी सेग्रीगेशन की जाती थी तथा आगे अन्य स्थानों पर भेजे जाने की जानकारी सामने आई है। पुलिस द्वारा इस पूरे नेटवर्क की गहनता से जांच की जा रही है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों तथा वारदात में प्रयोग किए गए बरामद वाहनों के मालिकों के संबंध में जानकारी एकत्रित कर रही है। जांच के दौरान जिस वाहन मालिक की संलिप्तता अथवा इस अवैध गतिविधि में किसी प्रकार की भूमिका सामने आती है, तो संबंधित वाहन मालिकों के विरुद्ध भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल मामले में अवैध गतिविधि से जुड़े अन्य व्यक्तियों, वाहन मालिकों, कूड़ा-कचरा लाने वाले वाहनों तथा प्लास्टिक की सेग्रीगेशन एवं आगे भेजे जाने से संबंधित पूरे नेटवर्क की जांच की जा रही है।

डीसीपी वेस्ट ने कहा कि गुरुग्राम पुलिस द्वारा पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाली अवैध गतिविधियों के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्यवाही की जा रही है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 472, निफ्टी 133 अंक उछला

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दूनिया भर से मिले अच्छे संकेतों केसाथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में तेजी से बढने की आशंकाओं में कमी आने से भी घरेलू बाजार उछला है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 472.77 अंकों की बढ़त के साथ ही 72,382.47 अंकों पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी इंडेक्स 133.80 अंकों की तेजी की साथ ही 22,555.75 अंकों पर बंद हुआ। आज सेंसेक्स की 30 में से 20 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ ही ऊपर आये जबकि बाकी 10 कंपनियों के शेयर गिरावट पर बंद हुए। वहीं दूसरी ओर, निफ्टी 50 की 31 कंपनियों के शेयर तेजी के साथ बढ़त पर बंद हुए। बची हुई 18 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ लाल निशान पर बंद हुए जबकि एक कंपनी का शेयर बिना किसी बदलाव के बंद हुआ। आज सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल आईटीसी के शेयर सबसे ज्यादा 4.49 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए।

जबकि एचसीएल टेक का शेयर आज सबसे ज्यादा 3.69 फीसदी की गिरावट के साथ बंद

हुआ। वहीं एटरनल, भारती एयरटेल के शेयरों में तेजी रही। आज बजाज फाइनेंस, अडाणी पोर्ट्स, आईसीआईसीआई बैंक , रिलायंस इंडस्ट्रीज, एलएंडटी , एनटीपीसी तेजी के साथ बंद हुए जबकि एचडीएफसी बैंक , सन फार्मा , इंन्फोसिस , एशियन पेंट्स , ट्रेंट , कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। वहीं इससे पहले आज सुबह वैश्विक बाजारों से मिले अच्छे संकेतों की वजह से सप्ताह के पेहले कारोबारी दिन सेंसेक्स और निफ्टी शुरुआती कारोबार में तेजी के साथ खुले।

रनवाल एंटरप्राइजेज के शेयर की बाजार में धीमी शुरुआत

नई दिल्ली ।

रियल एस्टेट डेवलपर रनवाल एंटरप्राइजेज लिमिटेड के शेयर ने सोमवार को शेयर बाजार में फीकी शुरुआत की। बीएसई पर शेयर 306 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ, जो 305 रुपये के निर्गम मूल्य से मामूली 0.32 प्रतिशत अधिक है। एनएसई पर शेयर 305 रुपये के निर्गम मूल्य के बराबर भाव पर ही सूचीबद्ध हुआ। बाद में कारोबार के दौरान बीएसई पर शेयर 3.22 प्रतिशत फिसलकर 295.15 रुपये पर आ गया। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 4,365.68 करोड़ रुपये रहा। रनवाल एंटरप्राइजेज लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को शेयर बिक्री के अंतिम दिन गत मंगलवार को 2.5 गुना अभिदान मिला था। आईपीओ का मूल्य दायरा 290-305 रुपये प्रति शेयर था। आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) पूरी तरह से 500 करोड़ रुपये तक के नए शेयर पर आधारित था। इससे जुटाई गई राशि का इस्तेमाल कर्ज चुकाने, भविष्य की रियल एस्टेट परियोजनाओं के वित्तपोषण और सामान्य कारोबारी जरूरतों के लिए किया जाएगा।

एसवेक्टर का शेयर 11.5 फीसदी गिरावट के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली ।

सॉफ्टबैंक समर्थित डिजिटल-कॉमर्स मंच एसवेक्टर लिमिटेड का शेयर अपने 32 रुपये के निर्गम मूल्य से 11.5 प्रतिशत की गिरावट के साथ सोमवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। स्नैपडील की मूल कंपनी का शेयर बीएसई पर 28.30 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ जो निर्गम मूल्य से 11.56 प्रतिशत की गिरावट है। एनएसई पर शेयर ने निर्गम मूल्य से 11.5 प्रतिशत की गिरावट के साथ 28.32 रुपये पर शुरुआत की। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 1,394.75 करोड़ रुपये रहा। एसवेक्टर लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को मंगलवार को बोली के अंतिम दिन 4.93 गुना अभिदान मिला था। कंपनी के 420 करोड़ रुपये के आईपीओ का मूल्य दायरा 30-32 रुपये प्रति शेयर था।

बाजार की गिरावट में भी पांच इक्विटी फंड्स का जलवा

- फंडों ने अपनी विशिष्ट वैश्विक और सेक्टर-केंद्रित निवेश रणनीतियों के चलते गिरावट को मात दी

नई दिल्ली ।

पिछले सप्ताह शेयर बाजार में बिकवाली के भारी दबाव के बावजूद, पांच इक्विटी म्युचुअल फंड्स ने निवेशकों को सकारात्मक रिटर्न देकर चौंका दिया। वैल्यू रिसर्च के आंकड़ों के अनुसार, इन फंडों ने अपनी विशिष्ट वैश्विक और सेक्टर-केंद्रित निवेश रणनीतियों के चलते गिरावट को मात दी। बाजार की चुनौतियों के बीच भी इन फंडों ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। इनमें सबसे ऊपर रहा निप्पॉन इंडिया जापान इक्विटी फंड, जिसने पिछले एक हफ्ते में 2.54 फीसदी का प्रभावशाली रिटर्न दिया, और एक साल में 30.60 फीसदी की मजबूत वृद्धि दर्ज की। दूसरे स्थान पर आदित्य बिड़ला सन लाइफ ग्लोबल इमर्जिंग अपॉर्च्युनिटीज फंड रहा, जिसने 0.86 फीसदी साप्ताहिक और 18.98 फीसदी वार्षिक रिटर्न दिया। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र में, डीएसपी निफ्टी आईटी इंडेक्स फंड और डीएसपी निफ्टी आईटी ईटीएफ ने क्रमशः 0.46 फीसदी और 0.45 फीसदी का सकारात्मक रिटर्न देकर अपनी चमक बिखेरी।

मुंबई टी1 विवाद- एयरलाइंस ने अदाणी से मांगे बातचीत के रिकॉर्ड

नवी मुंबई शिपिटंग के आदेश पर भी उठाए सवाल

मुंबई ।

विमानन कंपनियों ने मुंबई एयरपोर्ट के ऑपरेटर अदाणी समूह (एमआईएएल) के उन दावों को सिरे से खारिज कर दिया है, जिनमें कहा गया था कि टर्मिनल 1 के पुनर्विकास को लेकर 2020 से उनसे व्यापक बातचीत चल रही है। एयरलाइन ऑपरेटर्स कमिटी (एओसी) ने एमआईएएल को एक पत्र भेजकर 2020 से हुई ऐसी सभी बैठकों के रिकॉर्ड और बातचीत का विवरण मांगा है। इसके साथ ही एयरलाइंस ने मुंबई एयरपोर्ट से अपनी 33 प्रतिशत अंतरराष्ट्रीय सेवाओं को हाल ही में खुले नवी मुंबई एयरपोर्ट पर 25 अक्टूबर तक शिफ्ट करने के आदेश के आधार पर भी सवाल उठाए हैं।

अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड (एएएचएल) ने हाल ही में एक विज्ञप्ति जारी कर कहा था कि 60 साल पुरानी टर्मिनल 1 बिल्डिंग को लेकर सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण एयरलाइंस को नवी मुंबई शिफ्ट होने को कहा गया है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 6 पैसे की गिरावट के साथ 96.31 पर बंद इहुआ। आज सुबह कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी के दबाव के बीच रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में सीमित दायरे में रहा और 96 प्रति डॉलर के स्तर के आसपास बना रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की समय-समय पर डॉलर की खरीद-बिक्री संबंधी कार्रवाई से दिन के कारोबार में अत्यधिक उतार-चढ़ाव को कम करने और रुपये में तेज गिरावट को रोकने में मदद मिली। हालांकि ऊंची आयात लागत तथा डॉलर की लगातार मजबूती ने निवेशकों की धारणा पर दबाव बनाए रखा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 96.20 प्रति डॉलर पर खुला। फिर फिसलकर 96.26 प्रति डॉलर पर आ गया जो यह पिछले बंद भाव के मुकाबले एक पैसे की गिरावट है। रुपया गुरुवार को 96 प्रति डॉलर के स्तर से नीचे आ गया था और 96.25 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

अक्टूबर में म्युचुअल फंड निवेशकों के लिए तीन नए अवसर

- जियोब्लैकरॉक, कोटक और एचडीएफसी ला रहे डेट

मुंबई ।

म्युचुअल फंड में निवेश करने वाले लोगों के लिए अक्टूबर 2026 की शुरुआत में तीन नए निवेश विकल्प खुलने जा रहे हैं। जियोब्लैकरॉक, कोटक महिंद्रा और एचडीएफसी म्युचुअल फंड अपने नए फंड ऑफर (एनएफओ) के साथ बाजार में उतर रहे हैं, जो निवेशकों को विविध रणनीतियों वाले फंड्स में निवेश का मौका देंगे। ये तीनों एनएफओ 5 अक्टूबर को खुल गए हैं और 19 अक्टूबर को बंद होंगे। पहला है जियोब्लैकरॉक इनकम प्लस आर्बिट्राज ओम्नी फंड ऑफ फंड। यह एक ओपन-एंडेड हाइब्रिड स्कीम है, जिसका उद्देश्य एक्टिव या पैसिव डेट और आर्बिट्राज फंड्स में निवेश करके आय अर्जित करना है। न्यूनतम 500 रुपए के निवेश से शुरू होने वाले इस फंड को मॉडरेट रिस्क कैटेगरी में रखा गया है और इसमें कोई लॉक-इन या एग्जिट लोड नहीं है। दूसरा, कोटक निफ्टी 500 इंडेक्स फंड है, जो कोटक महिंद्रा म्युचुअल फंड की इक्विटी फ्लेक्सी कैप स्कीम है। यह निफ्टी 500 इंडेक्स में शामिल कंपनियों के प्रदर्शन को ट्रैक करेगा। इसमें न्यूनतम 1,000 रुपए का निवेश किया जा सकता है और इसे वेरी हाई रिस्क श्रेणी में रखा गया है। तीसरा ऑफर एचडीएफसी निफ्टी लार्ज मिडकैप इंडेक्स फंड है। यह एक एग्रेसिव हाइब्रिड स्कीम है जो इक्विटी और डेट सिक्योरिटीज में निवेश करेगी। इसमें न्यूनतम 100 रुपए से निवेश संभव है और यह हाई रिस्क कैटेगरी में आता है। इन एनएफओ में निवेश से पहले, निवेशकों को उसकी रणनीति, जोखिम और निवेश अवधि का

एशिया के लिए तेल हुआ सस्ता,यूरोप के लिए बढ़ीं कीमतें

ऊंची मालभाड़ा लागत कम करने और बाजार हिस्सेदारी बचाने के लिए बड़ी छूट

नई दिल्ली ।

सऊदी अरब ने नवंबर डिलीवरी के लिए एशियाई देशों को अपने कच्चे तेल की कीमतों में अचानक और अप्रत्याशित रूप से बड़ी कटौती की घोषणा की है। सोमवार को जारी प्राइसिंग डॉक्यूमेंट के अनुसार, यह फैसला बाजार की उम्मीदों के बिल्कुल उलट है, जहां कीमतों में बढ़ोतरी की संभावना जताई गई थी। दुनिया के सबसे बड़े तेल निर्यातक सऊदी अरब ने अपने अरब लाइट क्रूड की आधिकारिक बिक्री कीमत (ओएसपी) में 3 डॉलर प्रति बैरल की कटौती की है, जिससे यह अब ओमान और दुबई के औसत बेंचमार्क से 5 डॉलर प्रति बैरल नीचे (डिस्काउंट पर) मिलेगा। यह जून 2020 के बाद की सबसे बड़ी छूट है। साथ ही, अरब मीडियम और अरब हैवी ग्रेड के तेल में भी 5 डॉलर प्रति बैरल की अतिरिक्त कटौती की गई है। भारत के लिए, जो अपनी 80 फीसदी से अधिक तेल आवश्यकता आयात करता है और सऊदी अरब जिसका दूसरा सबसे बड़ा सप्लायर है, यह कटौती इंडियन ऑयल (आईओसीएल) और बीपीसीएल जैसी कंपनियों के लिए कच्चे माल की खरीद सस्ती करेगी, जिससे उनका लाभ मार्जिन बढ़ेगा। वैश्विक तनाव के बावजूद, भारत में खुदरा स्तर पर पेट्रोल-डीजल की कीमतें स्थिर होंगी और बढ़ने की संभावनाएं काफी कम हो

जाएंगी। अरामको ने यह कदम एशियाई रिफाइनरियों पर बढ़ी हुई मालभाड़ा लागत (जो फारस की खाड़ी से चीन तक 80,000 डॉलर से 12 लाख डॉलर प्रतिदिन तक पहुंच गई है) का बोझ कम करने के लिए उठाया है। इसके अलावा, रूस और ईरान जैसे प्रतिस्पर्धियों द्वारा भारी छूट पर तेल उपलब्ध कराने के कारण अपनी बाजार हिस्सेदारी को बचाए रखना भी एक प्रमुख कारण है।

भारत का नया निवेश संधि खाका तैयार,निवेशकों के लिए अधिक अनुकूल वित्त मंत्री

कैबिनेट की मंजूरी जल्द, 2016 की खामियां होंगी दूर; कई देशों से बातचीत जारी

नई दिल्ली ।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में घोषणा की कि द्विपक्षीय निवेश संधियों (बीआईटी) के लिए एक नया, निवेशक-अनुकूल खाका तैयार है और इसे जल्द ही केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी मिलने की उम्मीद है। यह नया ढांचा निवेशकों को अधिक प्रभावी सुरक्षा प्रदान करेगा और 2016 में मंजूर किए गए पुराने खाके की खामियों को दूर करेगा। सीतारमण ने बताया कि पिछले डेढ़ साल से तैयार यह नया खाका निवेशकों के लिए प्रक्रिया को और सुगम बनाएगा। उन्होंने कहा कि नए खाके को अंतिम रूप दिए जाने के बीच भी भारत ने निवेश संरक्षण समझौतों पर बातचीत जारी रखी है। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), ओमान और कुछ मध्य एशियाई देशों के साथ हुए हालिया समझौतों में पहले से ही नए खाके के कई प्रावधान शामिल किए गए हैं। मंत्री ने कहा कि भारत कनाडा और रूस सहित कई देशों के साथ द्विपक्षीय निवेश संरक्षण समझौतों

पर सक्रिय रूप से बातचीत कर रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि दिसंबर तक कम से कम तीन और देशों के साथ समझौते पूरे हो सकते हैं, जिसमें कनाडा के साथ वार्ता दिसंबर या अगले साल की शुरुआत तक अंतिम रूप ले सकती है। पिछला 2016 का ढांचा निवेशकों को मध्यस्थता से पहले पांच साल तक इंतजार करने के लिए कहता था, जिसकी व्यापक आलोचना हुई थी।

ओरिएंट केबल्स के शेयर की बाजार में मजबूत शुरुआत, 65 प्रतिशत चढ़ा

नई दिल्ली ।

ओरिएंट केबल्स (इंडिया) लिमिटेड का शेयर अपने 272 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले करीब 65 प्रतिशत की बढ़त के साथ सोमवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर कंपनी के शेयर ने 448.10 रुपये पर कारोबार शुरू किया, जो निर्गम मूल्य से 64.74 प्रतिशत अधिक है। एनएसई पर यह निर्गम मूल्य से 65.44 प्रतिशत की बढ़त के साथ 450 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 4,589.54 करोड़ रुपये रहा। ओरिएंट केबल्स इंडिया के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को मंगलवार को बोली के अंतिम दिन 92.27 गुना अभिदान मिला था। कंपनी के 552 करोड़ रुपये के आईपीओ का मूल्य दायरा 258-272 रुपये प्रति शेयर था। नए शेयर से जुटाई गई राशि का इस्तेमाल मशीनरी, उपकरण और पूंजीगत व्यय के अलावा कुछ कर्ज के पुनर्भुगतान या आंशिक पूर्व भुगतान के लिए किया जाएगा। आईपीओ से जुटाई गई राशि के एक हिस्से का इस्तेमाल सामान्य कारोबारी जरूरतों के लिए भी किया जाएगा। ओरिएंट केबल्स नेटवर्किंग केबल और निष्क्रिय नेटवर्किंग उपकरणों में विशेषज्ञता रखती है। यह ब्रॉडबैंड, दूरसंचार, डेटा सेंटर, नवीकरणीय ऊर्जा और स्मार्ट बिल्डिंग ऑटोमेशन समेत विभिन्न क्षेत्रों को सेवाएं देती है।

इंडिगो ने बढ़ाया हवाई किराया, 6 अक्टूबर से सफर होगा महंगा

नई दिल्ली ।

देश की सबसे बड़ी विमानन कंपनी इंडिगो ने बढ़ती विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमतों के मद्देनजर घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए ईंधन अधिभार में वृद्धि की घोषणा की है। ये संशोधित शुल्क 6 अक्टूबर से लागू होंगे, जिससे हवाई यात्रियों के लिए यात्रा महंगी हो जाएगी। कंपनी ने बताया कि घरेलू उड़ानों के लिए दूरी के आधार पर अधिभार में 100 रुपये से 350 रुपये तक की बढ़ोतरी की गई है, जबकि अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर भी यह वृद्धि लागू होगी।

इंडिगो के अनुसार, ईंधन की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं और हाल ही में मासिक आधार पर इसमें 14 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है। इससे विमान ईंधन की लागत पिछले एक दशक के सबसे ऊंचे स्तरों पर पहुंच गई है। विमानन कंपनियों की परिचालन लागत का एक

महत्वपूर्ण हिस्सा होने के कारण, बढ़ती कीमतें लागत संरचना को प्रभावित कर रही हैं, जिसके चलते इंडिगो ने यह कदम उठाया है।

एंबेसी डेवलपमेंट्स ने बेंगलुरु में 1800 करोड़ के फ्लैट बेचे

- एंबेसी ओरिजिन्स टाउनशिप ने मचाया धमाल, महज एक हफ्ते में 477 अपार्टमेंट की बुकिंग

नई दिल्ली ।

रियल एस्टेट क्षेत्र की प्रमुख कंपनी एंबेसी डेवलपमेंट्स ने बेंगलुरु में अपनी नई टाउनशिप परियोजना 'एंबेसी ओरिजिन्स' के साथ बंपर शुरुआत की है। कंपनी ने परियोजना के लॉन्च के मात्र एक सप्ताह के भीतर 1,800 करोड़ रुपये से अधिक के 477 अपार्टमेंट बेचकर मजबूत मांग का प्रदर्शन किया है। सोमवार को शेयर बाजार को दी गई सूचना में यह जानकारी दी गई। उत्तरी बेंगलुरु में 85 एकड़ में फैली इस वृहद टाउनशिप परियोजना एंबेसी ओरिजिन्स के पहले चरण को 16 सितंबर को लॉन्च किया गया था। महज सात दिनों के भीतर, कंपनी ने 10 लाख वर्ग फुट से अधिक बिक्री योग्य क्षेत्र में फैले 477 अपार्टमेंटों की बुकिंग सफलतापूर्वक दर्ज की। इसके पहले चरण में दो रेरा-पंजीकृत परियोजनाएं शामिल हैं, जिनमें कुल 217 विला और 855 अपार्टमेंट हैं। इन दोनों परियोजनाओं में लगभग 26 लाख वर्ग फुट बिक्री योग्य आवासीय क्षेत्र उपलब्ध है, जिससे कंपनी को 4,500 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त होने की उम्मीद है। एंबेसी डेवलपमेंट्स के आवासीय कारोबार के एक प्रमुख अधिकारी ने इस सफलता पर टिप्पणी करते हुए कहा, यह जबरदस्त प्रतिक्रिया वित्त वर्ष 2026-27 के लिए हमारी पूर्व-बिक्री और नकदी प्रवाह के लक्ष्यों के प्रति हमारे विश्वास को मजबूत करती है।

भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत, दीर्घकालिक वृद्धि के लिए ऊर्जा सुरक्षा जरूरी- चंद्रशेखरन

विकसित भारत 2047 के लिए ऊर्जा सुरक्षा, विनिर्माण और मानव पूंजी निवेश पर जोर

मुंबई।

टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने सोमवार को कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत स्थिति में है और कई संकेतक देश की स्थिरता का प्रमाण हैं। भारतीय फाउंडेशन फॉर क्वालिटी मैनेजमेंट (आईएफक्यूएम) संगोष्ठी 2026 को संबोधित करते हुए उन्होंने विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए ऊर्जा सुरक्षा, उन्नत विनिर्माण और मानव पूंजी में निवेश को महत्वपूर्ण बताया।

चंद्रशेखरन ने जोर देकर कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था एक अनिश्चित वैश्विक परिदृश्य में भी लगातार उम्मीदों से बेहतर प्रदर्शन कर रही है और सबसे अधिक वृद्धि दर दर्ज की है।

उन्होंने मजबूत घरेलू मांग, सेवा निर्यात और अनुकूल सरकारी नीतियों को इसका मुख्य चालक बताया।

टाटा चेयरमैन ने कहा कि ऑटो बिक्री, ऋण, बिजली और सीमेंट की मांग में मजबूत वृद्धि जैसे कई आर्थिक संकेतक देश की स्थिर और मजबूत स्थिति को दर्शाते हैं। उन्होंने चालू खाते के घाटे का जीडीपी के एक प्रतिशत से कम रहने, सेवा निर्यात के उच्च स्तर, मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार और बैंकों की स्वस्थ एनपीए स्थिति का भी उल्लेख किया।

चंद्रशेखरन के अनुसार, विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को साकार करने के लिए विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे, संस्थानों और बौद्धिक संपदा पर आधारित समावेशी तथा टिकाऊ विकास की आवश्यकता होगी। दीर्घकालिक वृद्धि को कायम रखने के लिए ऊर्जा सुरक्षा, उन्नत और सटीक विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार के अवसर पैदा करने तथा मानव पूंजी में निवेश को उन्होंने महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने भारतीय विनिर्माताओं से गुणवत्ता के साथ-साथ टिकाऊ विनिर्माण प्रक्रियाओं को भी अपनाने का आग्रह किया।

बॉन्ड यील्ड में भारी उछाल, भारतीय बैंकों को ट्रेजरी में करोड़ों का नुकसान

वैश्विक बिकवाली, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और रुपये की कमजोरी मुख्य कारण

नई दिल्ली ।

भारतीय बैंकों को वित्त वर्ष 2027 की दूसरी तिमाही में ट्रेजरी ऑपरेशन से बड़ा मार्क-टू-मार्केट (एमटीएम) नुकसान उठाना पड़ सकता है। बेंचमार्क बॉन्ड यील्ड में रिकॉर्ड बढ़ोतरी इसकी मुख्य वजह है, जिसने बैंकों के निवेश पोर्टफोलियो पर सीधा असर डाला है।

बाजार कारोबारियों के अनुसार, बेंचमार्क 10 साल के सरकारी बॉन्ड पर यील्ड में 42 आधार अंकों का तेज इजाफा हुआ है, जिससे पहली तिमाही में हुई कमाई का एक बड़ा हिस्सा खत्म होने की आशंका है। बाजार कारोबारियों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2027 की दूसरी तिमाही में बेंचमार्क 10 साल के सरकारी बॉन्ड पर यील्ड में 42 आधार अंकों की बढ़ोतरी दर्ज की गई, जो बढ़कर 7.17 फीसदी पर बंद हुई। यह 30 सितंबर को अप्रैल 2024 के बाद का सबसे ऊंचा स्तर था। अकेले सितंबर महीने में ही इसमें 22 आधार अंकों का इजाफा हुआ, जिसने पहली तिमाही में दर्ज की गई लगभग 32 आधार अंकों की गिरावट के असर को पूरी तरह खत्म कर दिया। जब बॉन्ड यील्ड बढ़ती है, तो बॉन्ड की कीमतें गिरती हैं, जिससे बैंकों को अपने अवेलेबल-फॉर-सेल (एएफएस) पोर्टफोलियो में मौजूद प्रतिभूतियों की वैल्यू कम करनी पड़ती है, जिसके परिणामस्वरूप एमटीएम नुकसान होता है।

एक प्राइवेट बैंक के ट्रेजरी प्रमुख ने बताया कि यील्ड में 40 आधार अंक से ज्यादा की बढ़ोतरी से बैंकों को मार्क-टु-मार्केट नुकसान हो सकता है, खासकर उन लेनदारों पर इसका ज्यादा असर पड़ेगा जिनके पास एएफएस पोर्टफोलियो अधिक है। इस उछाल के पीछे वैश्विक और घरेलू दोनों कारण जिम्मेदार हैं। वैश्विक स्तर पर अमेरिकी 10 साल के ट्रेजरी बॉन्ड की यील्ड 5.34 फीसदी तक पहुंच गई है, जो 2002 के बाद का उच्चतम स्तर है।

भारत में आर्थिक विकास की गति तेज रहने के बावजूद क्यों गिर रहा है शेयर बाजार

प्रह्लाद सबनानी

उक्त वर्णित युद्धों के चलते अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम बहुत तेजी से बढ़ रहे हैं और यह 100 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गए हैं, एक वर्ष पूर्व यह 65 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर थे, अर्थात इस एक वर्ष के दौरान कच्चे तेल की कीमतों में 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज हुई है।

हाल ही के समय में भारत के शेयर बाजार में लगातार तेज गिरावट दर्ज हुई है, इससे देश में इस तरह का माहौल बनाने का प्रयास किया जा रहा है कि भारतीय अर्थव्यवस्था पर भारी संकट आने वाला है और भारतीय नागरिकों पर इसका अत्यधिक कष्टकारी असर पड़ने वाला है। यह आंकलन किसी भी प्रकार से उचित नहीं कहा जा सकता है क्योंकि शेयर बाजार में गिरावट विदेशी संस्थागत निवेशकों के मन में बैठ रहे डर के आधार पर देखी जा रही है, जबकि भारतीय संस्थागत निवेशक तो लगातार अपना निवेश भारतीय शेयर बाजार में बढ़ा रहे हैं एवं म्यूचुअल फंडस द्वारा प्रति माह 30,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि का लगातार निवेश शेयर बाजार हो रहा है। यह सही है कि भारतीय शेयर बाजार का सेन्सेक्स 1 अक्टूबर 2025 के 80,983 बिंदुओं के स्तर से 1 अक्टोबर 2026 को 71,910 बिंदुओं के स्तर पर नीचे आ गया है। इसी प्रकार, निफ्टी इंडेक्स भी 1 अक्टूबर 2025 के 24,836 बंदुओं के स्तर से नीचे गिरकर 1 अक्टूबर 2026 को 22,422 बिंदुओं के स्तर पर आ गया है। पिछले एक वर्ष की अवधि में 10 से 11 प्रतिशत के बीच की गिरावट दर्ज हुई है। जबकि, इस बीच भारत में अर्थ के विभिन्न क्षेत्रों में आर्थिक विकास दर लगातार उच्च स्तर की बनी हुई है। फिर, ऐसे क्या कारण हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था का चमकता चेहरा होने के बावजूद, भारतीय शेयर बाजार लगातार गिरावट दर्ज कर रहा है।

दरअसल किसी भी देश का शेयर बाजार, स्टॉक एक्सचेंज पर दर्ज कम्पनियों की आगे आने वाले वर्षों में होने वाली अनुमानित आय के आधार पर, घटता अथवा बढ़ता रहता है। दूसरे, आजकल जब समस्त देश एक तरह से आपस में जुड़ से गए हैं और हम एक वैश्विक गांव में निवास कर रहे हैं तब एक देश में होने वाली घटनाओं का प्रभाव दूसरे देश के शेयर बाजार पर भी पड़ता हुआ दिखाई देता है। जैसे, रूस-यूक्रेन युद्ध, इजराईल-हम्मास युद्ध, अमेरिका-ईरान युद्ध, सऊदी अरब-हूथी युद्ध एवं खाड़ी के देशों का आपसी युद्द, आदि कुछ ऐसे उदाहरण हैं, जिनके चलते भारतीय शेयर बाजार भी सहमा हुआ दिखाई दे रहा है, हालांकि भारत किसी भी प्रकार से, अप्रत्यक्ष अथवा प्रत्यक्ष रूप से, इन युद्धों से नहीं जुड़ा है । तीसरे, विदेशी निवेशक भारी मात्रा में कुछ देशों के शेयर बाजार में अपनी पूंजी का निवेश करते हैं, क्योंकि उन्हें इन देशों में किए गए निवेश से अच्छे रिटर्न की सम्भावना दिखाई देती है। परंतु, जब इन विदेशी निवेशकों द्वारा अपना निवेश शेयर बाजार से निकाला जाता है तब उस देश का शेयर बाजार तेजी से गिरने लगता है।

उक्त वर्णित युद्धों के चलते अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम बहुत तेजी से बढ़ रहे हैं और यह 100 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गए हैं, एक वर्ष पूर्व यह 65 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर थे, अर्थात इस एक वर्ष के दौरान कच्चे तेल की कीमतों में 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज हुई है। भारत कच्चे तेल की कुल खपत का 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सा आयात करता है, अतः भारत के उक्त युद्धों से किसी भी प्रकार से नहीं जुड़े होने के बावजूद, भारतीय अर्थव्यवस्था पर कुछ विपरीत प्रभाव पड़ सकता है, ऐसा माहौल बनाए जाने के चलते विदेशी संस्थागत निवेशक भारतीय शेयर बाजार से अपना निवेश भारी मात्रा में निकाल रहे हैं। हालांकि, कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि के बावजूद भारत में मुद्रा स्फीति की दर को नियंत्रण में बनाए रखने के प्रयास अभी तक तो सफल ही रहे हैं। फिर भी, केलेंडर वर्ष 2026 में अभी तक विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से 2.8 लाख करोड़ रुपए की भारी भरकम राशि निकाल ली है। सितम्बर 2024 तक के 24 माह में विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में 38,600 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश किया था जबकि सितम्बर 2026 तक के 24 माह में 56,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर की निकासी की गई हैं। विदेशी संस्थागत निवेशक इतनी भारी मात्रा में अपना निवेश भारत से निकालकर अमेरिकी बांडस, अमेरिका के शेयर बाजार, वियतनाम एवं दक्षिणी कोरिया के शेयर बाजार एवं चीन के शेयर बाजार में कर रहे हैं। क्योंकि, अमेरिका में ब्याज दरों (यूएस फेड दर) में वृद्धि के चलते, बांडस की यील्ड पिछले लगभग 24-25 वर्षों के उच्चत्तम स्तर 5.60 प्रतिशत से ऊपर पहुंच गई है। साथ ही, अमेरिकी शेयर बाजार में अभी भी तेजी बनी हुई है क्योंकि वहां की कम्पनियों द्वारा उच्च तकनीकी के नवाचार करने के चलते उनकी उत्पादकता एवं लाभप्रदता में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। इसी प्रकार, वियतनाम एवं दक्षिणी कोरिया में आरटीफिशीयल इंटेलीजेंस के क्षेत्र की कम्पनियों में उच्च स्तर की लाभप्रदता दर्ज होने की सम्भावनाएं दिखाई दे रही है, इसलिए विदेशी निवेशक अमेरिका, वियतनाम एवं दक्षिणी कोरिया जैसे देशों की ओर आकर्षित हो रहे है एवं अपना निवेश इन देशों में बढ़ा रहे हैं। चीन का शेयर बाजार बहुत ही तेजी से नीचे गिरा था जिसके कारण वहां पर कम्पनियों के शेयरों का (Price to Earning - PE Ratio) कीमत/आय रेशो भारतीय कंपनियों के कीमत/आय रेशो की तुलना में अत्यधिक आकर्षक हो गया है। चीन में औसतन यह रेशो 12 प्रतिशत के नीचे है जबकि भारत में यह रेशो औसतन 20 प्रतिशत से अधिक है। अतः विदेशी संस्थागत निवेशकों को भारतीय कम्पनियों के शेयर, चीनी कम्पनियों के शेयर की तुलना में महंगे दिखाई दे रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिकी डॉलर के लगातार मजबूत होने चलते भारतीय रुपया लगातार कमजोर हो रहा है, इस कारण से भी विदेशी संस्थागत निवेशक भारतीय शेयर बाजार से अपना निवेश निकाल रहे है। आज भारतीय रुपए की कीमत 96 रुपए प्रति अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गई है। साथ ही, डॉलर इंडेक्स जो 1 अक्टोबर 2025 को 97.71 के स्तर पर था वह 1 अक्टोबर 2026 को बढ़कर 101.80 के स्तर पर आ गया है। स्वर्ण की कीमतें भी 3,871 अमेरिकी डॉलर प्रति ओंस से बढ़कर 4,170 अमेरिकी डॉलर प्रति ओंस पर पहुंच गई है। भारत स्वर्ण का भारी मात्रा में (कुल खपत का 90 प्रतिशत से अधिक) आयात करता है, स्वर्ण के आयात का भुगतान अमेरिकी डॉलर में ही करना होता है, अतः भारतीय रुपए पर इससे अतिरिक्त दबाव बनता हुआ दिखाई दे रहा है।

उक्त संदर्भों को यदि भारतीय अर्थव्यवस्था से जोड़कर देखा जाय तो स्थिति कुछ अलग ही दिखाई देती है। भारत में सकल घरेलू उत्पाद में वित्तीय वर्ष 2026-27 की प्रथम तिमाही में 7.8 प्रतिशत की आकर्षक वृद्धि दर्ज हुई है, जबकि वैश्विक स्तर पर यह वृद्धि केवल 3 प्रतिशत एवं तेजी से आर्थिक विकास कर रही अर्थव्यवस्थाओं में यह 3.8 प्रतिशत रहने की सम्भावना व्यक्त की गई है। जब भारत में आर्थिक विकास दर तुलनात्मक रूप से अधिक तेज गति से आगे बढ़ेगी तो भारतीय कम्पनियों की आय एवं लाभप्रदता में भी तेज गति से वृद्धि सम्भव होगी। इसी प्रकार, अगस्त 2026 माह में भारत की औद्योगिक विकास दर भी 8 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गई है जो कि अगस्त 2025 में 4.7 प्रतिशत के स्तर पर थी। विभिन्न उत्पादों के भारत से निर्यात अगस्त 2026 में 4,380 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर गए हैं जो अगस्त 2025 में 3,480 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर थे। 15 सितम्बर 2026 को समाप्त पखवाड़े में समस्त बैंकों के ऋणों में 18.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह वृद्धि दर 10.4 प्रतिशत की रही थी। इसी प्रकार, बैंकों की जमाराशि में वृद्धि दर भी पिछले वर्ष की 9.5 प्रतिशत की तुलना में इस वर्ष 17.3 प्रतिशत की रही है। बैंकों का ऋणःजमा अनुपात लगभग 81 प्रतिशत के पास पहुंच गया है। यह आंकड़े दशार्ते हैं कि भारत में अर्थ के विभिन्न क्षेत्रों में अतुलनीय वृद्धि दर आंकी जा रही है। बैंकों की सकल गैर निष्पादनकारी आस्तियों में भी कमी दर्ज हुई है और यह जुलाई 2025 के 2.2 प्रतिशत की तुलना में जुलाई 2026 में घटकर 1.68 प्रतिशत के स्तर पर नीचे आ गई है। शुद्ध गैर निष्पादनकारी आस्तियां तो पिछले वर्ष के 0.5 प्रतिशत की तुलना में 0.4 प्रतिशत ही रही है। अर्थात, बैंकों द्वारा प्रदत्त किए जा रहे ऋणों की अदायगी समय पर हो रही है। भारतीय बैंकों का पूंजी पर्याप्तता अनुपात तो आज विकसित देशों की बैंकों से भी अधिक हो गया है, जो जुलाई 2025 के 17.5 प्रतिशत से बढ़कर जुलाई 2026 में 17.8 प्रतिशत के स्तर को पार कर गया है। इससे भारतीय बैंकों की मजबूत स्थिति झलकती है। उद्योगों द्वारा अपनी उत्पादन क्षमता का 75 प्रतिशत से अधिक उपयोग किया जा रहा है, यह ऐसी स्थिति है जब सम्बंधित उद्योग को अपनी उत्पादन क्षमता में वृद्धि करने के बारे में विचार प्रारम्भ करना होता है। उक्त जानकारी की सत्यता की गवाही वस्तु एवं सेवा कर के संग्रहण में हो रही लगातार वृद्धि से भी ध्यान में आती है। सितम्बर 2026 माह में 14.5 प्रतिशत की वृद्धि के साथ वस्तु एवं सेवा कर का संग्रहण 2.04 लाख करोड़ से अधिक की राशि का रहा है और यह लगातार तीसरा महीना है जब यह संग्रहण 2 लाख करोड़ रुपए से अधिक का रहा है। भारत में सितम्बर 2026 माह के दौरान Unified Payments Interface (एकीकृत भुगतान अन्तरापृष्ठ) सिस्टम के अंतर्गत प्रतिदिन औसतन 80 करोड़ से अधिक के व्यवहार दर्ज हो रहे हैं, जो पूरे विश्व में किसी भी देश में सबसे अधिक व्यवहार हैं। अगस्त 2026 माह के दौरान उक्त व्यवहार 79 करोड़ के रहे थे और सितम्बर 2025 में 65 करोड़ से अधिक व्यवहार प्रतिदिन के रहे थे।

कुल मिलाकर भारत में अर्थ के विभिन्न क्षेत्रों में दर्ज हो रही विकास दर की कहानी स्पष्ट तौर पर कह रही है कि भारत का भविष्य बहुत सुरक्षित है। और, यह झूठा विमर्श खड़ा किया जाना कि भारतीय अर्थव्यवस्था पर भारी संकट आने वाला है और भारतीय नागरिकों पर इसका कष्टकारी प्रभाव पड़ने वाला है, पूर्णतः असत्य है। घबराहट में विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा शेयर बाजार से निकाले जा रहे निवेश को आधार बनाकर उक्त झूठे विमर्श को खड़ा करने का प्रयास हो रहा है।

संपादकीय

एशियाई खेलों में भारत

हम संतोष कर सकते हैं कि एशियाई खेलों में भारत चौथे स्थान पर रहा है। इस प्रतिष्ठित खेल स्पर्धा में भारतीय खिलाड़ियों ने कुल 85 पदक जीते। जिसमें 21 स्वर्ण, 27 रजत और 37 कांस्य पदक शामिल हैं। आइची-नागोया में संपन्न एशियाई खेलों के आखिरी दिनों में भारतीय खिलाड़ियों ने दमखम दिखा कर सोने के तमगों की संख्या बढ़ाई है। निस्संदेह, कह सकते हैं कि हम एशिया में पहले चार देशों में शुमार हैं। लेकिन यहां सवाल यह है कि भले ही हम चौथे स्थान पर रहे हैं, लेकिन इन खेलों में नंबर एक व दो रहे चीन व जापान के आगे हम कहां खड़े हैं? इस बार भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन ने यह भी सोचने को मजबूर किया कि आने वाले कुछ दशकों में भारत ओलंपिक की दावेदारी में कहां ठहरता है? वैसे इस बार के एशियाई खेलों से जुड़ी कुछ सुखद स्मृतियां भी हैं, मसलन तीरंदाजी में हमने नौ मेडल जीते हैं। जिसमें पांच स्वर्ण पदक शामिल हैं। सुखद यह भी है कि कुमकुम मोहोद रिकर्व कैटेगरी में भारत की पहली व्यक्तिगत उपलब्धि हासिल करने वाली खिलाड़ी बनीं। भारतीय खिलाड़ियों को बॉक्सिंग और रेसलिंग में क्रमशः तीन और दो स्वर्ण पदक मिले। वहीं दूसरी ओर प्रणवी उर्स एशियाई खेलों में व्यक्तिगत गोल्फ गोल्ड जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनी हैं। वहीं दूसरी ओर इस बार भी भारतीय खिलाड़ियों ने क्रिकेट, हॉकी और कबड्डी में अपना वर्चस्व कायम रखा।

महिला हॉकी में भारतीय खिलाड़ियों की उपलब्धि बहुत खास रही। उन्होंने अनुशासन और ऊंचे मनोबल के साथ बेहतर खेल का प्रदर्शन किया। भारतीय महिला हॉकी टीम ने मौजूदा चैंपियन चीन को हराकर एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक का 44 साल का हमारा इंतजार खत्म किया। लेकिन हमारे खिलाड़ी एथलेटिक्स में हमारी उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे। एकमात्र स्वर्ण महिलाओं की 4x 400 मीटर रिले रेस में हासिल हुआ। निशानेबाजों का प्रदर्शन भी उत्साह जगाने वाला नहीं रहा। इस बार हमें, पिछले ओलंपिक में दो कांस्य पदक जीतने वाली मनु भाकर ने निराश किया। वह इस बार खाली हाथ लौटी हैं। वैसे पिछली बार चीन में हुए एशियाई खेलों से तुलना करें तो इस बार हमारा प्रदर्शन फीका रहा। तब हमने 28 स्वर्ण पदकों के साथ 106 मेडल जीते थे। इस बार सात स्वर्ण समेत कुल 21 पदकों की कमी, हमारे खेल नीति-नियंताओं के लिये एक चेतावनी जैसी है। हालांकि, यह वक्त हमारे लिये नागोया में मिली कामयाबियों का जश्न मनाने का है। लेकिन हमें अपनी कमजोरियों को लेकर भी आत्ममंथन करने की जरूरत है। निस्संदेह, भारत में खेलों का भविष्य चंद खिलाड़ियों की कामयाबी से तय नहीं किया जा सकता है। हमें एशियाड के बाद ओलंपिक के लिये युद्ध स्तर पर तैयारियां करनी होंगी। इस कामयाबी के लिये नई प्रतिभाओं की पहचान, विश्व स्तरीय प्रशिक्षण, मानसिक रूप से सशक्त खिलाड़ी तैयार करने तथा विश्वस्तरीय सपोर्ट सिस्टम बनाने की जरूरत होगी। इन एशियाई खेलों ने हमें हकीकत का आईना दिखाया है। अब हम अभी से वर्ष 2028 में लॉस एंजिल्स के ओलंपिक खेलों की तैयारी में जुट

चिंतन-मनन

क्या है शुद्ध अहिंसा!

गांधी जी ने अपने जीवन में अहिंसा के विविध प्रयोग किए। वे एक वैज्ञानिक थे। उनका जीवन प्रयोगशाला था। उनका प्रारंभिक और अंतिम साहित्य देखने से यह तथ्य भलीभांति स्पष्ट हो जाता है। बड़े जीव की सुरक्षा के लिए छोटे जीव को मारने में वे पाप बताते थे। खती को हानि पहुंचाने वाले बंदर, हिरण तथा अन्य जहरीले जानवरों को मारने में भी वे पाप मानते थे। यद्यपि आवश्यकतावश उन्होंने जीवों को मारने की इजाजत भी दी, पर उसे शुद्ध अहिंसा कभी नहीं माना। मेरे सामने भी ऐसे प्रश्न आते हैं कि बिल्ली चूहे को मारती है तो उसे बचाना अहिंसा है या नहीं? मैं कहता हूं कि बचाना या बिल्ली को भगाना आपका काम है। मैं इसमें हस्तक्षेप नहीं करता, किंतु इसे शुद्ध अहिंसा नहीं माना जा सकता। शुद्ध अहिंसा वही है जहां हिंसक का दिल बदले। बिल्ली से आप चूहे को बचा सकेंगे, किंतु उसे अहिंसक नहीं बना सकते। बूचड़खाने में पैसा देकर आप जानवरों को बचा सकते हैं, किंतु ऐसा करके आप कसाई को अहिंसक नहीं बना सकते।...

नशे में उड़ता पंजाबः बद अच्छा बदनाम बुरा

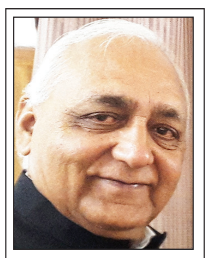

तनवीर जाफ़री

पंजाब राज्य का भारतीय कृषि उत्पादन और देश की खाद्य सुरक्षा में सबसे अहम योगदान है। भारत के कुल भौगोलिक क्षेत्र का मात्र 1.5% हिस्सा होने के बावजूद, पंजाब को भारत का अन्न भंडार और भारत की खाद्य टोकरी कहा जाता है। भारत सरकार द्वारा खरीदे जाने वाले कुल गेहूं का लगभग 46% हिस्सा अकेले पंजाब से आता है। केंद्रीय पूल में जमा होने वाले कुल चावल के सरकारी उपार्जन में भी पंजाब का लगभग 31% योगदान है। देश के कुल खाद्यान्न उत्पादन में पंजाब 13 से 14 प्रतिशत का योगदान देता है। गेहूं उत्पादन का लगभग 14% से 22% हिस्सा पंजाब में उगता है, जो इसे देश के शीर्ष उत्पादकों में बनाए रखता है। इसी तरह पंजाब देश के चावल उत्पादन का लगभग 10% से 11% हिस्सा पैदा करता है। भारत के कुल दूध उत्पादन में भी पंजाब लगभग 6.2% से 10% का योगदान देता है। इसी तरह देश के शहद उत्पादन में भी पंजाब का योगदान करीब 20% और मशरूम उत्पादन में रिकॉर्ड 48% है। पंजाब की यह सफलता उसकी फसल सघनता के कारण है, जो 186% से भी अधिक है। राज्य का लगभग 82% से 87% भूभाग खेती के अंतर्गत आता है, जबकि राष्ट्रीय औसत केवल 40% है। यही कारण है कि प्रति हेक्टेयर उत्पादन के मामले में पंजाब के किसान देश में अग्रणी बने हुए हैं और देश की भुखमरी मिटाने में सबसे आगे खड़े हैं।

परन्तु दुर्भाग्यवश कृषि उत्पादन से लेकर लंगर चलाने व जरूरतमंदों की मदद के लिये अग्रणी रहने वाले इस राज्य को विगत कुछ वर्षों से मात्र नशे को लेकर बदनाम करने की बड़ी साजिश रची जा रही है। चूँकि पंजाब की 17 वीं विधानसभा चुनाव फरवरी 2027 में कराए जाने की पूरी संभावना इसीलिये चुनाव पूर्व विभिन्न राजनैतिक दल पंजाब में कथित तौर पर व्याप्त नशे की समस्या को एक प्रमुख राजनैतिक मुद्दा बना रहे हैं। मिसाल के तौर पर भारतीय जनता पार्टी ने हाल ही में राज्य की सभी 117 विधानसभा सीटों पर 13 दिवसीय नशा मुक्त पंजाब यात्रा निकाली और नशे को ही राज्य का अपना मुख्य चुनावी एजेंडा घोषित किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले दिनों जालंधर में यह घोषणा की, कि यदि पंजाब में भाजपा की सरकार बनती है, तो 31 दिसंबर 2029 तक पंजाब को पूरी तरह से नशे के कारोबार से मुक्त कर दिया जाएगा। उन्होंने राज्य की भगवंत मान सरकार को आपदा सरकार करार देते हुये यह आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी ने राज्य में सिंथेटिक ड्रग्स के अवैध कारोबार को खुलेआम फलने-फूलने दिया है। जबकि आप नेताओं का कहना है कि केंद्र सरकार पंजाब को बदनाम कर रही है। आप नेताओं ने गुजरात जैसे राज्यों के बंदरगाहों पर पकड़े जाने वाले भारी मात्रा में नशीले पदार्थों का हवाला देते हुए केंद्र की सीमा सुरक्षा की विफलता पर सवाल उठाए हैं। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने वादा किया है कि सत्ता में आने के 6 महीने के भीतर पंजाब के पूरे ड्रग नेटवर्क को ध्वस्त कर दिया जाएगा और नशे के व्यापारियों को जेल भेजा जाएगा। पंजाब में कथित तौर पर फैले नशा नेटवर्क को लेकर बनाई गई फिल्म उड़ता पंजाब ने और भी इस विषय को प्रमुखता से कुछ इसतरह प्रचारित कर दिया गोया देश का कृषि प्रमुख व भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि के माध्यम से अपना अतुलनीय योगदान देने वाला देश का यही इकलौता राज्य है जो नशे में डूबा हुआ है।

मतदाता सूची से जंतर-मंतर तकः लोकतंत्र के भरोसे की अग्निपरीक्षा

योगेश कुमार गोयल

एसआईआर, फॉर्म-6 और सवालों के घेरे में चुनावी विश्वास...

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर 2, 3 और 4 अक्तूबर को दिल्ली में हुए प्रदर्शनों, बड़ी संख्या में लोगों की हिरासत, भारी सुरक्षा व्यवस्था और केंद्रीय दिल्ली के कई मार्गों तथा मैट्रो स्टेशनों पर लगाए गए प्रतिबंधों ने चुनावी संस्थाओं को लेकर चल रही बहस को और तीखा कर दिया है। दिल्ली पुलिस ने प्रस्तावित प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी थी और सुरक्षा कारणों से 11 मैट्रो स्टेशनों के प्रवेश-निकास अस्थायी रूप से बंद किए गए थे। जंतर-मंतर लोकतंत्र की उस सार्वजनिक जगह का नाम है, जहां सत्ता से असहमति दर्ज कराने के लिए देश के विभिन्न हिस्सों से नागरिक या संगठन आते हैं। इसलिए वहां उठी आवाज को केवल भीड़, राजनीतिक प्रदर्शन या कानून-व्यवस्था की समस्या मान लेना लोकतांत्रिक विमर्श को छोटा करना होगा।

मतदाता-सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर में बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम प्रभावित हुए हैं और इससे चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। हालांकि निर्वाचन आयोग का कहना है कि एसआईआर का उद्देश्य मतदाता-सूचियों को शुद्ध और अद्यतन करना है तथा गलत तरीके से छूट गए पात्र मतदाताओं को फिर शामिल करने के लिए विशेष अभियान भी शुरू किया गया है। आयोग ने अब 20 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में ऐसे पात्र मतदाताओं की पहचान और पुनः नामांकन के लिए विशेष अभियान की घोषणा की है। यही वह बिंदु है, जहां राजनीतिक आरोपों और संस्थागत तथ्यों को गहराई से देखना आवश्यक है। जब मतदाता-सूची जैसी लोकतंत्र की बुनियादी व्यवस्था पर व्यापक संदेह पैदा हों तो निर्वाचन आयोग पर केवल यह कहकर आगे नहीं बढ़ा जा सकता कि वह संवैधानिक संस्था है, इसलिए उस पर विश्वास किया जाए। संवैधानिक संस्था की प्रतिष्ठा अधिकार से नहीं, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व से मजबूत होती है।

वर्तमान विवाद का सबसे ठोस और जांच योग्य पहलू फॉर्म-6 से जुड़ा है। फॉर्म-6 मतदाता सूची में नाम शामिल कराने का निर्धारित आवेदन है। विवाद तब उठा, जब एसआईआर से संबंधित एक अतिरिक्त घोषणा ऑनलाइन फॉर्म-6 में जोड़े जाने पर आयोग के भीतर ही दोनों चुनाव आयुक्तों की आपत्तियां सामने आई। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने इस बदलाव की वैधानिक प्रक्रिया पर सवाल उठाए, जिसके बाद आयोग ने 30 सितंबर को उन राज्यों में, जहां एसआईआर पूरा हो चुका है, ऑनलाइन फॉर्म-6 से यह अतिरिक्त घोषणा हटा दी। यहां सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह नहीं है कि घोषणा-पत्र हटाया गया या नहीं बल्कि यह है कि उसे जोड़ा किस अधिकार के तहत गया, किस स्तर पर स्वीकृति मिली, उसका तकनीकी क्रियान्वयन किस आदेश पर हुआ और बाद में उसे हटाने का निर्णय किस प्रक्रिया से लिया गया? इन प्रश्नों के स्पष्ट उत्तर सार्वजनिक होने चाहिएं।

इस प्रकरण को राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से आगे ले जाने की जरूरत है। यदि कोई अतिरिक्त घोषणा वैधानिक रूप से आवश्यक नहीं थी तो उसके कारण किसी पात्र नागरिक को आवेदन प्रक्रिया में कठिनाई हुई या उसका नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं हो सका तो इसकी पहचान और सुधार जरूरी है। निर्वाचन आयोग ने अब पात्र लेकिन छूटे मतदाताओं को फिर जोड़ने के लिए विशेष अभियान की बात कही है लेकिन प्रश्न यही है कि इस प्रक्रिया के परिणाम सार्वजनिक रूप से कितने और किस तरह बताए जाएंगे। मतदाता सूची केवल सरकारी रिकॉर्ड नहीं होती, वही लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व का आधार बनती है। इसलिए 'कितने नाम हटे' से अधिक महत्वपूर्ण प्रश्न है कि कितने पात्र मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से गलत तरीके से हटे, कितने वापस जोड़े गए, कितने मामलों में आपत्ति स्वीकार हुई और कितनों को अपने मताधिकार की पुनर्स्थापना के लिए अलग से संघर्ष करना पड़ा? इन आंकड़ों का राज्यवार, निर्वाचन क्षेत्रवार और कारणवार सार्वजनिक होना चाहिए। यही पारदर्शिता आरोपों और वास्तविकता के बीच अंतर स्पष्ट कर सकती है।

मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग का राजनीतिक भविष्य क्या होगा, यह कहना अभी संभव नहीं। निर्वाचन आयोग एक स्वतंत्र संवैधानिक संस्था है तथा उसके प्रमुख को हटाने की संवैधानिक प्रक्रिया अलग है। यहां बड़ा सवाल केवल ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे का नहीं, चुनाव आयोग पर भरोसे का है। यदि नागरिकों का एक बड़ा वर्ग यह मानने लगे कि मतदाता सूची में उसका नाम सुरक्षित नहीं है, चुनावी प्रक्रिया निष्पक्ष नहीं है या निर्वाचन आयोग उसके सवालों का संतोषजनक उत्तर नहीं दे रहा तो लोकतंत्र के लिए यह किसी भी राजनीतिक दल की जीत-हार से कहीं अधिक गंभीर स्थिति है। चुनाव का वास्तविक आधार वह विश्वास है, जिसके कारण हारने वाला पक्ष परिणाम स्वीकार करता है और जीतने वाला पक्ष अपनी वैधता पर आश्वस्त रहता है। इसीलिए सरकार और निर्वाचन आयोग दोनों के लिए एक ही रास्ता है, सवालों का तथ्यात्मक उत्तर। सरकार को आयोग की हर आलोचना का राजनीतिक बचाव करने के बजाय यह सुनिश्चित करना चाहिए कि संवैधानिक संस्था पर उठे सवालों की संस्थागत जांच और सार्वजनिक स्पष्टीकरण हो। निर्वाचन आयोग को भी आलोचना को अपने विरुद्ध राजनीतिक अभियान मानकर खारिज करने के बजाय अपने निर्णयों, सॉफ्टवेयर बदलावों, आदेशों और प्रक्रियाओं का दस्तावेजी विवरण सामने रखना चाहिए।

यदि आयोग स्वतंत्र संवैधानिक संस्था है तो उसके प्रशासनिक निर्णयों की जिम्मेदारी भी उसी की होनी चाहिए। सरकार का काम आयोग के हर निर्णय का बचाव करना नहीं, ऐसी संस्थागत व्यवस्था सुनिश्चित करना है, जिसमें आयोग बिना किसी राजनीतिक दबाव के काम करे और जनता को उसके निर्णयों का विश्वसनीय स्पष्टीकरण मिल सके। जंतर-मंतर पर लोगों को रोकने के लिए की गई भारी सुरक्षा व्यवस्था ने एक दूसरी बहस भी पैदा की है। कानून-व्यवस्था बनाए रखना सरकार की जिम्मेदारी है और किसी भी प्रदर्शन की सीमाएं कानून से तय होती हैं लेकिन शांतिपूर्ण असहमति लोकतंत्र का अभिन्न हिस्सा है। इसलिए आवश्यकता इस बात की है कि प्रतिबंध सुरक्षा की वास्तविक जरूरत के अनुपात में हों और उनका उद्देश्य नागरिकों की लोकतांत्रिक आवाज को दबाना प्रतीत न हो।

अब समय है कि इस पूरे विवाद को 'सत्ता बनाम विपक्ष' की संकीर्ण चौखट से बाहर निकाला जाए। चुनाव आयोग किसी सरकार का नहीं, मतदाता का आयोग है। मतदाता सूची किसी दल की संपत्ति नहीं, नागरिक के मताधिकार का आधार है और चुनाव का परिणाम किसी राजनीतिक दल की निजी उपलब्धि नहीं, संवैधानिक प्रक्रिया से मिली सार्वजनिक वैधता है। इसलिए फॉर्म-6 के विवाद से लेकर एसआईआर के आंकड़ों तक, हर प्रश्न का दस्तावेजी उत्तर सामने आना ही चाहिए। जिन मतदाताओं के नाम प्रक्रिया में छूटे हैं, उनकी पहचान और पुनर्स्थापना की समयबद्ध व्यवस्था होनी चाहिए। सॉफ्टवेयर में हुए बदलावों की जिम्मेदारी स्पष्ट होनी चाहिए। आयोग के भीतर दर्ज असहमतियों का तथ्यात्मक स्पष्टीकरण होना चाहिए। जहां मामला न्यायालय में है, वहां अंतिम निर्णय तक संस्थागत पारदर्शिता बनी रहनी चाहिए।

लोकतंत्र को सबसे बड़ा खतरा आलोचना से नहीं, अविश्वास से होता है। आलोचना का उत्तर तर्क से दिया जा सकता है लेकिन अविश्वास को केवल पारदर्शिता ही दूर कर सकती है। जंतर-मंतर और मुम्बई से उठ रही आवाज का सबसे महत्वपूर्ण संदेश यही है कि केवल चुनाव जीतना पर्याप्त नहीं, चुनावी प्रक्रिया पर जनता का विश्वास कायम रहना भी उतना ही जरूरी है। यदि इस विश्वास में दरार पड़ रही है तो उसका इलाज प्रदर्शनकारियों को रोकना नहीं, उन सवालों का सार्वजनिक और संवैधानिक समाधान करना है, जिनके कारण वे सड़क पर उतरने को मजबूर हो रहे हैं। लोकतंत्र की असली परीक्षा यह नहीं कि सरकार कितनी बड़ी भीड़ को रोक सकती है बल्कि यह है कि वह कितने कठिन सवालों का जवाब देने के लिए तैयार है। चुनाव आयोग की विश्वसनीयता केवल ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे से बहाल नहीं होगी बल्कि ऐसी पारदर्शी व्यवस्था से सुनिश्चित होगी, जिस पर हारने वाला भी भरोसा कर सके और जीतने वाला भी।

संक्षिप्त समाचार

फर्जी डिग्री से डॉक्टर बना भारतीय मूल का दक्षिण अफ्रीकी, गिरफ्तार

डरबन , एजेंसी। भारतीय मूल के 39 वर्षीय रेशल दयानंद पर फर्जी मेडिकल डिग्री से डॉक्टर के रूप में पंजीकरण और अस्पताल में इंटर्न के तौर पर काम करने का आरोप है। बुधवार को डरबन की विशेष वाणिज्यिक अपराध अदालत में उसपर जालसाजी, धोखाधड़ी और स्वास्थ्य पेशा अधिनियम व इलेक्ट्रॉनिक संचार और लेनदेन अधिनियम के उल्लंघन का आरोप लगा। उसे चेतावनी देकर रिहा कर दिया गया। क्वाजुलु-नटाल पुलिस प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल सिम्फिव मलोंगो ने स्थानीय दैनिक द विटनेस को बताया कि मामला 19 नवंबर, 2026 तक टाल दिया गया है। दयानंद ने क्वाजुलु-नटाल विश्वविद्यालय में बैचलर ऑफ मेडिसिन और बैचलर ऑफ सर्जरी की डिग्री पूरी नहीं की। 2013 में उसे बाहर किया गया था, फिर 2015 में प्रवेश मिला, पर वह एक अंतिम मॉड्यूल पास नहीं कर सका। डिग्री के बिना भी, दयानंद ने 2016 में हेल्थ प्रोफेशंस काउंसिल ऑफ साउथ अफ्रीका में अवैध पंजीकरण कराया। उसने नॉर्थडेल अस्पताल में इंटर्नशिप की। अधिकारियों का आरोप है कि उसने विश्वविद्यालय के एक अधिकारी के साथ मिलकर फर्जी शैक्षणिक प्रतिलेख और डिग्री प्रमाण पत्र बनाए।

तूफान के चलते 550 साल पुराना होलेई सी आर्च समुद्र में समाया

वाशिंगटन, एजेंसी। प्रशांत महासागर में उठे भीषण चक्रवाती तूफान के दौरान हवाई वोल्केनो नेशनल पार्क का 550 साल पुराना होलेई सी आर्च ढहकर समुद्र में समा गया। करीब 90 फीट ऊंची यह प्राकृतिक चट्टानी मेहराब सदियों से समुद्र की लहरों के बीच खड़ी थी और पर्यटकों व फोटोग्राफरों के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र थी। अमेरिकी नेशनल पार्क सर्विस (एनपीएस) ने इसके ढहने की पुष्टि की है।

सरकार की सख्ती के बाद एपल ने भारत में अपने एप स्टोर से बिटचैट हटाया

वाशिंगटन, एजेंसी। एपल ने भारत में ऑफलाइन मैसेजिंग एप बिटचैट को अपने एप स्टोर से हटा दिया है। एप के डेवलपर जैक डोर्सी ने शनिवार को सोशल मीडिया पोस्ट के जरिये इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की मांग पर की गई है। उन्होंने एपल की एप रिव्यू टीम की ओर से भेजे गए नोटिस का स्क्रीनशॉट भी साझा किया। एपल के नोटिस के अनुसार, भारत में एप स्टोर इसलिए हटाया गया क्योंकि इसमें ऐसा कंटेंट शामिल है जिसे भारत में अवैध माना गया है। यह एप रिव्यू गाइडलाइन्स के अनुरूप नहीं है। कंपनी ने यह भी कहा कि डेवलपर एप को हटाए जाने या भारत के कानूनों और आवश्यकताओं के बारे में अधिक जानकारी के लिए सीधे मंत्रालय से संपर्क कर सकता है। बिटचैट दूसरे देशों के एप स्टोर पर उपलब्ध रहेगा। भारत में इसका टेस्ट फ्लाइट संस्करण भी उपलब्ध नहीं रहेगा और सार्वजनिक टेस्टफ्लाइट लिंक काम नहीं करेंगे। बिटचैट पर सरकार की कार्रवाई का यह दूसरा मामला है। इससे पहले जुलाई में भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) ने माइक्रोसॉफ्ट के स्वामित्व वाले गिटहब को बिटचैट हटाने का निर्देश दिया था। उस समय डोर्सी ने सरकार के कदम पर आपत्ति जताते हुए कहा था कि भारत सरकार बिटचैट जैसी तकनीकों को पसंद नहीं करती और इसे हटाना चाहती है। बिटचैट ब्लूटूथ आधारित विकेंद्रीकृत नेटवर्क के जरिये आसपास के उपकरणों के बीच सीधे संचार की सुविधा देता है।

फ्रांस छात्र आंदोलन बेकाबू, अब तक 5000 गिरफ्तार

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस में कक्षाओं की बदतर स्थिति, फंड की कमी और शिक्षकों की भारी कमी के खिलाफ चल रहा छात्र आंदोलन अब पूरी तरह हिंसक रूप ले चुका है। स्थिति इतनी बिगड़ गई है कि पेरिस के पुलिस प्रमुख ने इसे नियंत्रण से बाहर करार दिया है। अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों से शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखने की अपील की है और चेतावनी दी है कि हिंसा और तोड़फोड़ से अब पूरी सख्ती से निपटा जाएगा। पिछले सोमवार से लेकर अब तक देश भर में लगभग 5,000 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जिनमें से ज्यादातर किशोर हैं। शुक्रवार को पूरे फ्रांस में दंगा रोधी पुलिस और हाई स्कूल के छात्रों के बीच भीषण झड़पें हुईं। इस हिंसा में दर्जनों लोग घायल हुए हैं।

हादसे का शिकार हुई एयर एम्बुलेंसः बरमूडा से बोस्टन की उड़ान के दौरान टूटा संपर्क, नैनटकेट के पास मिला मलबा

न्यूयॉर्क , एजेंसी। अमेरिका के मैसाचुसेट्स के नैनटकेट तट के पास एक एयर एम्बुलेंस का मलबा मिला है। यह एयर एम्बुलेंस शनिवार को बरमूडा से बोस्टन की उड़ान के दौरान अटलांटिक महासागर के ऊपर गायब हो गई थी। इसमें छह लोग सवार थे। यह जानकारी अमेरिकी कोस्ट गार्ड ने दी। कोस्ट गार्ड ने एक बयान में कहा कि इसमें चार कनाडाई और दो बरमूडा के नागरिक सवार थे। खोज जारी रहने के दौरान उनके करीबी रिश्तेदारों को सूचित कर दिया गया था। उन्होंने आगे कहा कि उनका एक जहाज रात भर और रविवार को भी पानी में खोज जारी रखा।

विमान में क्या दिक्कत थी : एयर ट्रैफिक ऑडियो से पता चलता है कि मेडिकल ट्रांसपोर्ट विमान में शायद बिजली से जुड़ी समस्याएं थीं। वह बिना नेविगेशन के (ब्लाइंड) आ रहा था, तभी शनिवार तड़के गायब होने से कुछ देर पहले ही सामने एक तूफान आ गया।

ट्रैफिक कंट्रोल ऑडियो से क्या पता चला : एयर ट्रैफिक कंट्रोल ऑडियो के अनुसार, जब जेट तट के पास पहुंचा तो पायलट ने बिजली से जुड़ी समस्याओं की सूचना दी और इमरजेंसी घोषित कर दी। एक कंट्रोलर को पायलट से यह पूछते हुए सुना जा सकता है, 'रोजर, आपने कहा कि आप बिना नेविगेशन के आ रहे हैं। क्या आपने यही कहा था फ्लाइटरडार24 की डेटा से क्या पता चला? इससे मैरी शियावो, जो ट्रांसपोर्टेशन डिपार्टमेंट की पूर्व इंस्पेक्टर जनरल हैं, उनको लगता है कि हो सकता है कि विमान के नेविगेशन इंस्ट्रूमेंट तब काम करना बंद कर गए हों, जब रडार पर उसके रास्ते में एक तूफान आया। फ्लाइट ट्रैकिंग साइट फ्लाइटरडार24 के शुरुआती डेटा के अनुसार, विमान अपनी लगभग 24,000 फीट की ऊंचाई से तेजी से नीचे आकर लगभग 10,000 फीट की ऊंचाई पर आ गया था।

एविएशन अटॉर्नी शियावो ने क्या बताया : एविएशन अटॉर्नी शियावो ने कहा, 'इस बड़ी गिरावट के साथ कुछ बुरा हुआ। वे उस बड़े तूफान में चले गए। इंस्ट्रूमेंट खराब होने और बिना नेविगेशन के उड़ान भरने के लिए यह एक बहुत ही खतरनाक जगह है। दिशा का पता न चलना बहुत आसान है और यह पता नहीं चल पाता कि आप मुड़ रहे हैं, ऊपर जा रहे हैं, नीचे आ रहे हैं, आदि। स्पेशल ओरिएंटेशन (स्थान का सही अंदाजा) बहुत जल्दी खत्म हो जाता है।' बरमूडा एयरपोर्ट के ऑपरेटर, स्काईपोर्ट के एक बयान के अनुसार, कनाडाई-रजिस्टर्ड एयर एम्बुलेंस जेट में चार क्रू मेंबर और दो यात्री सवार थे, जब वह मैसाचुसेट्स के लिए रात की उड़ान भरने के लिए बरमूडा के एलएफ वेड इंटरनेशनल एयरपोर्ट से रवाना हुआ था। देश के ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर स्टीवन मैकिनॉन ने सोशल प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि ट्रांसपोर्ट कनाडा खोज और बचाव कार्यों पर अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहा था और स्थिति पर बारीकी से नजर रखे हुए था।

कोस्ट गार्ड ने बताया कि फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन ने जानकारी दी है कि गल्फस्ट्रीम त्100 का संपर्क शनिवार तड़के ही टूट गया था। नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड ने कहा कि वह स्थिति के बारे में जानकारी इकट्ठा कर रहा है, लेकिन उसने तुरंत यह नहीं बताया कि वह इसकी जांच करेगा या नहीं।

एयर ट्रैफिक कंट्रोल से बातचीत की रिकॉर्डिंग आई सामने : एयर ट्रैफिक कंट्रोल के साथ बातचीत की रिकॉर्डिंग से पता चलता है कि शनिवार सुबह लापता होने से ठीक पहले विमान में बिजली से जुड़ी दिक्कतें आईं और वह तूफान में फंस गया। ऐसी स्थितियों में, विमान के बिना इंस्ट्रूमेंट्स की मदद के उड़ने की संभावना थी। विमान के लापता होने से ठीक पहले एयर ट्रैफिक कंट्रोल के साथ बातचीत में, पायलट ने बिजली की समस्या बताई और इमरजेंसी घोषित की। इस बातचीत का ऑडियो एक वेबसाइट पर पोस्ट किया गया है, जिसमें एक कंट्रोलर को पायलट से यह पूछते हुए सुना जा सकता है, 'रोजर, क्या आपने कहा कि आप डेड रेकनिंग (नेविगेशनल एड्स के बिना उड़ान) से आ रहे हैं? क्या आपने यही कहा कनाडा में रजिस्टर्ड थी एयर एम्बुलेंस ऐसी स्थिति में, पायलट को यह पता लगाने में मुश्किल हो सकती है कि विमान मुड़ रहा है, ऊपर जा रहा है या नीचे आ रहा है।यह विमान, जिसने बरमूडा के एल.एफ.वेड इंटरनेशनल एयरपोर्ट से उड़ान भरी थी, कनाडा में रजिस्टर्ड एक एयर एम्बुलेंस थी। एयरपोर्ट चलाने वाली कंपनी 'स्काईपोर्ट' के अनुसार, इसमें छह लोग सवार थे, चार क्रू मेंबर और दो यात्री। यह विमान रात में बरमूडा से मैसाचुसेट्स के लिए रवाना हुआ था। कनाडा के ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर स्टीवन मैकिनॉन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ङ्ग' पर बताया कि विमान में सवार छह लोगों में से चार कनाडाई नागरिक थे।

लॉस एंजिल्स में यूनिवर्सिटी कैंपस के पास देर रात गोलीबारी, दो लोगों की मौत; दर्जनों लोग हिरासत में

लॉस एंजिल्स , एजेंसी। लॉस एंजिल्स में यूनिवर्सिटी कैंपस के पास एक स्ट्रिप मॉल में हुई गोलीबारी में कम से कम दो लोगों की मौत हो गई। इसके साथ ही दर्जनों अन्य लोगों को हिरासत में लिया गया। यह जानकारी लोकल मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक है।

यह घटना कब हुई : न्यूयॉर्क पोस्ट की शनिवार की रिपोर्ट के अनुसार, यह गोलीबारी शुक्रवार रात 11 बजे के कुछ समय बाद यूनिवर्सिटी प्लाजा में हुई, जो कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी, नॉर्थ्रिज से लगभग एक ब्लॉक दूर स्थित एक लोकप्रिय शॉपिंग सेंटर है। शिन्हुआ समाचार एजेंसी ने न्यूयॉर्क पोस्ट का हवाला देते हुए बताया कि पुलिस को बड़ी संख्या में लोगों के जमा होने की सूचना मिली और मौके पर पहुंचने पर उन्हें गोली चलने की आवाज सुनाई दी। गोलीबारी के बाद, प्लाजा में एक इमारत के बाहर दर्जनों लोगों को हिरासत में लिया गया। रिपोर्ट के अनुसार, हिरासत में लिए गए कई लोग गोलीबारी के समय पास के एक लाउंज के अंदर थे।

रिपोर्ट में क्या बताया गया है : लोकल टीवी स्टेशन केटीएलए के अनुसार, लॉस एंजिल्स पुलिस विभाग के लेफ्टिनेंट गाइ गोलन ने बताया कि मारे गए दोनों लोग एक पुरुष और एक महिला थे। माना जा रहा है कि दोनों की उम्र 18 से 25 साल के बीच थी। केटीएलए की रिपोर्ट के मुताबिक, गोलन ने कहा कि अधिकारी एक और संभावित पीड़ित की तलाश कर रहे हैं और पुलिस घटनास्थल के अंदर और आसपास के इलाके में जांच जारी रखे हुए है। इससे पहले सितंबर में, अमेरिका के मिनेसोटा राज्य के सबसे बड़े शहर मिनियापोलिस में हुई गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई थी।

संदिग्ध की भी मौत हो गई थी। लोकल टेलीविजन स्टेशन केएसटीपी ने यह जानकारी दी। संदिग्ध ने आत्महत्या कर ली। वहीं, 2 सितंबर, बुधवार (स्थानीय समय) को हुई इस गोलीबारी में तीन पुलिस अधिकारियों सहित छह अन्य लोग घायल हो गए। मिनियापोलिस शहर ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि स्थानीय समय के अनुसार शाम लगभग 4:36 बजे पुलिस अधिकारियों को गोलीबारी की घटना स्थल पर भेजा गया था।

अधिकारी एक ऊंची अपार्टमेंट बिल्डिंग में दाखिल हुए, जहां उन्हें पीड़ित मिले और और गोलियां चलने की आवाज सुनाई दी। अधिकारी गोली चलने की आवाज़ का पीछा करते हुए इमारत की ऊपरी मंजिल पर पहुंचे। उस मंजिल पर, अधिकारियों को धुंध का सामना करना पड़ा जिससे कुछ भी साफ दिखाई नहीं दे रहा था। पोस्ट में आगे बताया गया कि तीन अधिकारी घायल हो गए, जिनमें से दो को गोली लगी थी।

इंडोनेशिया में भूकंप के तेज झटके, 5.2 तीव्रता ने लोगों में फैलाई दहशत; नुकसान की कोई खबर नहीं

जकार्ता , एजेंसी। इंडोनेशिया में आज सुबह करीब 5 बजे 5.2 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया। जानकारी के अनुसार इसका केंद्र 10 किलोमीटर की गहराई पर था। नेशनल सिस्मोलॉजिकल सेंटर के अनुसार, भूकंप की तीव्रता 5.2 थी। यह भूकंप रविवार सुबह 5:07 बजे आया। रिक्टर स्केल पर 5.2 तीव्रता वाले एक जबरदस्त भूकंप ने इंडोनेशिया को हिला दिया, जिससे लोगों में डर का माहौल बन गया।

लोगों में घबराहट फैल गई : सुबह जब भूकंप आया, तो ज्यादातर लोग घरों के अंदर थे। तेज झटकों से लोगों में घबराहट फैल गई और वे बाहर की ओर भागे, जिससे हर तरफ डर का माहौल बन गया। इंडोनेशिया को भूकंप के लिहाज से संवेदनशील इलाका माना जाता है। भूकंप के असर को समझने के लिए उसकी तीव्रता और गहराई को जानना जरूरी होता है। इस भूकंप से नुकसान को लेकर अभी तक कोई जानकारी नहीं है। साथ ही जान-माल के नुकसान के बारे में भी कोई खबर नहीं है। वैज्ञानिकों ने भूकंप के दौरान लोगों को अपने बचाव के लिए कुछ उपाय बताया गया है। जिसका पालन करने से लोग सुरक्षित रह सकते हैं। कुछ दिन पहले पेरू में 6.7 तीव्रता का भूकंप आया था। दक्षिणी पेरू में जोरदार झटके महसूस किए गए। पेरू की दक्षिणी एंडीज पर्वत श्रृंखला में 6.7 तीव्रता का भूकंप आया। इका और अरेक्विपा समेत कई इलाकों में झटके महसूस किए गए। अब तक किसी बड़े नुकसान या जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। स जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक, भूकंप स्थानीय समयानुसार दोपहर 1 बजे आया। इसका केंद्र अयाकुचो क्षेत्र के पारिनाकोचास डिपार्टमेंट में उपहुआचो से लगभग 38 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में था।

पश्चिम एशियाः सऊदी अरब की सबसे बड़ी तेल कंपनी अरामको पर हूतियों का हमला, बढ़ सकती हैं तेल की कीमतें

सना, एजेंसी। यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार ने शनिवार (स्थानीय समय) को सना और सादा में हूतियों के महत्वपूर्ण ठिकानों पर हमले की पुष्टि की। यह कार्रवाई तब हुई जब हूती समूह ने सऊदी अरब की राजधानी रियाद में देश की सबसे बड़ी तेल कंपनी अरामको की सुविधाओं को निशाना बनाकर मिसाइल और ड्रोन से हमला करने का दावा किया।

बढ़ सकती तेल की कीमत : अरामको संयंत्र से उठती आग की लपटों और घने धुएं ने चिंता बढ़ा दी है। सऊदी अरब की यह बड़ी तेल कंपनी तेल सप्लाई में अहम भूमिका निभाती है। ऐसे में अगर हमले से संयंत्र को बड़ा नुकसान हुआ है, तो तेल की सप्लाई प्रभावित हो सकती है। इसका असर अंतरराष्ट्रीय बाजार पर भी पड़ सकता है और कच्चे तेल की कीमतों में तेजी देखने को मिल सकती है। वहीं, पश्चिम एशिया में पहले से ही तनाव बना हुआ है। ऐसे में अरामको पर हुआ यह हमला ऊर्जा बाजार के लिए नई चिंता खड़ी कर सकता है।

सैन्य कार्रवाई के बाद जारी किया बयान : इन घटनाओं से जारी संघर्ष और बढ़ गया है। दोनों पक्षों ने सैन्य कार्रवाई का दावा करते हुए बयान जारी किए हैं। यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार की सशस्त्र सेनाओं के मीडिया सेंटर सेजारी एक बयान में आधिकारिक प्रवक्ता ने कहा कि यमनी सेनाएं हूतियों के नियंत्रण वाले इलाकों पर हमले कर रही हैं। आधिकारिक प्रवक्ता ने कहा, 'हम सना और सादा में आतंकवादी हूती मिलिशिया के अहम ठिकानों पर जबरदस्त हमले कर रहे हैं'। प्रवक्ता ने आगे चेतावनी दी कि हूती की सैन्य क्षमताओं पर हमले जारी रहेंगे। प्रवक्ता ने कहा, 'हूती मिलिशिया की क्षमताएं हमारी सेना के हमलों से सुरक्षित नहीं रहेंगी और हम उन्हें नष्ट कर देंगे।'

हूती की ओर से यह हमला क्यों किया गया है : यह बयान तब आया जब हूती समूह ने कहा कि उसने बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन का इस्तेमाल करके रियाद में अरामको को निशाना बनाते हुए एक सैन्य अभियान चलाया है। हूती सैन्य प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल याह्या सरी के बयान के अनुसार, यह हमला सऊदी अरब की ओर से सना और उनके नियंत्रण वाले अन्य इलाकों पर किए गए हमलों के जवाब में किया गया था। हूती के बयान में कहा गया, 'राजधानी सना और आजाद कराए गए प्रांतों के खिलाफ सऊदी आक्रामकता के जवाब में जिसमें पिछले 24 घंटों में 60 हवाई हमले और मिसाइल हमले हुए, हूती समूह ने कहा कि उसने रियाद में अरामको की सुविधाओं के खिलाफ बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन का इस्तेमाल करके एक खास मिलिट्री ऑपरेशन चलाया।

नेतन्याहू ने कैप्टन स्मित को इजरायली स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल करने का दिया आमंत्रण

येरुशलम, एजेंसी। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने शनिवार देर रात भारतीय पायलट स्मित मच्छार से बात की। इजरायली प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, पीएम नेतन्याहू ने उन्हें इजरायल के स्वतंत्रता दिवस समारोह में मशाल जलाने के लिए आमंत्रित किया। बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने स्मित मच्छार से कहा, 'मैं चाहूंगा कि कैप्टन स्मित और पीएम मोदी हमारे स्वतंत्रता दिवस पर जश्न की लौ थामे रहें। यह हमारा सबसे बड़ा सम्मान है। हम आमतौर पर इसे इजरायली नागरिकों के लिए रखते हैं, लेकिन इस मामले में इजरायल के सभी नागरिक आपको गले लगाएंगे।' स्मित मच्छार, जो वर्तमान में दुबई में कार्यरत हैं ने बुधवार को दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की फ्लाइट

के कॉकपिट के अंदर अपने सह-पायलट द्वारा हमला किए जाने के बाद एक बड़े हादसे को टाल दिया। गंभीर चोट लगने के बावजूद भारतीय पायलट ने कॉकपिट का दरवाजा खोलने में कामयाबी हासिल की, जिससे यात्री और क्रू मेंबर हस्तक्षेप कर सके। ऐसे में उन्होंने विमान के यात्रियों की जान बचा ली। वहीं, इससे पहले दुबई के क्राउन प्रिंस और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के उप प्रधानमंत्री हमदान बिन मोहम्मद ने शनिवार को फ्लाईदुबई की उड़ान एफजेड1073 के बहादुर भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छार से अस्पताल में मुलाकात की और उनके साहस की सराहना की। हमदान बिन मोहम्मद ने मुलाकात के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा, 'कैप्टन स्मित मच्छार से मुलाकात की। फ्लाईदुबई के इस पायलट ने साहस और जिम्मेदारी की सर्वोच्च मिसाल पेश की। हमारी ओर से और देश के नेतृत्व की ओर से उन्हें पूरा सम्मान और प्रशंसा। हमें गर्व है कि वह हमारी टीम का हिस्सा हैं।

इससे पहले यूएई स्थित भारतीय दूतावास ने बताया था कि कैप्टन मच्छार की हालत में सुधार हो रहा है। भारतीय मिशन ने कहा कि वह उनके परिवार और स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में हैं तथा उनके इलाज और जल्द स्वस्थ होने के लिए हरसंभव सहयोग दिया जा रहा है।

बांग्लादेश में दुर्गा पूजा से पहले मंदिर में सात मूर्तियां खंडित, जांच में जुटी पुलिस

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के तंगेल जिले के मिर्जापुर उपजिला में आगामी दुर्गा पूजा से पहले एक मंदिर में बनाई जा रही सात मूर्तियां अज्ञात लोगों ने खंडित कर दीं। स्थानीय मीडिया के मुताबिक, बांग्लादेश में हिंदू धार्मिक स्थलों पर हमलों को लेकर बढ़ती चिंता के बीच यह घटना सामने आई है। मंदिर प्रशासन और पुलिस के अनुसार, मिर्जापुर के जमुरकी पश्चिमपाड़ा इलाके में बुधवार रात से गुरुवार सुबह के बीच मूर्तियों में तोड़फोड़ की गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि जमुरकी आर्य समिति के तहत इस मंदिर में करीब 85 वर्षों से दुर्गा पूजा का आयोजन किया जा रहा है। मंदिर में इस साल दुर्गा पूजा की तैयारियां चल रही थीं। मुख्य देवी दुर्गा की मूर्ति समेत सात मूर्तियां लगभग तैयार हो चुकी थीं और केवल रंगाई का काम बाकी था। जमुरकी आर्य समिति के अध्यक्ष प्रकाश बकाली ने बताया, 'हम बुधवार रात करीब 10 बजे तक मंदिर में थे। इसके बाद घर चले गए। गुरुवार सुबह जब मंदिर लौटे तो मूर्तियां टूटी हुई मिलीं।'

उन्होंने कहा, 'हमें नहीं पता कि यह किसने किया। हमने पुलिस में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है। अब हमारी मांग है कि कानून प्रवर्तन एजेंसियां जिम्मेदार लोगों का पता लगाएं और उन्हें कानून के दायरे में लाएं।' घटना की पुष्टि करते हुए तंगेल के सहायक पुलिस अधीक्षक अदनान मुस्तफिज ने बताया कि कुछ मूर्तियां आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त मिली हैं। उन्होंने कहा, 'हम दोषियों की पहचान कर उन्हें कानून के दायरे में लाने के लिए जांच कर रहे हैं। जरूरी सुरक्षा

व्यवस्था भी की गई है।' रिपोर्ट में इस घटना को बांग्लादेश में हिंदू मंदिरों और अल्पसंख्यक समुदायों पर हमलों को लेकर जताई जा रही चिंताओं से जोड़ा गया है। स्थानीय मीडिया के मुताबिक, पिछले महीने फरीदपुर शहर के उत्तर कालीबाड़ी मंदिर से देवी काली की मूर्ति के साथ कई आभूषण और धार्मिक वस्तुएं चोरी हो गई थीं। रिपोर्ट के मुताबिक, चोरी हुई वस्तुओं में देवी काली की मूर्ति, उस पर चढ़ाए गए करीब 7 से 8 तोला सोने के आभूषण, भगवान विष्णु, राधा-कृष्ण और मनसा की पीतल की छोटी मूर्तियां शामिल थीं। इसके अलावा शिवलिंग के चारों ओर रखा करीब 8 से 10 तोला वजन का चांदी का सांप भी चोरी होने की बात कही गई थी। हाल ही में अवामी लीग ने 2001 से 2006 तक रही बीएनपी-जमात-ए-इस्लामी गठबंधन सरकार के कार्यकाल का जिक्र करते हुए आरोप लगाया था कि उस अवधि में अल्पसंख्यक समुदायों के साथ जो घटनाएं हुई थीं, वैसी स्थिति 2026 में फिर दिखाई दे रही है। अवामी लीग ने मंदिरों पर हमले, घरों में आगजनी, जमीन कब्जाने, महिलाओं के खिलाफ हिंसा और हिंदुओं के देश छोड़ने के लिए मजबूर होने के आरोप लगाए थे। ये अवामी लीग के आरोप हैं।

अमेरिका ने ईरान के दो राजनयिकों को निकाला:आदेश मिलने के बाद भी न्यूयॉर्क में रुके रहे

वॉशिंगटन एजेंसी। अमेरिका ने ईरान के दो राजनयिकों को देश से बाहर भेज दिया है। दोनों संयुक्त राष्ट्र महासभा में शामिल होने के लिए न्यूयॉर्क पहुंचे थे, लेकिन महासभा खत्म होने के बाद भी वहीं रुके रहे। एक्सिओस की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी विदेश विभाग ने सोमवार को न्यूयॉर्क स्थित ईरानी मिशन को निर्देश दिया था कि यूएन महासभा में शामिल होने आए उसके प्रतिनिधिमंडल के सभी सदस्य अमेरिका से रवाना हो जाएं।

ज्यादातर प्रतिनिधि चले गए, लेकिन दो राजनयिक न्यूयॉर्क में ही रुके रहे। शुक्रवार को अमेरिकी अधिकारियों ने ईरानी मिशन को बताया कि उन्हें दोनों के अब भी न्यूयॉर्क में मौजूद होने की जानकारी है। इसके बाद ईरान को दोबारा संदेश भेजकर दोनों राजनयिकों को तुरंत अमेरिका छोड़ने के लिए कहा गया। इसके बाद एक राजनयिक शुक्रवार रात और दूसरा शनिवार सुबह न्यूयॉर्क से रवाना हो गया।

अमेरिका से जंग के बावजूद न्यूयॉर्क गए थे ईरानी राष्ट्रपति : ईरान और अमेरिका में जंग के बावजूद ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजशकियान यूएन महासभा में शामिल होने न्यूयॉर्क पहुंचे थे। 23 सितंबर को यहां उन्होंने दुनिया के सामने ईरान का पक्ष रखा और अमेरिका-इजराइल पर कई गंभीर आरोप लगाए। पजशकियान अपने भाषण में युद्ध

में मारे गए बच्चों की तस्वीरें भी लेकर पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि ईरान ने पिछले 200 साल में किसी देश पर हमला नहीं किया है, बल्कि उसका देश खुद आतंकवाद और हमलों का शिकार रहा है। उन्होंने अमेरिका और इजराइल पर ईरान के खिलाफ कार्रवाई करने का आरोप लगाया। पजशकियान ने यह भी साफ किया कि ईरान परमाणु हथियार नहीं चाहता, लेकिन शांतिपूर्ण परमाणु तकनीक के इस्तेमाल का अधिकार नहीं छोड़ेगा। इसके अलावा उन्होंने पश्चिमी देशों पर दोहरे रवैये और ईरान पर लगाए गए प्रतिबंधों को लेकर भी सवाल उठाए।

यूएन महासभा में विदेशी प्रतिनिधियों के लिए तय नियम : यूएन महासभा हर साल न्यूयॉर्क स्थित यूएन मुख्यालय में होती है। इसमें दुनिया भर के राष्ट्राध्यक्ष, मंत्री, राजनयिक और अधिकारी शामिल होते हैं। ईरान का प्रतिनिधिमंडल भी इसी बैठक के लिए न्यूयॉर्क आया था। विदेशी प्रतिनिधियों को अमेरिका में रहने के लिए वीजा और राजनयिक नियमों का पालन करना होता है। उनका दर्जा और अमेरिकी सरकार की अनुमति यह तय करती है कि वे कितने समय तक वहां रह सकते हैं। महासभा खत्म होने के बाद भी अमेरिका में रुकने के लिए वैध अनुमति जरूरी है। बैठक में शामिल होने की अनुमति का मतलब यह नहीं कि प्रतिनिधि अपनी मर्जी से वहां रुक सकते हैं। नियमों के उल्लंघन पर अमेरिका उन्हें देश छोड़ने का आदेश दे सकता है। यूएन में ईरानी डेलिगेशन को स्टारलिंक देने पहुंचे थे इजराइली अधिकारी यूएन महासभा में इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरानी डेलिगेशन को स्टारलिंक डिवाइस देने की पेशकश की थी। उन्होंने कहा था कि इससे ईरान के लोग इंटरनेट का इस्तेमाल कर अपनी बात दुनिया तक पहुंचा सकेंगे। नेतन्याहू के भाषण के बाद एक इजराइली अधिकारी स्टारलिंक डिवाइस लेकर ईरानी अधिकारियों के पास पहुंचे। उन्होंने डिवाइस लेने की अपील करते हुए कहा कि यह उनके लिए उपयोगी हो सकता है।

हेल्थ प्लस

हाथों में छिपे हैं बीमारियों के राज

हाथ सिर्फ तकदीर का हाल नहीं बताते, बल्कि बीमारियों का भी पता देते हैं। नए शोधों इस बात का खुलासा हुआ है कि आपके सेहत से जुड़ी बहुत-सी जानकारियां आपके हाथों, उसकी त्वचा और नाखूनों के आकार-प्रकार तथा रंगत में छिपी होती हैं। महिलाओं की हथेली बता सकती है कि उसे गर्भाशय के कैंसर का खतरा कितना है। 74 साल की एक महिला डॉक्टर के पास पहुंची। उसकी हथेलियों पर एक सख्त गांठ जैसी चीज उभरी हुई थी। शुरूआती जांच में महिला में कोई गड़बड़ी नहीं दिखाई दी, लेकिन जब उसकी गहन जांच की गई तो पता चला कि महिला को गर्भाशय का कैंसर है। डॉक्टरों के मुताबिक हथेली पर उभरने वाले सख्त मांस पिंड के बारे में मेडिकल दस्तावेज खंगाले गए तो पता चला कि यह उभार गर्भाशय कैंसर के शुरूआती संकेत हैं।

हाथों को देखकर व्यक्ति के स्वास्थ्य के बारे जानकारियां जुटाने की मुहिम में जुटे डॉ. ग्राहम एस्टन ने बताया, 'जब भी मैं अपने मरीजों से मिलता हूं, सबसे पहले उनसे हाथ मिलाता हूं। उसके हाथ उनकी सेहत संबंधी जानकारियों से भरे-पूरे होते हैं।' यही वजह है कि अब बहुत सारे डॉक्टर हाथों की बनावट और स्किन के टैक्चर के आधार पर रोग के बारे में अपनी राय कायम करते हैं और फिर उसी दिशा में डाइगनोसिस प्रक्रिया को शुरू करते हैं। ब्रिटेन और अमेरिका के डॉक्टर इस विधि को निदान की प्रक्रिया से जोड़ने के लिए विभिन्न मेडिकल काउंसिलों से बात कर रहे है।

लंदन के कुछ डॉक्टरों ने हाथ के रंग, त्वचा की बनावट को आधार बनाकर एक चार्ट तैयार किया है, जो यह बताता है कि अमुक दशा में यह रोग होने की आशंका रहती है।

लालिमा लिए हथेली :

इस तरह की हथेली डॉक्टर को लिवर के बारे में काफी जानकारियां दे सकती है। लाल हथेलियों का यह कतई मतलब नहीं है कि किसी के शरीर में काफी खून है, बल्कि इस बात की आशंका व्यक्त करता है कि उसको लिवर सिरोसिस हो सकती है। सिरोसिस का मतलब होता है लिवर के ऊत्तकों का क्षरण। बहुत ज्यादा शराब पीने से सिरोसिस का अंदेशा रहता है। यह अन्य कारणों से भी हो सकती है, जैसे हेपेटाइटिस-सी या दूषित जल का लगातार सेवन।

चर्बीयुक्त उंगलियों के जोड़ :

उंगलियों के जोड़ों पर यदि पिंडनुमा मांस जमा हो जाए तो यह शरीर के भीतर उच्च श्रेणी के कोलेस्टेरोल के जमा होने का सूचक है। ब्रिटिश हार्ट फाउंडेशन में कार्डियक नर्स एलेन मैसन के मुताबिक वर्षों तक नसों में वसा जमा होता रहता है और बाद में पिंड के रूप में उभर आता है। उन्होंने बताया कि ऐसे लोगों के रक्त में जन्म से ही उच्च कोलेस्टेरोल रहता है और इनमें से कई कम उम्र में ही अकाल मृत्यु के शिकार हो जाते हैं।

स्पून नेल्स :

हममें से बहुतों के उत्तल या उभरे हुए नाखून होते है, किसी गेंद जैसी गोलाई लिए हुए, लेकिन यदि आपके नाखूनों के बीच में गड्ढा है तो यह इस बात का संकेत है कि आपके शरीर में आयरन की कमी है। ऐसे लोगों में खून की कमी भी हो सकती है। डॉक्टरों का कहना है कि रक्त की कमी से नाखून टेढ़े-मेढ़े और खुरदुरे हो जाते हैं।

घुमावदार उंगलियां :

यदि किसी की उंगलियों के पोर वक्राकार हैं तो भयंकर बीमारियों, कैंसर या टीबी के संकेत हो सकते हैं। आज से कोई 2000 साल पहले अनुमान पर आधारित चिकित्सा करने वाले नीम हकीम घुमावदार पोर देखकर लोगों को जानलेवा बीमारियों के प्रति सचेत करते थे, लेकिन लीड्स विश्वविघालय के वैज्ञानिकों ने अब जाकर इसे सही पाया है। यह पीजीई 2 नाम के एक पदार्थ के फेफड़ों के आसपास जमा होने से होता है, जो बाद में चलकर कई तरह की बीमारियों की वजह बनता है। शरीर के बाहर यही पदार्थ उंगलियों के पोरों में जमा होता है, जिससे सूजन आती है।

नीली उंगलियां :

किसी व्यक्ति के रक्त में आक्धसीजन की मात्रा कितनी है, इसे जानने के लिए डॉक्टर उस व्यक्ति के नाखूनों, पैर के पंजों और होंठ का निरीक्षण करते हैं। शरीर के इन हिस्सों के गुलाबी होने का मतलब है, अच्छा ब्लड सर्कुलेशन, लेकिन इनके नीले होने का मतलब है कि शरीर को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिल रही है।

डॉक्टरों ने कुछ और मेडिकल संकेतों का जिक्र किया है। यदि नाखूनों पर नन्हे उभार हैं तो इसे गठिया होने का संकेत माना जाए। अगर नाखून पोरों की आर से सफेद या पीले हैं और त्वचा के पास आकर भूरे-से हो जाते हैं तो इसे भविष्य में किडनी फेल होने की चेतावनी माना जाए। हथेलियों से पसीने आने का अर्थ है थाइरॉइड का खतरा।

सर्दी-जुकाम छूं-छूं...सूं-सूं....

कैसे फैलते हैं

सर्दी-जुकाम वायरस की वजह से होते हैं, किंतु ये कई माध्यमों से फैलते हैं। सर्दी लगना राइनोवायरस के कारण होता है। यह वायरस तीन घंटों तक किसी ठोस सतह पर सक्रिय रह सकता है जैसे दरवाजे की कुंडी या टेलीफोन के रिसीवर पर। इस तरह से यह हाथ द्वारा फैलता है। जुकाम का वायरस हवा द्वारा तब फैलता है, जब रोगी बातचीत करे, जम्हाई ले या खांसे। यह वायरस 10 मिनट तक हवा में सक्रिय रहता है।

रोकथाम

- सर्दी का वायरस हमारे शरीर को म्यूकस मैम्ब्रेन के जरिए प्रभाव डालता है। इस लिए अपनी नाक व आंखों को मसलें नहीं तथा मुंह के भीतर हाथ न डालें। सर्दी से बचने का सबसे बेहतर तरीका यह है कि वायरस को अपने हाथों से दूर रखें।
- सर्दियों के दस्तक देते ही जब आपको सर्दी के सिग्नल मिलने लगें, जैसे गला जाम लगे या नाक भारी होने लगे तो फिर रोजाना विटामिन-सी की खुराक लेना आरंभ कर दें। यह खुराक 250 एमजी से 500 एमजी तक हो सकती है।

शिशुओं को न दें अधिक आयरन, हो सकता है नुकसान

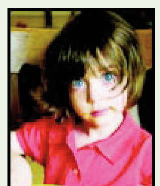

यह आम धारणा है कि आयरन (लौह) हमारे शरीर के लिए आवश्यक है। आमतौर पर बच्चों के कमजोर होने पर अभिभावक उसे आयरन की दवा देने के बारे में सोचने लगते हैं लेकिन नहीं, जरा ठहरिए। न्यूयार्क में किए गए एक नए शोध से यह सामने आया है कि शिशुओं को अधिक मात्रा वाली आयरन की दवा देना नुकसानदेह हो सकता है। मिशीगन विश्वविघालय की प्रोफेसर और प्रमुख शोधकर्ता बीटसे लोजफ ने कहा, हमारे शोध के परिणाम चौंकाने वाले हैं। अमेरिका में आमतौर पर बच्चों को आयरन की कमी से बचाने वाली जो दवाएं आती हैं, वह सभी 12 एमजी की होती हैं जबकि यूरोप में अपेक्षाकृत कम मात्रा वाली दवा का इस्तेमाल किया जाता है। विश्वविघालय ने दस साल तक के 494 बच्चों पर शोध किया और पाया कि जिन बच्चों को 12 एमजी वाली दवाएं दी गईं उनका शारीरिक विकास उन बच्चों की तुलना में कम हुआ जिन्होंने कम मात्रा वाली दवा ली थी। लोजफ ने कहा, मेरे लिए परिणाम चौंकाने वाले थे। मैंने सोचा था कि 12 एमजी दवा लेने वाले बच्चो ज्यादा विकास करेंगे लेकिन हुआ इसका उल्टा। गौरतलब है कि इन निष्कर्षों का बच्चों के लिए विभिन्न खाघ सामग्री बनाने वाले कंपनियों पर बुरा असर पड़ सकता है।

बिच्छू के जहर से होगा कैंसर का इलाज

बिच्छू के जहर से ब्रेन कैंसर के इलाज में मदद मिल सकती है। फिलहाल वैज्ञानिक इसका परीक्षण कर रहे हैं। अभी तक के शोध के मुताबिक न्यूरोटाक्सिन का एक मिश्रण कुछ ट्यूमर कोशिकाओं को बांधे रखते हैं, जबकि स्वस्थ कोशिकाओं पर इनका कोई प्रभाव नहीं पड़ता। पेप्टाइड वे कण होते हैं जो एमीनो एसिड के साथ मिलकर प्रोटीन का मार्ग अवरूद्ध करते हैं। प्रयोग में यह पाया गया है कि इसमें मौजूद कण स्तन के त्वचा, ब्रेन और फेफड़े के ऊतकों के ट्यूमर पर आक्रमण करते हैं लेकिन स्वस्थ कोशिकाओं को नुकसान नहीं पहुंचाते। न्यू साइंटिस्ट मैग्जीन के मुताबिक पिछले साल हुए एक परीक्षण के दौरान वैज्ञानिकों कई लोगों के शरीर में ट्यूमर पर इसकी दवा टीएम 601 को इजेंक्ट किया। हालांकि अधिकतर मरीजों की इस दौरान मौत हो गई थी लेकिन जिन लोगों को इसकी ज्यादा मात्रा दी गई वह औसतन तीन माह ज्यादा जीवित रहा। यह दवा शरीर के किसी भी हिस्से में मौजूद ट्यूमर के खात्मके लिए कारगर हो सकती है।

नुकसानदेह भी है विटामिन-सी

वैज्ञानिकों ने चेताया है कि विटामिन-सी सप्लीमेंट्स का ज्यादा इस्तेमाल कैंसर की दवाओं के असर को कम कर देता है। इस बारे में किए गए शोध से पता चला कि विटामिन-सी देने से कैंसर के सेल्स पर दवा का असर 70 फीसद तक कम हो जाता है। चूहों पर किए गए प्रयोग से इस बात का भी खुलासा हुआ कि विटामिन-सी की वजह से ट्यूमर का विकास तेज हो जाता है। कैंसर रिसर्च जनरल में प्रकाशित लेख के मुताबिक कीमोथैरेपी के दौरान यदि विटामिन-सी के सप्लीमेंट्स दिए जाते हैं तो इससे कैंसर के जानलेवा सेल्स की दवा प्रतिरोधी क्षमता बढ़ जाती है। डॉ. मार्क हीने ने एक चूहे में मानव कैंसर के सेल्स इंजेक्ट किए। इसके बाद कीमोथैरेपी देने से दो घंटे पहले चूहे को विटामिन-सी का सप्लीमेंट दिया गया तो शोध दल ने पाया कि कैंसर सेल्स का विकास तेज हो गया था।

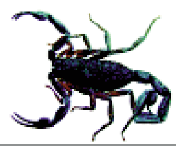

एस्पिरिन घटाती है स्तर कैंसर का खतरा!

आमतौर पर दर्द के लिए ली जाने वाली जाने वाली एस्पिरिन का एक बड़ा फायदा सामने आया है। एस्पिरिन महिलाओं में स्तन कैंसर के खतरे को घटाने की कारगर दवा है। एक महत्वपूर्ण शोध में यह दावा किया गया है। अपने तरह के इस बड़े मेडिकल रिव्यू में कहा गया है कि इस पेनकिलर की नियमित खुराक लेने से महिलाओं में स्तन कैंसर का खतरा 13 फीसद तक कम हो जाता है। इसी तरह की एक अन्य दवा आइबूप्रोफीन भी स्तन कैंसर से निपटने में कारगर है। यह भी स्तन कैंसर के खतरे को 21 फीसद तक कम कर देती है।

परीक्षण में यह बात सामने आई है कि एस्पिरिन और अन्य जलन निरोधक गोलियां केवल दर्द ही कम नहीं करती, स्तन कैंसर के विषाणु से रक्षा भी करती हैं। यह रिपोर्ट नेशनल कैंसर इस्टीट्यूट के जनरल में प्रकाशित हुई है। इसमें 27 लाख महिलाओं के ऊपर किए गए 38 विभिन्न शोधों का हवाला दिया गया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि जो महिलाएं नॉन-स्टेराइडल एंटी इनफ्लामेट्री (एनएसएआईडी) दर्द निवारक लेती हैं, उनमें आम महिलाओं की अपेक्षा जीवन भर में स्तनकैंसर होने का खतरा 12 फीसद तक कम हो जाता है। एक अलग विश्लेषण में यह कहा गया है कि एस्पिरिन से यह खतरा 13 फीसद तक कम हो जाता है जबकि आइबूप्रोफीन इसका खतरा 21 फीसद तक घटा देती है। यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिटिश कोलंबिया, वैंकोवर कोस्टल हेल्थ रिसर्च इंस्टीट्यूट और यूनिवर्सिटी ऑफ सेंटडियागो डि कैंपोसटेला ने संयुक्त रूप से यह निष्कर्ष जारी किए हैं। ब्रिटेन में 12 फीसद महिलाओं को स्तन कैंसर होने का खतरा बना रहता है। इस शोध के बाद इस तरह के मामलों का स्तर दस फीसद के पास लाया जा सकता है। हालांकि इस रिपोर्ट के बाद लाखों महिलाओं में स्तन कैंसर से निजात पाने की आशा जगी है फिर भी अभी इसके परीक्षणों का चरण शेष है। दरअसल, जिन महिलाओं पर यह शोध किया गया, उनमें से अधिकतर दूसरी बीमारियों से भी पीड़ित थीं और अन्य दवाइयां भी ले रहीं थीं। उनकी दिनचर्या और खानपान आम महिलाओं से भिन्न था।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ

अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शुभांक-5-7-8

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। एकाकी प्रवृति का त्याग करें। यात्रा न करें। शुभांक-4-6-7

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा

शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-4-6-8

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो

नये-नये व्यापारिक अनुबंध होंगे। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। हरि करे सो खरी इसीलिए पूरे मनोयोग से कार्य करें। शुभांक-3-6-9

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे

कार्यक्षेत्र में खुशनुमा माहौल बनेगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अत:आलस्य का त्याग करें। शुभांक-4-6-8

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। धार्मिक कार्य शुभ रहेगा। शुभांक-2-4-6

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते

योजना क्रियान्वन के लिए समय अच्छा व सकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। सफलता मिलेगी। सुनियोजित तरीके से कार्यारम्भ करें। शुभांक-3-6-7

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू

व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते हैं। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-2-5-7

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। धार्मिक यात्रा का योग बना है। शुभांक-2-5-7

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी

मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। पुराने मित्र के कारण कार्य बाधा हटेगी। शुद्ध गोचर का लाभ। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। शुभांक-3-6-8

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा

मनोरंजन के साधनों पर धन-व्यय होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-6-8-9

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। जान-पहचान का दायरा बढ़ेगा। शुभांक-5-8-9

काकुरो पहेली - 2608

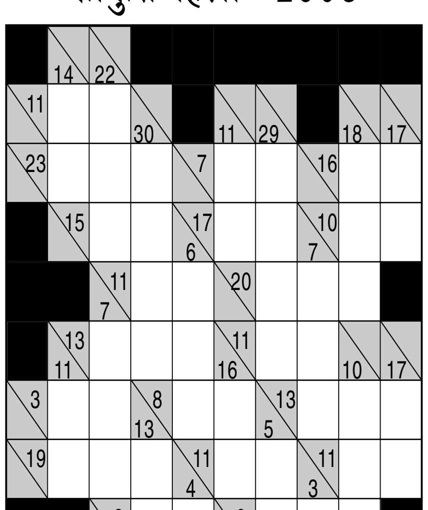

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

11/7 → 1 2 3 5

1, 2, 4

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 2607 का हल

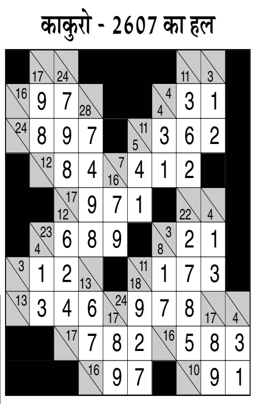

लॉफिंग ज़ोन

प्रेमिका : मेरे होंठ गुलाब की पंखुड़ी जैसे हैं ना।
प्रेमी : हाँ।
प्रेमिका : मेरी आँखें कमल के फूल जैसी हैं ना?
प्रेमी : हाँ।
प्रेमिका : मेरी आवाज कोयल जैसी है ना?
प्रेमी : हाँ।
प्रेमिका : मेरी चाल मोरनी जैसी है ना?
प्रेमी : हाँ।
प्रेमिका : ओह! तुम कितनी अच्छी बातें करते हो।

□ □ □

एक दिलफेंक आशिक ने एक युवती को पकड़ा और सरेआम किस कर दिया।
युवती बोली- तुमने ये क्या किया?
युवक- तो इसे कहते हैं डायरेक्ट मार्केटिंग।
युवती ने युवक का कॉलर जोर से पकड़ा और खींचकर एक जोर का चाँटा रसीद कर दिया।
युवक- अब ये क्या था?
युवती- इसे कहते हैं कस्टमर फीडबैक।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 2608

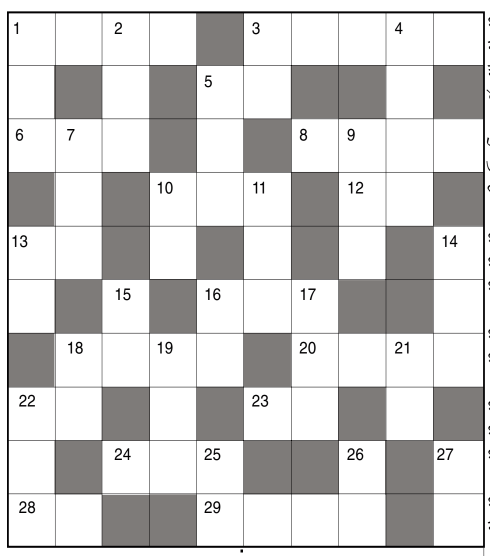

बायें से दायें:-

१. अक्षय खन्ना, करीना की प्रियदर्शन निर्देशित एक कॉमेडी फिल्म-४
३. 'झिलमिल सितारों का आँगन' गीत वाली धर्मेन्द्र, राखी की फिल्म-३,२
५. अजय, नाना, फरदीन, उर्मिला, रेखा की 'ये सर्द आहें' गीत वाली फिल्म-२
६. 'जिस दिल में बसा था प्यार तेरा' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
८. सुनीलदत्त, नूतन की 'बड़ी देर भई नंदलाला' गीत वाली फिल्म-४
१०. 'पर्दे में रहने दो' गीत वाली धर्मेन्द्र, संजीवकुमार, आशा पारेख की फिल्म-३
१२. 'सीता और गीता' में संजीव के साथ वाली हेमामालिनी के पात्र का नाम-२
१३. 'शिकदुम शिकदुम' गीत वाली अभिषेक, उदय चोपड़ा, जॉन अब्राहम, ईशा देओल, रिमी सेन की फिल्म-२
१६. विकास भल्ला, काजोल की 'मेरे चेहरे पे लिखा है' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'आने वाला पल जाने' गीत वाली अमोल पालेकर, बिंदिया की फिल्म-४
२०. जैकी, मोहसिन खान, नीलम की 'एक तू ही मेरा' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'तेरा काम है जलना' गीत वाली राज कपूर और नर्गिस की फिल्म-२
२३. शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या, प्रिया की 'मेरे खयालों की' गीत वाली फिल्म-२
२४. सुदर्शन नाग निर्देशित सनी देओल, नीलम की १९९१ की एक फिल्म-३
२८. जैकी श्रॉफ, रति की 'जितना कभी किसी ने' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'हम भूलेंगे' गीत वाली अमिताभ, अरशद, करिश्मा की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. शॉवरअली, तरूण अरोड़ा, मेघना की फिल्म-३
२. 'भागे रे मन' गीत वाली फिल्म-३
३. सनी, सलमान, करीश्मा, तब्बू की फिल्म-२
४. अमिताभ, दीपक, डिम्पल, करिश्मा की 'कभी खुशियों की' गीत वाली फिल्म-४
५. 'तेरे नाम' में सलमान की नायिका थी-३
७. कमल हासन, शाहरूख, रानी की फिल्म-१,२
९. 'जिंदगी इम्तिहान' गीत वाली अमिताभ, संजीव, ऋषि, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
१०. नागार्जुन, अमला की एक फिल्म-२
११. सुनील शेट्टी, रवीना, करिश्मा, की फिल्म-३
१३. संजय सूरी, रेवती, गुल पनाग की 'बेनाम सा ये दर्द' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'तुम ने दी आवाज' गीत वाली फिल्म-३
१५. सनी, अजय जडेजा, सेलिना की 'तुमको कितना है' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'इस टूटे दिल' गीत वाली फिल्म-२
१७. राजेंद्रकुमार, शर्मिला टैगोर की एक फिल्म-३
१८. 'अकेले ही अकेले चला' गीत वाली दिलीपकुमार, सायरा बानो की फिल्म-२
१९. आयूब खान, आयशा जुल्का की फिल्म-३
२१. 'ऐ मेरी जिंदगी' गीत वाली जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की फिल्म-२
२२. राजकुमार, मीना की 'ठाड़े रहियो ओ बांके यार' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'मुझे तेरे जैसी' गीत वाली फिल्म-२
२६. मनोज बाजपेयी, अरशद, तब्बू, शीबा की फिल्म-२
२७. 'कैसे कटे दिन' गीत वाली राजेश खन्ना, गोविंदा, जूही, माधवी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2607

पि	या	का	घ	र		ए	ल	ओ	सी
ता	रा		र		घा	त		म	
	ना	च		चाँ		रा	खी		फ
रे		मे	हं	दी		ज		खा	की
श	मीं	ली		सो	च		श		रा
नी			ब	ना	र	सी	बा	बू	
	ग	द	र		स		ना	म	
बा	ज		सा	थी		मि			अं
जा	ल		त		दि	ल	का	रा	जा
र		माँ		मि	ल	न			म

सूडोकु -2608

4							1	8
			6	7				2
			8					
	8	5						
	2			1			7	
						3	5	
					5			
1				4	7			
9	6							4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2607 का हल

1	9	7	4	8	6	2	3	5
4	5	3	9	1	2	7	6	8
2	6	8	7	3	5	9	1	4
5	3	1	2	7	9	4	8	6
9	2	4	8	6	1	5	7	3
7	8	6	5	4	3	1	9	2
3	4	9	6	2	7	8	5	1
6	7	2	1	5	8	3	4	9
8	1	5	3	9	4	6	2	7

शब्द पहेली - 2608

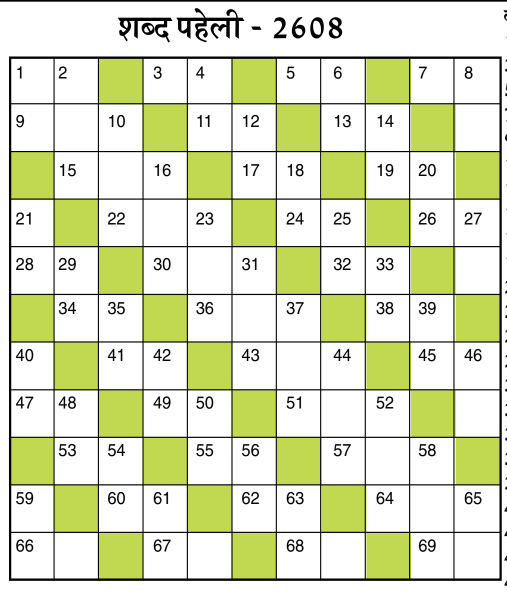

बाएँ से दाएँ

1.बलगम-2
3.जाप,मंत्र पाठ-2
5.काया,बदन-2
7.ठाठ-बाट-2
9.गिरावट,अवनति-3
11.बुरी आदत-2
13.सदं,अच्छा-2
15.बंदर-3
17.अपशिष्ट पदार्थ-2
19.थोड़ा-2
22.दबाना,कुचलना-3
24.शारीरिक ऊंचाई-2
26.आम जनता-2
28.पिता के पिता-2
30.पक्षाघात,फालिज-3
32.मनमौजी,अलमस्त-2
34.नवीन-2
36.लोच-3
38.गाड़ी,घोड़ागाड़ी-2
41.बीता हुआ दिन-2
43.लेखनी,पेन-3
45.अधर-2
47.रांझा की प्रेमिका-2
49.अप्सरा,परी -2
51.गर्भ,कोख-3
53.दंड,शिक्षा -2
55.पाश,फंदा-2
57.परखना-3
60.वोट,अभिप्राय-2
62.हत्या-2
64.तिरस्कृत-3
66.शराब-2
67.उद्देश्य-2
68.टूंटी,नलका-2
69.आनंद-2

ऊपर से नीचे

1.प्याला-2
2.धर्म आदेश-3
4.क्षण,लमहा-2
6.गगन,आकाश-2
8.सरुर,खुमार-2
10.पति की बहन-3
12.अंधकार-2
14.शर्म,लज्जा-2
16.पासों से भविष्य जानने की विद्या-3
18.भाग्य (अंग्रेजी-2)
20.रहस्य-2
21.कुर्बान-2
23.अनुकृति-3
25.जोर,बल-2
27.नाखून-2
29.दक्षिणा-2
31.पढ़ने वाला-3
33.परत-2
35.भैंस जैसा एक प्राणी-2
37.झगड़ा-3
39.भूमि,धरा -2
40.राहगीर-2
42.रक्त-2
44.मां का प्रेम-3
46.दम-2
48.आनंद-2
50.छुट्टी-2
52.झगड़ना-3
54.प्याला-2
56.प्यार-2
58.असफल-3
59.यमराज-2
61.पैंदा-2
63.संपत्ति-2
65.सम्राट-2

शब्द पहेली -2607 का हल

	य	ती	म	खा	ना		म	हा	वी	र
क	क्ष		हा		ना	ह	क		र	म
हा		ना	न	सें	स		र	मा		जा
नी	र	व	ता		सु	र		न	म	न
का		खे		अ	र	क्त			सी	
र	वा	ना	हो	ना		पा	ल	न	हा	र
	ह			चा	ह	त		का		च
का	न	न		र	म		ब	र	सा	ना
म		र	ज		स	का	र	ना		का
धा	र		खि	ला	फ		स		भो	र
म	स	ख	रा		र	म	ता	जो	गी	

1984 में लूट-हत्या की कोशिश,40 साल तक बाबा बनकर पुलिस को दिया चकमा; अब बरेली में पकड़ा गया

कानपुर में लूट और हत्या के प्रयास के मामले में 40 साल से फरार आरोपी को पुलिस ने बरेली से गिरफ्तार कर लिया। 1984 में आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए साधु बन गया और पागलदास बाबा के नाम से आश्रम में रहने लगा था।

एजेंसी

कानपुर। कानपुर में लूट और हत्या के प्रयास के मामले में 40 साल से फरार आरोपी को पुलिस ने बरेली से गिरफ्तार कर लिया। 1984 में आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए साधु बन गया और पागलदास बाबा के नाम से आश्रम में रहने लगा था।

यूपी के कानपुर में पुलिस ने लूट और हत्या के प्रयास के मामले में 40 साल से फरार वारंटी को बरेली से गिरफ्तार कर लिया है। दरअसल, आरोपी राम प्रकाश पागलदास बाबा बनकर एक आश्रम में रह रहा था। प्रयागराज हाईकोर्ट से जारी गैर जमानती वारंट के बाद पुलिस की तीन टीमों ने 23 दिन रेकी के बाद उसे पकड़ा है।

फजलगंज थाना प्रभारी धनंजय पांडेय ने बताया कि साल 1984 में फजलगंज थानाक्षेत्र में रहने वाले अशोक सोनी ने 40 हजार लूटने और हत्या का प्रयास करने का मुकदमा दर्ज कराया था। मामले में पुलिस ने काकादेव नई बस्ती में रहने वाले राम प्रकाश को जेल भेजा था। वह मूल रूप से कन्नौज के गुरसहायगंज के नौसेरा गांव का रहने वाला था। वह न्यायालय से जमानत पर था। इसके बाद से वह हाजिर नहीं हो रहा था। प्रयागराज हाईकोर्ट ने क्रिमिनल अपील संख्या 984/1986 पर वारंट जारी किया। इसक पुलिस की तीन टीमों ने तलाश शुरू की। टीम ने आरोपित को बरेली के गजनेरा गांव स्थित बर्रा बाबा के आश्रम से गिरफ्तार किया।

फेसबुक अकाउंट से आरोपित तक पहुंची पुलिस

पुलिस ने बताया कि टीम आरोपी के कन्नौज स्थित गांव पहुंची। पूछताछ में पता चला कि वह साधु बन गया है। शाहजहांपुर या बरेली में किसी आश्रम में रहता है। इस बीच आरोपित के आश्रम का एक फेसबुक अकाउंट मिला। इस पर आश्रम का पता और फोटो लगा था। इसी आधार पर पुलिस ने उसे पकड़ लिया।

आग लगाकर जिंदा जलाने की कोशिश करने वाला गिरफ्तार

उधर, बांदा जिले में पुलिस ने एक युवक के ऊपर पेट्रोल डालकर आग लगाकर जिंदा जलाकर की कोशिश करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर रविवार को जेल भेज दिया। पुलिस क्षेत्राधिकारी अतर्रा अमरनाथ गुप्त ने बताया कि अतर्रा थाना क्षेत्र के चमरिया कुशल गांव निवासी उमेश और नरैनी थाना क्षेत्र की बाबूपुर गांव निवासी राम प्रकाश दोनों पहले परिचित ट्रक चालक था।

बीते 21 सितंबर को उमेश ने राम प्रकाश को अपने गांव चमरिया कुशल के घर पर बुलाया और अज्ञात विवाद के चलते उमेश ने जान से मारने की कोशिश कर राम प्रकाश के ऊपर पेट्रोल डाल दिया और आग लगा दी। घटना में राम प्रकाश आग से बुरी तरह से झुलस गया जिसे गंभीर हाल में उपचार हेतु भेजा गया। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना पर पुलिस ने मुकदमा पंजीकृत कर विस्तृत जांच की और मेडिकल रिपोर्ट सहित विस्तृत जांच में मिले साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने पेट्रोल डालकर आग लगा कर जान लेवा हमले के आरोप में उमेश को गिरफ्तार कर आज जेल भेज दिया।

कोडीन कफ सिरप माफिया शुभम की पत्नी वैशाली पर अब शिकंजा, गिरफ्तारी वारंट जारी

कोडीन कफ सिरप मामले के मास्टरमाइंड शुभम जायसवाल के परिवार पर शिकंजा और कस रहा है। अब उसकी पत्नी वैशाली की गिरफ्तारी की तैयारी है। कोर्ट ने वैशाली के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। शुभम अब भी दुबई में ही है।

एजेंसी

नई दिल्ली। कोडीनयुक्त कफ सिरप की तस्करी के सरगना शुभम जायसवाल की पत्नी वैशाली पुर्नवासी पर कोर्ट का शिकंजा कसना शुरू हो गया है। कोर्ट से गिरफ्तारी का वारंट जारी किया गया है। एक माह के भीतर आरोपी वैशाली गिरफ्तार या पेश नहीं होती है तो उसके खिलाफ कुर्की की कार्यवाही शुरू होगी। वहीं, शुभम को अनुभव प्रमाण पत्र जारी करने वाले विकास सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। विकास सिंह शुभम का ही पड़ोसी है। विकास की पत्नी को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।

कफ सिरप तस्करी में वाराणसी के कोतवाली थाने में कायस्थ टोला (प्रह्लाद घाट) निवासी सरगना शुभम जायसवाल, उसके पिता भोला प्रसाद के साथ ही शुभम की पत्नी वैशाली को भी आरोपी बनाया गया है। शुभम ने तस्करी की कमाई से वैशाली के नाम से संपत्ति बनाई। रामकटोरा स्थित मकान वैशाली के नाम से है। वैशाली भी बीते साल नवंबर में ही फरार चल रही है। अब अपर सत्र न्यायाधीश (एफटीसी-14) की कोर्ट से उसके खिलाफ वारंट जारी किया गया है। कोतवाली इंस्पेक्टर दयाशंकर सिंह ने बताया कि एक माह में गिरफ्तारी नहीं होने पर कुर्की की कार्यवाही के लिए कोर्ट में प्रार्थना-पत्र दिया जाएगा।

विकास ने शुभम को जारी किया था अनुभव प्रमाण पत्र

कोडीनयुक्त कफ सिरप की तस्करी के सरगना और प्रह्लाद घाट (आदमपुर) कायस्थ टोला निवासी भगोड़े शुभम जायसवाल को फर्जी अनुभव प्रमाणपत्र जारी करने वाले विकास सिंह को रोहनिया पुलिस ने रविवार को गिरफ्तार कर लिया। विकास ने अपनी दवा के फर्म से शुभम को दो साल का फर्जी अनुभव प्रमाणपत्र जारी किया था। इंस्पेक्टर रोहनिया राजू सिंह ने बताया कि आरोपी विकास सिंह, शुभम जायसवाल का पड़ोसी है। शुभम जायसवाल की रांची में शैली ट्रेडर्स फर्म थी। वहां का ड्रग विभाग भी जांच कर रहा है। वहां की जांच में पता चला कि शुभम को सिरप सप्लाई का कारोबार करने के लिए विकास सिंह ने ही फर्जी अनुभव प्रमाणपत्र जारी किया था जबकि शुभम ने विकास की दुकान पर कभी काम नहीं किया। इस आधार पर रोहनिया पुलिस ने विकास सिंह को गिरफ्तार किया है।

विकास पर कूटरचित दस्तावेज, धोखाधड़ी के अलावा एनडीपीएस एक्ट में भी केस दर्ज है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उप निरीक्षक पवन कुमार, भरत चौधरी, मुकेश पाल, दिनेश कुमार त्रिपाठी, विवेक कुमार यादव, मान्सी देवी, हेड कांस्टेबल चन्द्रभान यादव, रमाशंकर यादव आदि शामिल थे।

राजस्थान में दिन में तपिश, रात में गुलाबी ठंडक: पिलानी 41°C; पूरे हफ्ते कैसा रहेगा मौसम

एजेंसी

राजस्थान। राजस्थान में मानसून की विदाई के बाद मौसम ने एक बार फिर करवट ली है। दिन में तेज धूप और गर्म हवाओं ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है, वहीं रात के तापमान में गिरावट से कई इलाकों में गुलाबी ठंडक महसूस होने लगी है। रविवार को प्रदेश में सबसे अधिक तापमान पिलानी (झुंझुनूं) में 41 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जैसलमेर, चूरू और श्रीगंगानगर समेत पश्चिमी राजस्थान के कई जिलों में तापमान सामान्य से करीब 3 डिग्री तक ज्यादा रहा।

पश्चिमी राजस्थान में दिन के समय तेज गर्मी

रविवार को श्रीगंगानगर में अधिकतम तापमान 40.6 डिग्री, चूरू में 40.2, बीकानेर में 40.1, जैसलमेर में 39.7 और बाड़मेर में 39.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। जोधपुर में पारा 38.7 डिग्री, टोंक में 38.6, चित्तौड़गढ़ और अलवर में 38.2 तथा फलोदी में 38 डिग्री सेल्सियस रहा।

पश्चिमी राजस्थान के जिन जिलों में दिन का तापमान 38 डिग्री या उससे अधिक रहा, वहां गर्म हवा का असर भी देखने को मिला। तेज धूप के कारण दोपहर के समय सड़कों और खुले इलाकों में गर्मी काफी महसूस हुई।

पाकिस्तान सीमा के पास एंटी साइक्लोन का असर

मौसम विशेषज्ञों के अनुसार राजस्थान और पाकिस्तान की सीमा के आसपास एंटी साइक्लोनिक सर्कुलेशन बनने का असर प्रदेश के मौसम पर पड़ रहा है। इसके चलते सतही स्तर पर करीब 20 से 30

किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गर्म हवाएं चल रही हैं। यही वजह है कि मानसून की विदाई के बाद भी पश्चिमी राजस्थान में दिन का तापमान सामान्य से ऊपर बना हुआ है।

पूर्वी राजस्थान में भी सामान्य से ऊपर पारा

गर्मी का असर केवल पश्चिमी जिलों तक सीमित नहीं है। अलवर, टोंक, जयपुर, सीकर और करौली समेत पूर्वी राजस्थान के कई जिलों में भी तापमान सामान्य से ऊपर दर्ज किया गया। हालांकि इन इलाकों में पश्चिमी राजस्थान जैसी गर्म हवाओं का असर हर जगह नहीं है।

मौसम विभाग के मुताबिक आने वाले दिनों में भी प्रदेश में फिलहाल बारिश के आसार नहीं हैं। ऐसे में दिन में तेज धूप और गर्मी का दौर जारी रहने की संभावना है।

दिन में गर्मी, रात में गुलाबी ठंडक

राजस्थान में मौसम का एक अलग रंग भी देखने को मिल रहा है। जहां दिन में तापमान 38 से 41 डिग्री तक पहुंच रहा है, वहीं कई शहरों में रात का तापमान 20 डिग्री या इससे नीचे आ गया है।

उदयपुर, सिरोही, प्रतापगढ़, डूंगरपुर, पाली, टोंक और भीलवाड़ा समेत कई इलाकों में रात के समय ठंडक बढ़ी है। रविवार को प्रदेश में सबसे कम न्यूनतम तापमान माउंट आबू में 14.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। यहां देर शाम से सुबह तक गुलाबी सर्दी का एहसास होने लगा है।

इस हफ्ते कैसा रहेगा मौसम?

मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के अनुसार प्रदेश में आज से अगले करीब एक सप्ताह तक मौसम मुख्य रूप से ड्राई रहने की संभावना है। आसमान साफ रहेगा और अधिकांश इलाकों में धूप निकलेगी। हालांकि तापमान में फिलहाल कोई बड़ा बदलाव होने की संभावना नहीं है।

बंगाल से लड़कियां बुलाकर होटल में चल रहा था सेक्स रैकेट, रांची के होटल से 12 गिरफ्तार

झारखंड के रांची में पुलिस को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। यहां के होटल में बंगाल से लड़कियां बुलाकर सेक्स रैकेट चलाया जा रहा था। पुलिस ने होटल में छापा मारकर 12 लोगों को गिरफ्तार किया है।

एजेंसी

रांची। कचहरी रोड के एक होटल में चल रहे देह व्यापार के काले कारोबार का रांची पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। शनिवार देर रात की गई छापेमारी में पुलिस ने होटल से 3 युवतियों और 9 युवकों समेत कुल 12 लोगों को आपत्तिजनक स्थिति में गिरफ्तार किया। पकड़ी गई लड़कियां पश्चिम बंगाल की हैं। प्राथमिक पूछताछ में खुलासा हुआ है कि होटल मालिक और मैनेजर लड़कियों को बाहर से लाकर उनसे जबरन देह व्यापार करवा रहे थे। एसएसपी राकेश रंजन के निर्देश पर पुलिस ने लालपुर व कोतवाली थाना क्षेत्रों के आधा दर्जन से अधिक होटलों व बार में औचक जांच की। इसी बीच कचहरी रोड के एक होटल में संदिग्ध गतिविधियों की सूचना

मिली। जांच के दौरान होटल के कमरों से आरोपी रंगे हाथ पकड़े गए। होटल मालिक की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।

सेक्स रैकेट के नेटवर्क खंगाल रही पुलिस

रांची पुलिस की टीम होटल तक आने वाले युवतियों के नेटवर्क का पता लगा रही है। पुलिस को जांच में यह पता लगा है कि युवतियों को खाने-पीने व रहने के साथ अलग से राशि भी दी जाती है। होटल मालिक ही युवतियों को पश्चिम बंगाल से रांची लाकर उनसे देह व्यापार कराता है।

व्हाट्सएप पर रेट तय कर बुलाया जाता था होटल

पूछताछ में पुलिस को यह भी जानकारी मिली है कि होटल मालिक व मैनेजर ग्राहकों को खुद व्हाट्सऐप पर युवतियों का फोटो भेजते थे। पुलिस के अनुसार होटल मैनेजर व्हाट्सऐप पर फोटो भेजकर ग्राहकों से सौदा किया करता था। बाद में उन्हें होटल का पता भेजा जाता था। पैसे लेने के बाद ग्राहकों को लड़कियां मुहैया कराई जाती हैं।

राजधानी के कई और होटल-बार भी रडार पर

कचहरी रोड स्थित होटल के खिलाफ हुई कार्रवाई के साथ पुलिस ने शहर के दूसरे होटलों और बार को भी जांच के दायरे में ले लिया है।

खुद एमटेक और पत्नी लंदन में करती है जॉब, फर्जी आधार से बांग्लादेशियों को पासपोर्ट देता है एजाज; पटना से धराया

एजेंसी

बिहार। बिहार में फर्जी आधार के जरिए विदेशी पासपोर्ट बनाने वाले नेटवर्क का मास्टरमाइंड अरेस्ट हुआ है। फर्जी तरीके से आधार कार्ड बनाने और बांग्लादेशी नागरिक का पासपोर्ट निर्गत कराने के मास्टरमाइंड मो. एजाज कमर को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। एजाज मूल रूप से आरा का रहने वाला है, लेकिन दशकों पूर्व इसका परिवार पंजाब के चंडीगढ़ में पलटाना इलाके में शिफ्ट हो चुका है।

एजाज एमटेक है। इसकी पत्नी लंदन में जॉब करती है। परिवार में कई लोग अमेरिका में रह रहे हैं। मुजफ्फरपुर पुलिस ने एजाज को पटना से गिरफ्तार किया है। रविवार को उसे न्यायालय में पेशकर जेल भेजा गया। मामले में यह चौथी गिरफ्तारी है। सिटी एसपी मो. मोहिबुल्लाह अंसारी ने बताया कि सरकारी स्तर पर बैंकों में संचालित आधार सेंटर के लिए मशीन व मैन पॉवर उपलब्ध कराने के लिए एजाज वेंडरशिप लिए हुए है। 11 राज्यों में इसका आधार सेंटर चल रहा है। बिहार में 13 जिलों में कई बैंकों में आधार सेंटर चलवा रहा है। यह इन सेंटरों में दी गई यूआईडीएआई मशीन और कर्मियों का लॉगिन पासवर्ड फर्जी आधार सेंटर पर भेजता था। इसके लिए हर माह प्रति मशीन के हिसाब से 30 हजार रुपये लेता था।

मुजफ्फरपुर में बीते दो साल से इसकी मशीन का इस्तेमाल कन्हाई कम्युनिकेशन सेंटर और आरडीएस कॉलेज के निकट ओम कम्युनिकेशन सेंटर में हो रहा था। कन्हाई कम्युनिकेशन सेंटर में इसकी मशीन से बांग्लादेशी बेलाल होसेन का आधार मो. आफताब के नाम से बनाया गया।

पटना-मुजफ्फरपुर रैपिड रेल की आस बढ़ी, तीन बड़े औद्योगिक क्षेत्र जुड़ेंगे; 1 घंटे में तय होगी दूरी

पटना-मुजफ्फरपुर रैपिड रेल को लेकर आस बढ़ गई है। इस ट्रेन के लिए पूरी तरह से अलग और समर्पित एलिवेटेड या अंडरग्राउंड कॉरिडोर बनाया जाएगा। इस कॉरिडोर के बनने से पटना, हाजीपुर और मुजफ्फरपुर के बीच आवागमन और आसान होगा।

एजेंसी

मुजफ्फरपुर। पटना से मुजफ्फरपुर के बीच सफर को तेज और सुगम बनाने की दिशा में काम शुरू हो गया है। दोनों शहरों के बीच हाजीपुर के रास्ते क्षेत्रीय रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) के लिए अध्ययन शुरू हो चुका है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) इसके लिए वैकल्पिक विश्लेषण रिपोर्ट और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करेगी। रैपिड रेल कॉरिडोर के शुरू होने से पटना- मुजफ्फरपुर की दूरी एक घंटे में तय होगी। दैनिक यात्रियों, नौकरीपेशा लोगों और छात्रों को ज्यादा सुविधा होगी। आरआरटीएस दिल्ली-एनसीआर में संचालित क्षेत्रीय रैपिड ट्रांजिट व्यवस्था की तर्ज पर विकसित किया जाएगा। यह मेट्रो से अलग व्यवस्था होगी। इसका उद्देश्य लंबी दूरी के यात्रियों को कम समय में एक शहर से दूसरे शहर तक पहुंचाना है।

आकलन के बाद स्टेशन तय होंगे

यह आकलन किया जाएगा कि पटना, हाजीपुर और मुजफ्फरपुर के बीच रोजाना कितने लोग सफर करते हैं। किन इलाकों से सबसे अधिक यात्री मिल सकते हैं। इसी आधार पर संभावित रूट और स्टेशन तय होंगे। जमीन की उपलब्धता, निर्माण की लागत, तकनीकी विकल्प व यातायात दबाव का भी इसी क्रम में अध्ययन होगा। रैपिड रेल के स्टेशनों को पटना मेट्रो, रेलवे स्टेशनों, बस टर्मिनल और दूसरे सार्वजनिक परिवहन साधनों से जोड़ने की संभावना भी देखी जाएगी।

इसका उद्देश्य ऐसा परिवहन नेटवर्क तैयार करना है, जिसमें यात्री एक साधन से दूसरे साधन पर आसानी से जा सकें। इस ट्रेन के लिए पूरी तरह से अलग और समर्पित एलिवेटेड या अंडरग्राउंड कॉरिडोर बनाया जाएगा। बता दें कि पटना से मुजफ्फरपुर जाने में अभी दो घंटे लगते हैं। लेकिन प्रोजेक्ट पूरा होने से अभी आधे समय में दूरी तय की जाएगी।

फायदा क्या: तीन बड़े औद्योगिक हब जुड़ेंगे

✦कॉरिडोर बनने से पटना, हाजीपुर और मुजफ्फरपुर के बीच आवागमन और आसान होगा।

✦ इन तीनों क्षेत्रों के प्रमुख औद्योगिक इलाकों को भी बेहतर परिवहन सुविधा मिल सकेगी।

✦प्रस्तावित सोनपुर एयरपोर्ट तक पहुंच के विकल्प का अध्ययन होगा, यह मेट्रो से अलग सुविधा होगी

कॉरिडोर से जुड़ेंगे चार शहर

मई 2024 में प्रदेश सरकार ने आरआरटीएस को मंजूरी दी गई थी। इसके तहत पटना से मुजफ्फरपुर, गया और भागलपुर की कनेक्टिविटी बढ़ाई जा रही है। छोटे शहरों को भी जोड़ा जाना है। इसी के लिए अध्ययन शुरू किया गया है। रैपिड रेल 130 से 160 किमी/घंटे की रफ्तार से दौड़ेगी। दैनिक यात्रियों, नौकरीपेशा लोगों और छात्रों को ज्यादा सुविधा होगी। बता दें कि एएआर और डीपीआर पर 31.59 करोड़ खर्च का अनुमान है।

प्रेमानंद के आश्रम से गायब हुआ मयंक प्रयागराज में मिला, पिता बोले- साधु का वेश बना रखा था

एजेंसी

वृंदावन। संत प्रेमानंद महाराज के आश्रम राधा केलि कुंज आश्रम के बाहर अपने गायब बच्चों की तलाश में प्रदर्शन करने वाले दो परिवारों को उनके घर के चिराग सकुशल वापस मिल गए हैं। हाथरस के सादाबाद के अनुज चौधरी के बाद पुलिस ने कासगंज के मयंक चौहान को भी सकुशल बरामद कर लिया है। मयंक की बरामदगी प्रयागराज के दारागंज इलाके से होने का दावा किया गया है। मयंक के परिजन उसे लेने के लिए प्रयागराज रवाना हो गए हैं, जबकि अनुज को सादाबाद पुलिस द्वारा सोमवार को न्यायालय में पेश करेगी। सादाबाद के अनुज चौधरी की बरामदगी जहां हाथरस पुलिस ने मथुरा पुलिस के सहयोग से बरसाना के लाड़ली दास आश्रम से की है। वहीं देर रात प्रयागराज पुलिस ने कासगंज के मयंक चौहान को सकुशल बरामद कर उसके रिश्तेदारों को सौंप दिया है।

कासगंज का मयंक प्रयागराज में मिला

इस मामले में मयंक के पिता चंद्रपाल सिंह ने फोन पर बताया कि देर रात डेढ़ बजे उन्हें प्रयागराज के दारागंज थाने से फोन आया कि उनका बेटा मयंक उनकी कस्टडी में है। जिसे उन्होंने न्यूज चैनल की खबर में देखकर पहचाना है। इसके बाद उन्होंने अपने बेटे से वीडियो कॉल पर बात कर तस्दीक किया। पिता चंद्रपाल के अनुसार मयंक ने सफेद रंग का साधु वेश धारण किया हुआ है। माथे पर मिट्टी का लेपन और गले में राधा नाम की कंठी थी।

बरसाने से अनुज चौधरी की बरामदगी हुई

अपने बेटे को पहचान कर उन्होंने उसके मामा को सूचित किया जो प्रयागराज के नैनी क्षेत्र में रहते हैं। उन्होंने मयंक को दारागंज पुलिस से अपनी सुपुर्दगी में

ले लिया है। इसी तरह कल रात बरसाने से बरामद हुए अनुज चौधरी के पिता ने बताया कि सादाबाद पुलिस उसे अपने साथ ले गई है। उनका बेटा अभी तक उनकी सुपुर्दगी में नहीं दिया गया है। अनुज चौधरी को हाथरस पुलिस ने बरसाना के एक आश्रम से सकुशल बरामद किया था।

वृंदावन से गायब हुआ था अनुज

आपको बता दें कि सादाबाद के गांव बरामई खेड़ा के रहने वाले राजवीर चौधरी का बेटा अनुज (17) तीन जुलाई को वृंदावन के लिए निकला था। 26 जून को संत प्रेमानंद से दीक्षा लेने के बाद वो घर लौट गया था। तीन जुलाई को फिर वृंदावन आ गया। तब से अनुज के परिजन उसे तलाश रहे थे। शुक्रवार को अनुज के परिजनों संग बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने प्रेमानंद के राधा केलि कुंज आश्रम के बाहर धरना दिया था।

परिजनों ने आश्रम के बाहर धरना दिया

करीब आठ घंटे बाद रात आठ बजे पुलिस के आश्वासन के बाद धरना खत्म किया था। शनिवार अनुज की सकुशल बरामदगी की खबर सामने आ गई। अनुज के परिजनों के अनुसार सादाबाद पुलिस ने अनुज को बरसाना के एक आश्रम से बरामद किया है। हालांकि पुलिस द्वारा इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। सादाबाद इंस्पेक्टर विजय सिंह ने बताया कि किशोर को बरसाना से सकुशल बरामद कर लिया है।

संत प्रेमानंद महाराज के राधा केलि कुंज आश्रम के बाहर बच्चों की तलाश में प्रदर्शन करने वाले दोनों परिवारों को राहत मिली है। हाथरस के अनुज चौधरी को बरसाना और कासगंज के मयंक चौहान को प्रयागराज के दारागंज से सकुशल बरामद किया गया। मयंक को रिश्तेदार ले गए, जबकि अनुज को पुलिस सोमवार को कोर्ट में पेश करेगी।

एलए 2028 ओलंपिक का टिकट मिलने पर बोले मनप्रीत सिंह

अब अपनी कमजोरियों पर काम करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय हॉकी टीम के अनुभवी मिडफील्डर मनप्रीत सिंह ने कहा है कि एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीतकर लॉस एंजेलिस ओलंपिक 2028 के लिए सीधे क्वालीफाई करना टीम के लिए बेहद अहम है। भारत ने शनिवार को फाइनल में मलेशिया को 5-1 से हराकर लगातार दूसरी बार एशियन गेम्स पुरुष हॉकी का गोल्ड मेडल जीता। इस जीत के साथ भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने एलए 2028 ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई कर लिया है। अब टीम को ओलंपिक क्वालीफायर में खेलने की जरूरत नहीं होगी, जिससे खिलाड़ियों और टीम मैनेजमेंट को तैयारी के लिए अतिरिक्त समय मिलेगा।

मनप्रीत सिंह बोले- अब अपनी कमजोरियों पर काम कर सकते हैं

मनप्रीत सिंह ने कहा कि सीधे ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने का सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि टीम को क्वालीफायर की तैयारी में समय नहीं लगाना पड़ेगा। इस दौरान भारत अपनी कमियों पर काम करते हुए लॉस एंजेलिस ओलंपिक के लिए बेहतर तैयारी कर सकता है। मनप्रीत ने कहा, एशियन गेम्स हमारे लिए एक महत्वपूर्ण टूर्नामेंट था। हमने एलए ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई कर लिया है। इसलिए हमें क्वालीफायर राउंड नहीं खेलना पड़ेगा और हम खुद पर काम कर सकते हैं और जिन चीजों पर काम करने की जरूरत है, उन पर ध्यान दे सकते हैं। कुल मिलाकर एशियन गेम्स में हमारा प्रदर्शन बहुत अच्छा रहा।

मनप्रीत ने रचा खास रिकॉर्ड – मलेशिया के खिलाफ गोल्ड जीतने के साथ मनप्रीत सिंह ने भी भारतीय हॉकी में एक खास उपलब्धि हासिल की। वह तीन एशियन गेम्स गोल्ड मेडल जीतने वाले इकलौते भारतीय हॉकी खिलाड़ी बन गए हैं। अनुभवी मिडफील्डर के लिए यह उपलब्धि इसलिए भी खास है क्योंकि वह लंबे समय से भारतीय हॉकी टीम के अहम सदस्य रहे हैं। एशियन गेम्स में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के साथ उनका अनुभव टीम को बड़े टूर्नामेंटों में काफी मदद देता रहा है।

वर्ल्ड कप की खराब याद के बाद मिला बड़ा बूस्ट – एशियन गेम्स गोल्ड और ओलंपिक टिकट भारत के लिए इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि हाल ही में टीम का वर्ल्ड कप अभियान उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा था। अगस्त में हुए वर्ल्ड कप में भारतीय पुरुष टीम आठवें स्थान पर रही थी और सेमीफाइनल में जगह बनाने में नाकाम रही थी। ऐसे में एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीतना भारतीय टीम के लिए बड़ा मनोबल बढ़ाने वाला परिणाम है। इस जीत से टीम को आगे की तैयारियों के लिए नई ऊर्जा मिलेगी।

2024 पेरिस ओलंपिक के लिए भी एशियन गेम्स से मिला था टिकट

भारत ने पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए भी एशियन गेम्स के जरिए सीधे क्वालीफाई किया था। 2023 में हांगझोउ एशियन गेम्स में पुरुष हॉकी टीम ने गोल्ड मेडल जीता था, जिसके बाद उसे पेरिस ओलंपिक का सीधा टिकट मिला था। उस समय भी भारत को ओलंपिक से पहले तैयारी के लिए अच्छा समय मिला था। भारतीय टीम ने पेरिस ओलंपिक में इस मौके का फायदा उठाया और लगातार दूसरी बार ओलंपिक में ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। इससे पहले भारत ने टोक्यो ओलंपिक 2021 में भी हॉकी में तीसरे स्थान पर रहते हुए ब्रॉन्ज जीता था।

संक्षिप्त समाचार

वर्ल्ड कप 2027

रोहित शर्मा से लेकर मिचेल स्टार्क तक, इन 5 दिग्गजों का होगा आखिरी वर्ल्ड कप

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप 2027 क्रिकेट के एक सुनहरे दौर के अंत का गवाह बन सकता है। दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में होने वाले इस टूर्नामेंट में कई दिग्गज आखिरी बार विश्व कप खेलते नजर आ सकते हैं। भारत के विराट कोहली और रोहित शर्मा समेत कुल पांच बड़े नाम इस सूची में शामिल हैं।

विराट कोहली की आखिरी विश्व कप दहाड़ – विराट कोहली के लिए 2027 वर्ल्ड कप वनडे क्रिकेट का आखिरी बड़ा मंच माना जा रहा है। कोहली ने अब तक 317 वनडे में 15,109 रन बनाए हैं और उनके नाम 55 शतक हैं। 2023 वर्ल्ड कप में 765 रन बनाकर उन्होंने एक टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड भी कायम किया था।

मिचेल स्टार्क की नजर ऐतिहासिक रिकॉर्ड पर – ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क भी 2027 में अपना आखिरी वनडे वर्ल्ड कप खेल सकते हैं। स्टार्क ने विश्व कप में 28 पारियों में 65 विकेट झटके हैं और इस सूची में वह ग्लेन मैक्ग्रा व मुथैया मुरलीधरन के बाद तीसरे स्थान पर हैं। 2027 में उनके पास वर्ल्ड कप इतिहास का सबसे सफल गेंदबाज बनने का मौका भी होगा।

रोहित शर्मा भी आखिरी बार दिखेंगे?

रोहित शर्मा के लिए भी 2027 का वर्ल्ड कप एक भावुक विदाई का मंच बन सकता है। रोहित ने 291 वनडे में 12,120 रन बनाए हैं और उनके नाम सात वर्ल्ड कप शतक हैं, जो विश्व कप इतिहास में सबसे ज्यादा हैं। तीन दोहरे शतक लगाने वाले रोहित के लिए घरेलू युवाओं की बढ़ती चुनौती के बीच यह उनका आखिरी विश्व कप अभियान हो सकता है।

जापान ओपन

कार्लोस अल्काराज ने फाइनल में बनाई जगह

टोक्यो (एजेंसी)। डिफेंडिंग चैंपियन कार्लोस अल्काराज ने जापान ओपन के फाइनल में जगह बना ली है। टोक्यो में खेले गए सेमीफाइनल में दुनिया के नंबर-3 खिलाड़ी ने स्पेन के ही जाउमे मुनार को 5-7, 6-3, 6-1 से हराया।

पहले सेट में मुनार का पलड़ा भारी

मुनार ने मुकाबले की शुरुआत में शानदार प्रदर्शन किया और अल्काराज को कड़ी चुनौती दी। अल्काराज ने पहले सेट में कई गलतियां कीं और चार डबल फॉल्ट भी किए, जिसका फायदा उठाते हुए मुनार ने 7-5 से सेट अपने नाम कर लिया।

दूसरे सेट में अल्काराज की वापसी

दूसरे सेट में अल्काराज ने अपने खेल की रफ्तार बढ़ाई और मुनार पर लगातार दबाव बनाया। उन्होंने सटीक फोरहैंड, शानदार वॉली और बेहतरीन ड्रॉप शॉट्स का इस्तेमाल करते हुए तीन बार मुनार की सर्विस तोड़ी और सेट 6-3 से जीत लिया।

निर्णायक सेट में किया दबदबा

तीसरे सेट में अल्काराज ने पूरी तरह मुकाबले पर नियंत्रण हासिल कर लिया। उन्होंने आक्रामक सर्विस और तेज रिटर्न के जरिए मुनार को बेसलाइन के पीछे रखा और 6-1 से सेट जीतकर मैच अपने नाम कर लिया।

2 घंटे 31 मिनट चला मुकाबला

अल्काराज और मुनार के बीच यह रोमांचक सेमीफाइनल मुकाबला 2 घंटे 31 मिनट तक चला। अल्काराज ने बड़े सर्व और आक्रामक रिटर्न के साथ-साथ शानदार ड्रॉप शॉट्स से एरिएके कोलोसियम में मौजूद दर्शकों का भी मनोरंजन किया।

फाइनल में चेक गणराज्य के जिरी लेहेका या मोनाको के वैलेंटिन वाशरो से होगा सामना

अब फाइनल में अल्काराज का सामना चेक गणराज्य के जिरी लेहेका या मोनाको के वैलेंटिन वाशरो से होगा। दोनों खिलाड़ियों के बीच दूसरा सेमीफाइनल सोमवार को खेला जाना है। अल्काराज की नजर लगातार दूसरी बार जापान ओपन का खिताब जीतने पर होगी।

हांगकांग सिक्सेस 2026

भुवनेश्वर कुमार की कप्तानी में उतरेगी टीम इंडिया

● स्टार खिलाड़ियों को मिला टीम में मौका

नई दिल्ली (एजेंसी)। हांगकांग सिक्सेस 2026 के लिए भारत ने अपनी मजबूत टीम का ऐलान कर दिया है। अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को टीम की कमान सौंपी गई है, जबकि क्रुणाल पंड्या भी टीम का हिस्सा हैं। टीम में कई आईपीएल के अनुभवी खिलाड़ी शामिल हैं, जिससे भारत इस बार टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करेगा।

इन 7 खिलाड़ियों को मिली जगह

भारत की टीम में भुवनेश्वर कुमार, क्रुणाल पंड्या, शशांक सिंह, राहुल तेवतिया, नितीश राणा, राहुल त्रिपाठी और टी नटराजन शामिल हैं। राहुल त्रिपाठी इस टीम में इकलौते ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्हें आईपीएल 2026 में एक भी मुकाबला खेलने का मौका नहीं मिला। बाकी खिलाड़ियों के पास आईपीएल का अच्छा अनुभव है और कई खिलाड़ी अपनी-अपनी टीमों के अहम सदस्य रहे हैं।

पाकिस्तान और यूएई से होगी टक्कर

हांगकांग सिक्सेस 2026 का आयोजन 30 अक्टूबर से 1 नवंबर तक किया जाएगा। छह खिलाड़ियों वाली इस टीम प्रारूप की प्रतियोगिता में भारत को ग्रुप-सी में पाकिस्तान और यूएई के साथ रखा गया है। पाकिस्तान मौजूदा चैंपियन है और उसने पिछले संस्करण के फाइनल में कुवैत को 43 रन से हराकर खिताब जीता था।

- **पिछले दो संस्करण में भारत का प्रदर्शन खराब** – भारत ने 2017 में हांगकांग सिक्सेस में हिस्सा नहीं लिया था, जबकि 2024 में रॉबिन उथप्पा की कप्तानी वाली टीम ने टूर्नामेंट में वापसी की। भारत उस संस्करण में ग्रुप स्टेज के अपने चारों मुकाबले हारकर बाहर हो गया था। 2025 में दिनेश कार्तिक की कप्तानी में टीम ने शुरुआत जीत से की, लेकिन बाद में कुवैत, यूएई और नेपाल से हारकर फिर से सेमीफाइनल में जगह नहीं बना सकी।
- **लंबे समय बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी का मौका** – भुवनेश्वर कुमार ने भारत के लिए आखिरी अंतरराष्ट्रीय मुकाबला नवंबर 2022 में न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 में खेला था। क्रुणाल पंड्या और नितीश राणा ने जुलाई 2021 के बाद भारत के लिए लिमिटेड ओवर्स क्रिकेट नहीं खेला है, जबकि टी नटराजन की आखिरी अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति मार्च 2021 में हुई थी।

ईरानी कप 2026

मुकेश-आकाश की घातक गेंदबाजी से रेस्ट आफ इंडिया चैंपियन, फाइनल में जम्मू-कश्मीर को हराया

श्रीनगर (एजेंसी)। ऋषभ पंत की कप्तानी वाली रेस्ट आफ इंडिया ने ईरानी कप 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया है। श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर स्टेडियम में टीम ने रणजी ट्रॉफी चैंपियन जम्मू-कश्मीर को 167 रन से हराया। 279 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए जेके की पूरी टीम महज 111 रन पर सिमट गई।

- **पहली पारी में जम्मूकश्मीर ने बनाई बढ़त** – मुकाबले में जम्मू-कश्मीर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया और रेस्ट आफ इंडिया को 237 रन पर रोक दिया। इसके बाद जेके ने अपनी पहली पारी में 278 रन बनाए और 41 रन की अहम बढ़त हासिल की।
- **स्मरण रविचंद्रन ने पलटा मैच** – 41 रन से पिछड़ने के बाद रेस्ट आफ इंडिया ने दूसरी पारी में शानदार वापसी की। ओपनर सनत सांगवान ने 55 रन बनाए, जबकि स्मरण रविचंद्रन ने 153 गेंदों पर 135 रन की शानदार पारी खेली। रेस्ट आफ इंडिया ने दूसरी पारी में 319 रन बनाकर जम्मू-कश्मीर के सामने 279 रन का लक्ष्य रखा।

मुकेश कुमार ने मचाई तबाही

लक्ष्य का पीछा करते हुए जम्मू-कश्मीर एक समय 89/3 के स्कोर पर मजबूत स्थिति में नजर आ रहा था। इसके बाद मुकेश कुमार ने घातक गेंदबाजी करते हुए 6 विकेट झटक लिए और जेके की बल्लेबाजी को तहस-नहस कर दिया। मुकेश ने 8.4 ओवर में 33 रन देकर 6 विकेट लिए, जिससे जम्मू-कश्मीर की पारी 111 रन पर खत्म हो गई।

आकाश दीप का भी दमदार प्रदर्शन

आकाश दीप ने भी दोनों पारियों में शानदार गेंदबाजी कर रेस्ट आफ इंडिया की जीत में अहम योगदान दिया। उन्होंने पहली पारी में 3 विकेट लेने के बाद दूसरी पारी में 3/25 का शानदार स्पेल किया। वहीं मुकेश चौधरी ने पहली पारी में 5 विकेट लेकर छ्व×द्म को बड़ी बढ़त लेने से रोक दिया।

सूर्यकुमार यादव रणजी ट्रॉफी में लौटेंगे

मुंबई के लिए 11 अक्टूबर से खेल सकते हैं, शार्दूल ठाकुर चोट के कारण शुरुआती मैचों से बाहर

मुंबई (एजेंसी)। पूर्व भारतीय टी-20 कप्तान सूर्यकुमार यादव 2026-27 रणजी ट्रॉफी में मुंबई के लिए खेलने के लिए उपलब्ध हैं। वे मुंबई के पहले एलीट ग्रुप ष्ठ मैच में चंडीगढ़ के खिलाफ खेल सकते हैं। मुंबई और चंडीगढ़ के बीच यह मुकाबला 11 अक्टूबर से मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में होगा। सूर्यकुमार ने आखिरी प्रतिस्पर्धी मैच आईपीएल 2026 में खेला था। वहीं, पूर्व मुंबई कप्तान शार्दूल ठाकुर हाथ की चोट के कारण शुरुआती कुछ मैचों में नहीं खेल पाएंगे। उनकी गैरमौजूदगी में तुषार देशपांडे मुंबई के तेज गेंदबाजी अटैक की अगुआई करेंगे।

पिछले साल खेला था आखिरी रणजी मैच

- सूर्यकुमार ने फरवरी 2025 में नागपुर में विदर्भ के खिलाफ मुंबई के लिए आखिरी रणजी मैच खेला था। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, उन्होंने घरेलू रेड-बॉल टूर्नामेंट के लिए अपनी उपलब्धता की पुष्टि कर दी है।
- मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन के एक सूत्र ने टाइम्स ऑफ इंडिया से कहा, सूर्या ने एमसीए अध्यक्ष अजिंक्य नाइक को आगामी रणजी ट्रॉफी के लिए अपनी उपलब्धता की पुष्टि की है।
- सूर्यकुमार ने अब तक 86 फर्स्ट-क्लास मैच खेले हैं। उनके नाम 5,758 रन हैं। उन्होंने 144 पारियों में 14 शतक और 30 अर्धशतक लगाए हैं। उनका बल्लेबाजी औसत 42.33 है।

वेस्टइंडीज टीम ने मांगा एक्स्ट्रा नारियल पानी

● इंदौर में 11 अक्टूबर को भारत से टी-20 मुकाबला; डिडाइड्रेशन से बचने शाकाहारी भोजन पर जोर

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के होलकर स्टेडियम में 11 अक्टूबर को भारत और वेस्टइंडीज के बीच होने वाले टी-20 मुकाबले की तैयारियां तेज हो गई हैं। मैच से पहले दोनों टीमों के खिलाड़ियों की डाइट, हाइड्रेशन और रिकवरी का खास ध्यान रखा जा रहा है। इसी बीच वेस्टइंडीज टीम ने इंदौर में नारियल पानी का एक्स्ट्रा स्टॉक रखने की विशेष मांग की है।वेस्टइंडीज टीम के मैनेजर ने मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन से फोन पर एक्स्ट्रा नारियल पानी उपलब्ध रखने का आग्रह किया है। एमपीसीए के सीईओ रोहित पंडित के मुताबिक, खिलाड़ियों के लिए सामान्य तौर पर नारियल पानी की व्यवस्था रहती है, लेकिन इस बार वेस्टइंडीज टीम ने इसकी अतिरिक्त उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा है।

- **बारिश के बाद गर्मी बढ़ी, हाइड्रेशन पर फोकस** – इंदौर में बारिश के बाद अब तापमान बढ़ने के साथ गर्मी और ड्राई हीट का असर दिखाई दे रहा है। ऐसे में मैदान पर लगातार दौड़ने, फील्डिंग और बल्लेबाजी-गेंदबाजी करने वाले खिलाड़ियों के लिए हाइड्रेशन अहम है। टीम प्रबंधन चाहता है कि खिलाड़ियों को जरूरत के समय नारियल पानी आसानी से उपलब्ध हो।
- **वेजेटेरियन मेन्यू पर भी ज्यादा जोर** – दोनों टीमों के खिलाड़ियों की पसंद और जरूरत के अनुसार भोजन की व्यवस्था की जा रही है। डाइट में वेजेटेरियन विकल्प ज्यादा रखे गए हैं। खिलाड़ियों की फिटनेस और मैच के बाद रिकवरी को ध्यान में रखते हुए खान-पान तैयार किया जाएगा।
- **रिकवरी के लिए आइसबाथ टब की व्यवस्था** – मैच और अभ्यास सत्र के बाद खिलाड़ियों की रिकवरी के लिए आइसबाथ टब की व्यवस्था भी की जा रही है। टी-20 में लगातार शारीरिक गतिविधि के चलते खिलाड़ियों पर पड़ने वाले दबाव को देखते हुए रिकवरी सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।
- **टीम इंडिया रेडिसन, वेस्टइंडीज मैरियट में रुकेगी** – भारतीय टीम के लिए रेडिसन होटल और वेस्टइंडीज टीम के लिए मैरियट होटल में ठहरने की व्यवस्था की गई है। दोनों टीमों के इंदौर पहुंचने से पहले होटल, अभ्यास, परिवहन और सुरक्षा से जुड़ी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

रघुबीर यादव ने अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ से जुड़ी बातें की

'पंचायत' के प्रधान जी यानी रघुबीर यादव हुंकार में बाप जी बनकर दिखाई दे रहे हैं और उनकी आने वाली फिल्म है 'ओम का हरि'। इन सबको लेकर वो खूब चर्चे में है। एक्टर ने अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ से जुड़ी कई सारी बातें की हैं।

बीते सालों में रघुबीर यादव हर रंग की भूमिकाओं में खिले हैं और कभी भी उनके काम पर उंगली नहीं उठी। इस पर वे कहते हैं, 'इतने सालों से मैंने खुद को रियाज़ से जोड़े रखा है। मेरा ताल्लुक हमेशा से थिएटर से रहा है। मैं जब भी कोई काम करता हूं, तो सबसे पहले खुद से पूछता हूं कि मुझे इसे करते हुए अच्छा लग रहा है या नहीं। बस यही कोशिश रहती है कि मेरी नीयत, शिद्दत में और मेरी कोशिश में कोई कमी न रह जाए। मगर परफेक्शन कभी हासिल नहीं होता। प्ले और नाटकों में जरूर कुछ 70-75 प्रतिशत तक पहुंच पाया हूं।'

उन्होंने आगे कहा, 'एक प्ले बेरी जॉन के साथ किया था, जब मैं एनएसडी रेपर्टरी में था। 'बेगम का तकिया' और 'मुख्यमंत्री' जैसे नाटक में काम करके संतुष्टि मिली थी। थिएटर में आप लगातार काम करते हुए अपनी परफॉर्मेंस को इंप्रूव कर सकते थे। लेकिन फिल्मों में ऐसा लगता है कि एक बार काम शूट होकर रिलीज हो गया, तो फिर बस छाती पीटते रहो कि यार, थोड़ा और बेहतर हो सकता था।'

भूखे मर जाना, मगर वैसी फिल्म न करना

अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए वे कहते हैं, 'मैंने हर बार कोशिश की है कि अपनी भूमिका को जमा लूं, अपने रोल के साथ न्याय करूं, मगर एक बार ऐसा जरूर हुआ था कि बात बन नहीं पाई थी। मैं सलाम बॉम्बे जैसी कई अच्छी फिल्में कर चुका था। मगर मैं नया-नया आया था और उसी दौरान गुजारे के लिए मैंने एक फिल्म कर ली। उसमें मेरा कोई खास मोह नहीं था। एक बार किसी फंक्शन से लौटते वक्त एक महिला ने मुझे रोककर कहा, 'आपको शर्म नहीं आती किसी को तकलीफ पहुंचाते हुए?' मैं घबरा गया। मैंने सोचा, मैं तो उस महिला को जानता तक नहीं। वो ऐसा क्यों कह रही हैं? मैंने पूछा क्या हुआ? महिला बोलीं, 'आपको वो फिल्म करने की क्या जरूरत थी?' मैंने कहा, 'मैं नया-नया आया हूं, घर चलाने के लिए काम तो करना है।'

उन्होंने कहा, 'आप भूखे मर जाएं, लेकिन इस तरह की फिल्म मत कीजिए।' उनकी बात मेरे दिल में तीर की तरह चुभा गई। मैंने कान पकड़ कर कहा, आज से मैं भूखा मर जाऊंगा, लेकिन ऐसी फिल्म दोबारा नहीं करूंगा।'

रघुबीर की हालिया फिल्म हरी का ओम पिता -पुत्र के बीच जनरेशन गैप के मुद्दे पर आधारित है। असल जिंदगी में रघुबीर भी दो बड़े बेटों (अचल और अबीर) के पिता है। वे कहते हैं, 'हमारा जमाना अलग था। हम किसान के बेटे थे। बात-बात पर पिटते थे। खाना नहीं खाया तो पिटाई, ज्यादा खा लिया तो मार, मगर मैंने अपने दोनों बेटों के साथ कभी मारपीट नहीं की। एक बार डांट जरूर दिया था, मगर उसमें भी उल्टा सुनने के लिए मिल गया। मैंने किसी बात पर अपने बेटे को डांट दिया था, तो कहता है, 'मैं अपने बच्चों के साथ वो नहीं करूंगा, जैसे आपने मेरे साथ किया।' रघुबीर का मानना है कि बच्चों और पैरंट्स के बीच संवाद और खुलापन ही पुल बन सकता है। वे कहते हैं, 'न पिता बेटे से कुछ छुपाए, न बेटा पिता से। मेरा अपने बेटों से ऐसा ही पारदर्शी रिश्ता है। खासकर छोटे बेटे अबीर से। वो मुझे मेरी गलती तक बता देता है। वक्त के साथ मैंने खुद को भी बदलने की कोशिश की है।'

आयुष्मान ने बताया फिल्मों की सफलता का राज

आयुष्मान ने कम बजट में बनी फिल्मों 'हनुमान अंश' और 'ऑब्सेशन' की सफलता पर खुशी जताई है। उनका कहना है कि आज के दौर में ऐसी फिल्मों को ज्यादा बनाया जाना चाहिए, जो कम बजट में बनें और सीधे दर्शकों से जुड़ें। हाल ही में एक सेशन के दौरान आयुष्मान खुराना ने मौजूदा थिएटर बिजनेस पर बात की। अभिनेता ने कहा कि 'हनुमान अंश' और 'ऑब्सेशन' दोनों बिल्कुल अलग तरह की फिल्में हैं, लेकिन दोनों का बजट कम है। आयुष्मान ने कहा, 'हनुमान अंश और ऑब्सेशन दो अलग-अलग दुनिया की फिल्में हैं और कम बजट में बनी हैं। मुझे लगता है कि हमें ऐसी और फिल्में बनानी चाहिए। हमें बजट का ध्यान रखना चाहिए और ज्यादा से ज्यादा लोगों से जुड़ने की कोशिश करनी चाहिए। यह सुनने में आसान लगता है, लेकिन ऐसा करना आसान नहीं है।'

आयुष्मान के मुताबिक, आज दर्शकों के पास अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर कई बड़े कलाकारों और फिल्मों को देखने का मौका है। ऐसे में किसी फिल्म की सफलता सिर्फ बड़े स्टार या बड़े बजट पर निर्भर नहीं करती। फिल्म की कहानी और उसकी सच्चाई दर्शकों को सिनेमाघरों तक लाने में अहम भूमिका निभाती है। इस सेशन में फिल्ममेकर श्रीराम राघवन और वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी के इंडिया थिएट्रिकल के वाइस प्रेसिडेंट और मैनेजिंग डायरेक्टर डेंजिल डायस भी मौजूद थे। 'उड़ता तीर' में आयुष्मान खुराना के अलावा राम कपूर, राहुल बोस, गुलशन ग्रोवर, सुहैल नय्यर, मुकुल देव, बृजेंद्र काला, संदीप आनंद, रघुबीर यादव, सुप्रिया पिलगांवकर और स्मिता तांबे जैसे कलाकार हैं। 'उड़ता तीर' 9 अक्तूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

निरहुआ संग डेटिंग की खबरों पर आम्रपाली दुबे ने तोड़ी चुप्पी

भोजपुरी एक्ट्रेस आम्रपाली दुबे और एक्टर दिनेश लाल यादव 'निरहुआ' की दोस्ती एक बार फिर चर्चा में है। दोनों की जोड़ी भोजपुरी फिल्मों में काफी पसंद की जाती है और लंबे समय से उनकी दोस्ती को लेकर तरह-तरह की बातें होती रही हैं। कई बार दोनों के डेटिंग की खबरें भी सामने आईं, लेकिन आम्रपाली ने अब 'बिग बॉस 20' के घर में इस पूरे मामले पर अपनी बात रखी है। को-कंटेस्टेंट लव गिल के साथ बातचीत में उन्होंने निरहुआ के साथ अपनी बॉन्डिंग, दोस्ती और शादी को लेकर होने वाली बातों का जिक्र किया। दिनेश लाल यादव के बारे में बात करते हुए आम्रपाली दुबे ने बताया कि जब वह भोजपुरी इंडस्ट्री में आई थीं, तब दिनेश उनके सबसे अच्छे दोस्तों में से एक थे। उन्होंने कहा कि हमारे बीच दोस्ती इतनी गहरी है कि कई बार बिना कुछ कहे ही हम एक-दूसरे की बात समझ जाते हैं।

आम्रपाली ने कहा, ''जब मैं भोजपुरी इंडस्ट्री में आई थी, तब मेरे बेस्ट फ्रेंड दिनेश थे। आज तक ऐसा है कि अगर इस कमरे में आठ लोग हैं और मुझे उन आठ लोगों से कुछ कहना है, तो मुझे दिनेश जी से कुछ कहने की जरूरत नहीं पड़ेगी। मैं सिर्फ उनकी तरफ देखूंगी और वह समझ जाएंगे कि मैं क्या कहना चाहती हूं। फिर वह हंसना शुरू कर देंगे। दोस्तों की दोस्ती ऐसी ही होनी चाहिए। नो-फिल्टर फ्रेंडशिप।'' इसके बाद आम्रपाली ने उन खबरों पर भी बात की, जिनमें दोनों को एक-दूसरे को डेट करने की बात कही जाती है। वह कहती है, ''लोग सोचते हैं कि दिनेश और मैं डेट कर रहे हैं। बेचारे दिनेश तो यह कहते-कहते परेशान हो गए हैं कि मुझे अपनी जिंदगी में किसी से शादी कर लेनी चाहिए। मैं उन्हें क्या बताऊं? असल में लोगों को लगता है कि शादी करना बहुत आसान है। उन्हें समझ नहीं आता कि हम लड़कियों को कई सालों में जो कुछ बनाया है, उसे छोड़ना पड़ता है। इसलिए लड़कों के लिए यह कहना बहुत आसान है कि शादी कर लो।''

आम्रपाली और निरहुआ की बात करें, तो दोनों की जोड़ी पहली बार 2014 की फिल्म 'निरहुआ हिंदुस्तानी' में साथ नजर आई थी। यह फिल्म आम्रपाली के भोजपुरी सिनेमा में डेब्यू के तौर पर भी खास थी। इससे पहले वह हिंदी टीवी शोज में काम कर चुकी थीं। 'सात फेरे : सलोनी का सफर', 'मायका' और 'रहना है तेरी पलकों की छांव में' जैसे शोज में आम्रपाली नजर आई थीं। 'निरहुआ हिंदुस्तानी' की सफलता के बाद दोनों ने कई फिल्मों में साथ काम किया और उनकी जोड़ी भोजपुरी सिनेमा में काफी लोकप्रिय हो गई। दोनों को 'पटना से पाकिस्तान', 'निरहुआ रिक्शावाला 2', 'राजा बाबू', 'निरहुआ हिंदुस्तानी 2', 'निरहुआ हिंदुस्तानी 3', 'निरहुआ चलल लंदन' और 'शेर सिंह' जैसी फिल्मों में साथ देखा गया है। इसे लगातार साथ काम करने और मजबूत केमिस्ट्री की वजह से दोनों के रिश्ते को लेकर भी लंबे समय से चर्चा होती रही है।

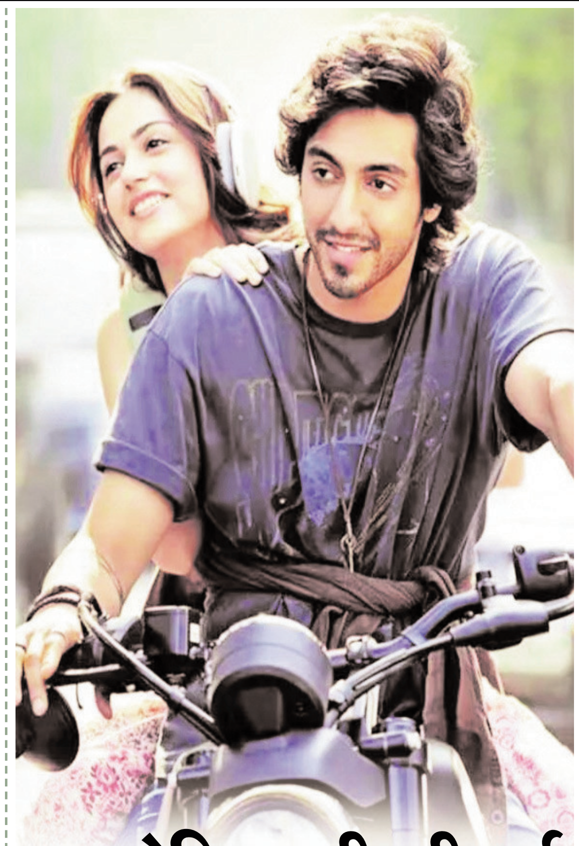

मोहित सूरी की नई फिल्म में फिर साथ आ रहे अहान और अनीत

फिल्म 'सैयारा' से सिनेमाघरों में धूम मचा चुकी अनीत पड्डा और अहान पांडे की जोड़ी एक बार फिर से साथ नजर आने के लिए बिल्कुल तैयार है। मजेदार ये है कि फिर से ये दोनों किसी और की नहीं बल्कि मोहित सूरी अपनी अगली निर्देशित फिल्म में फिर से साथ दिखेंगे।

साल 2025 की हिट रोमांटिक फिल्म 'सैयारा' से रातों-रात स्टार बने अहान पांडे और अनीत पड्डा की जोड़ी एक बार फिर साथ नजर आनेवाली है। मोहित सूरी अपनी अगली निर्देशित फिल्म के लिए दोनों नए कलाकारों को एक बार फिर साथ खींच लाए हैं। आदित्य चोपड़ा द्वारा प्रड्यूस इस प्रोजेक्ट की शूटिंग बहुत जल्द शुरू होने की उम्मीद है। इसी के साथ अहान और अनीत की इस फिल्म को साल 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज करने की तैयारी हो रही है। मोहित सूरी की फिल्म की शूटिंग अक्टूबर में शुरू होगी। 'वरायटी इंडिया' की रिपोर्ट के मुताबिक, सूरी की अगली निर्देशित फिल्म की शूटिंग अक्टूबर के दूसरे सप्ताह में शुरू करने की प्लानिंग हो चुकी है। वहीं अहान पांडे और अनीत पड्डा की इस फिल्म को लेकर कहा जा रहा था कि मेकर्स इस फिल्म का नाम 'सतरंगा' रखने पर विचार कर रहे हैं। हालांकि, फिल्म प्रड्यूसर्स की ओर से टाइटल को लेकर अभी तक कोई कन्फर्मेशन नहीं है। फिल्म का टाइटल 'टी-सीरीज' के तहत रजिस्टर हो चुका है रिपोर्ट के मुताबिक, हालांकि फिल्म का टाइटल 'टी-सीरीज' के तहत रजिस्टर हो चुका है, लेकिन प्रोडक्शन ने अभी तक ऑफिशियली इसकी घोषणा नहीं किया है। इसलिए इस बात की जानकारी फिलहाल नहीं है कि फिल्म का नाम फाइनली 'सतरंगा' ही है या कुछ और। इस प्रोजेक्ट की ऑफिशियल घोषणा अप्रैल में की गई थी, जिसमें स्टूडियो ने इसे एक बेहतरीन लव स्टोरी ही बताया था।

इसे 2027 में वर्ल्डवाइड रिलीज करने की योजना

'सैयारा' बनाने वाले अक्षय विधानी इस फिल्म से जुड़े हैं और इसे 2027 में वर्ल्डवाइड रिलीज करने की योजना पर काम कर रहे हैं। अब खबर आई है कि फिल्म की शूटिंग अक्टूबर के दूसरे सप्ताह में शुरू होगी। हालांकि, फिल्म की कहानी के बारे में अभी अधिक जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन उम्मीद की जा रही है कि ये आम लव स्टोरी से काफी अलग और कहीं अधिक लाजवाब होगी। मोहित सूरी की ये नई फिल्म 'सैयारा' का सीक्वल नहीं है यहां ये भी कहा गया है कि मोहित सूरी की ये नई फिल्म 'सैयारा' का सीक्वल नहीं है बल्कि ये एक नई और अलग तरह की फिल्म होगी। फिल्म 'सैयारा'से अहान की बतौर लीड होरो एक्टिंग करियर की शुरुआत हुई ।

'तू है मेरी किरण' फिल्म में साथ नजर आएंगे सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा और उनके पति अभिनेता जहीर इकबाल जल्द 'तू है मेरी किरण' फिल्म में साथ नजर आएंगे। फिल्म का ऐलान मेकर्स ने कर दिया है। साथ ही फिल्म का पहला पोस्टर भी जारी हुआ है। काफी वक्त से सोनाक्षी सिन्हा ने सिल्वर स्क्रीन से दूरी बना कर रखी थी। वहीं उनके पति जहीर इकबाल का भी कोई नया प्रोजेक्ट सामने नहीं आया था। मगर अब कपल बहुत जल्द फिल्म 'तू है मेरी किरण' में साथ अभिनय करता दिखाई देगा। फिल्म रोमांटिक थ्रिलर होगी। फिल्म के फस्ट लुक में सोनाक्षी एक टेबल पर लैपटॉप पर काम करती दिखाई दे रही हैं। वहीं उनके पास बैठे जहीर उन्हें घूर रहे हैं।

फिल्म 'तू है मेरी किरण' का फर्स्ट लुक रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर फिल्म की ट्रोलिंग शुरू हो गई। यूजर्स ने फिल्म को लेकर अलग-अलग तरह के कमेंट्स किये। एक यूजर ने लिखा, 'सुपर फ्लॉप होगी मेरे शब्द याद रखना।' वहीं दूसरे यूजर ने लिखा, 'क्या सच में आपके लगता है कि इस तरह की फिल्म कोई देखेगा।

यह पहली बार नहीं है जब सोनाक्षी सिन्हा और जहीर किसी फिल्म में साथ काम कर रहे हों। इससे पहले 2022 में रिलीज हुई फिल्म डबल एक्स एल में भी दोनों ने साथ अभिनय किया था। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप हो गई थी।

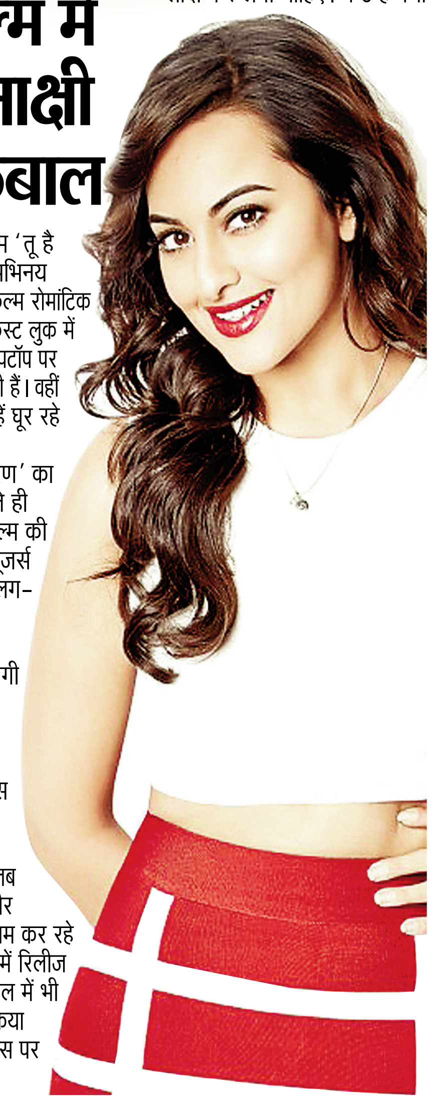

'दृश्यम 3' के लिए इमोशनल हुईं शिवालिका ओबेरॉय

अभिनेता अजय देवगन की थ्रिलर की फिल्म 'दृश्यम 3 : द कन्क्लूज' रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म के निर्देशक अभिषेक पाठक की पत्नी और अभिनेत्री शिवालिका ओबेरॉय ने पति पर गर्व जताते हुए कहा कि इस फिल्म के पीछे कड़ी मेहनत और कई जागी रातें भी हैं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर सेट की कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें उन्होंने बताया कि वह इस सफर को करीब से देख पाई, यह उनके लिए सौभाग्य की बात है और साथ ही फिल्म में परिवार के एंगल के मजबूत होने का भी इशारा किया। अभिनेत्री ने लिखा, 'मैंने उस सपने को पूरा होते हुए देखा है, कड़ी मेहनत, बिना सोई रातें और उसके पीछे का जज्बा भी देखा है। दुनिया वो देखेगी, जो मैं अब तक देखती आ रही हूं और अगर आपने 'दृश्यम' देखी है, तो आप जानते ही हैं, जब परिवार की बात आती है, तो मेरे पति कोई मजाक नहीं करते।' अभिषेक पाठक के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में तब्बू, श्रिया सरन, इशिता दत्ता, मृणाल जाधव, रजत कपूर, प्रकाश राज और जयदीप अहलावत भी हैं।

मुहांसे हो सकते है तनाव का कारण

चेहरा इंसान की पहचान होता है और सुंदर त्वचा चेहरे के सौंदर्य को कई गुना बढ़ा देती है। चमकीली और मुलायम त्वचा तो हर कोई चाहता है, लेकिन अक्सर उम्र बढ़ने के साथ या खराब जीवनशैली के कारण यह अपना आकर्षण खो देती है। त्वचा की कई समस्याएं हैं, लेकिन मुहांसे सबसे ज्यादा लोगों को परेशान करते हैं। त्वचा को प्रभावित करने में मौसम के अलावा तनाव भी मुख्य भूमिका निभाता है। शोध में पाया गया कि आहार और साफ-सफाई के अलावा तनाव भी त्वचा को प्रभावित करता है। कई लोग जो तनावग्रस्त होते हैं उनके मुहांसे और गम्भीर हो जाते हैं।

शोधकर्ताओं ने पाया कि जिन किशोरों में परीक्षा का तनाव होता है, उनमें मुहांसे उभरने या उभरे हुए मुहांसे और गम्भीर होने की सम्भावना अधिक होती है। नई दिल्ली स्थित तुलसी हेल्थ केयर के मनोचिकित्सक डॉ. गौरव गुप्ता का कहना है कि परीक्षा के वक्त किशोरों को चेहरे पर मुहांसे भी उभरने के साथ पक भी जाते है। तनाव से खाज और अन्य त्वचा संबंधी समस्याएं हो जाती हैं। देखा जाए तो त्वचा हमारे मन की स्थिति का आईना होता है। किशोरावस्था में मुंहासे होने का कारण शरीर में होने वाले हार्मोंस से संबंधित बदलाव होते हैं। इसके अलावा इस उम्र में बच्चे तनाव का शिकार भी जल्दी होते हैं। पीयर प्रेशर और हमेशा सुंदर दिखने का दबाव उन पर रहता है।

यही वजह है कि टीनएजर मुंहासे होने पर गहरे तनाव में घिर जाते हैं। ऐसी स्थिति में माता-पिता को चाहिए कि वे बच्चों पर इससे होने वाले मनोवैज्ञानिक प्रभावों को समझें और जानें। जो माता-पिता बच्चों की इस समस्या को उचित मार्गदर्शन से सही कर सकते हैं उनके बच्चे इस समस्या से उबर सकते हैं। मुंहासे जवानी में भी हो सकते हैं। लगभग 50 प्रतिशत जवान महिलाएं और 25 प्रतिशत पुरुषों को जवानी में यह समस्या निरंतर जकड़े रहती है। कई महिलाएं तो इनके कारण डिप्रेशन के शिकार हो जाती हैं। इन मुंहासे के होने के कई कारण हो सकते हैं। जैसे वातावरण का प्रभाव, शारीरिक और हारमोन्स से संबंधित होने वाले बदलाव वगैरह। जिस समय व्यक्ति तनावग्रस्त होता है तो शरीर में कोर्टिसोल हार्मोंस का स्राव बढ़ जाता है जिसके कारण शरीर में त्वचा की ग्रंथियों से सीवम नामक हारमोन का स्राव

ज्यादा होने लगता है जिसके कारण मुंहासे होते हैं। इसके अलावा यह ब्लैक हेड्स और व्हाइट हेड्स होने का भी कारण हो सकता है। अतः तनाव को बेहतर तरीके से हैंडल करना चाहिए। तनाव का प्रभाव शरीर पर न पड़े इसके लिए खुश रहें और पूरा आराम करें। पर्याप्त आराम, एक्सरसाइज और सकारात्मक नजरिए से तनाव पैदा होने वाली तमाम स्थितियों से काफी हद तक बचा जा सकता है।

मुंहासों की समस्या यदि ज्यादा गंभीर होने लगे तो इसके लिए डॉक्टर से परामर्श करें। अपने भोजन और लाइफ स्टाइल में बदलाव करें। रिफाइंड काब्रोहाइड्रेट युक्त आहार व कैफीन मात्रा में लें। लो-फैट डाइट लें और पर्याप्त मात्रा में पानी पीएं। हालांकि मुंहासे की समस्या को देखने का हर व्यक्ति का अपना नजरिया होता है। कुछ लोगों को यह एक बड़ी गंभीर समस्या लगती है उन्हें लगता है कि इससे उनका चेहरा भद्दा लगता है। इन्हें देखकर उन्हें गुस्सा आता है और वे तनावग्रस्त हो जाते है। स्त्री, पुरुष, किसी भी आयु वर्ग के, किसी भी देश के व्यक्ति मुंहासों की जद में आ सकते है।

दिन में कम से कम चेहरे को तीन बार सादे पानी से धोएं, लेकिन ध्यान रहे साबुन या फेसवॉश का इस्तेमाल दिन में एक बार ही करें, क्योंकि इनके ज्यादा प्रयोग से त्वचा को नुकसान पहुंचता है और वह रूखी हो जाती है।

खास टिप्स

पिंपल्स जितने अधिक समय तक रहेंगे, दाग उतने ही गहरे होंगे, इसलिए तुरंत डॉक्टर को दिखाएं।

अक्सर देखा जाता है कि जिन लोगों में मुहांसों की समस्या होती है, उनके शरीर में इंसुलिन का स्राव औसत से अधिक होता है। इससे बचने के लिए अपने भोजन में कार्बोहाइड्रेट और डेयरी उत्पादों का सेवन कम करें।

कुछ अनुसंधानों में यह बात सामने आई है कि अधिक मात्रा में दूध और दुग्ध उत्पादों का सेवन करने से भी मुहांसों की समस्या हो जाती है।

चेहरे को जोर-जोर से न रगड़ें। मुहांसों को दबाएं या फोड़े नहीं। ज्यादा तैलीय, मसालेदार भोजन न खाएं।

चेहरे की त्वचा को साफ रखें। चेहरे पर ऑयल फ्री प्रोडक्ट लगाएं।

तनाव न लें, क्योंकि इससे हार्मोन्स का संतुलन गड़बड़ा जाता है, जो मुहांसों का कारण बन जाता है।

ब्लीच, फेशियल या स्टीम न लें। मेकअप का प्रयोग भी न करें, इससे मुहांसे जल्दी ठीक हो जाएंगे।

धूप में हमेशा सनस्क्रीन लगाएं, यह न सिर्फ त्वचा की रक्षा करता है, बल्कि स्किन कैंसर के खतरे को भी कम करता है। इससे पिग्मेंटेशन भी कम होता है और झुर्रियां भी जल्दी नहीं पड़तीं।

धूम्रपान करने से त्वचा के इलास्टिन और कोलेजन नष्ट हो जाते हैं, जिससे इसका मुलायमपन खत्म हो जाता है।

तनाव न लें, क्योंकि तनाव से त्वचा को नुकसान पहुंचता है और यह अति संवेदनशील हो जाती है। रोजाना चार-पांच लीटर पानी पिएं।

दिन में दो बार किसी अच्छे फेसवॉश या माइल्ड साबुन से चेहरा धोएं। रात को नाइट क्रीम लगाएं। यह त्वचा को पोषण प्रदान करती है।

व्यायाम और योग करें, इससे रक्त का संचरण बढ़ता है, तनाव कम होता है, जिससे त्वचा की कई समस्याएं दूर हो जाती हैं।

त्वचा की रंगत और स्वास्थ्य के लिए जरूरी है कि भोजन में हरी पत्तेदार सब्जियों, मौसमी फलों, मेवों और दही को शामिल करें और जंक फूड, सॉफ्ट ड्रिंक से बचें।

ग्रीन टी का सेवन करें, क्योंकि इसमें एंटी ऑक्सीडेंट होते हैं, जो सुंदर त्वचा के लिए वरदान होते हैं।

त्वचा को पानी की आवश्यकता होती है। ढ़ेर सारा पानी पिएं, इससे त्वचा साफ, मुलायम और बेदाग बनेगी।

अंदर से तरोताजा रहने के लिए खूब सारा पानी पीएं। इससे शरीर से गंदगी बाहर निकलती है और बॉडी में नए सेल्स बनते हैं। शरीर की तरह स्किन को चकमदार और स्वस्थ बनाए रखने के लिए पानी की बेहद जरूरत है। रात को सोने से पहले कम से कम 1-2 गिलास पानी पिएं। ये आपकी स्किन में मौजूद नुकसानदेह टॉक्सिन्स को निकालने में मदद करता है। जितना हो सकें लिक्विड लें। पानी की जगह हर दिन दो गिलास जूस अवश्य लेना चाहिये। इससे स्किन में पोषण पहुंचेगा और स्किन ग्लो करेगी।

कानों को साफ करना हो सकता है खतरनाक

कुछ लोगों को लगातार कॉटन स्वैब से कान साफ करने की आदत होती है। वे लगातार कान की वैक्स और गंदगी साफ करते रहते हैं। हालांकि इसके कई दुष्प्रभाव हो सकते हैं। इससे न केवल कान के पर्दे को

नुकसान पहुंचता है, बल्कि कई अन्य संभावित नुकसानों से भी इनकार नहीं किया जा सकता। अपने कान साफ करने के लिए लोग कई अनदेखी चीजों का इस्तेमाल करते हैं। यह बात समझनी बहुत जरूरी है कि कान के भीतर वैक्स और गंदगी को साफ करने के लिए कुछ भी इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। ऐसा खतरनाक है और इससे आपके सुनने की क्षमता भी खत्म हो सकती है।

क्या है कॅटन स्वैब

ईयर कैनाल में मौजूद कोशिकाएं कैरुमन का निर्माण करती हैं, जिसे सामान्य भाषा में ईयर वैक्स कहा जाता है। किसी डाक्टर की मदद लेने की बजाय कुछ लोग कॉटन स्वैब से यह वैक्स हटाने का आसान रास्ता अपनाते हैं। लोगों को लगता है कि डाक्टर के पास जाकर समय और पैसे बर्बाद करने से अच्छा है कि इस वैक्स को खुद ही निकाल लिया जाए। लेकिन इससे उन्हें फायदा कम नुकसान ज्यादा होता है।

पर्दे को नुकसान

रुई का फोहा आसानी से कान के पर्दे तक पहुंच जाता है। कान का पर्दा बहुत संवेदनशील होता है और स्वैब के मामूली दबाव से भी वह क्षतिग्रस्त हो सकता है।

तो क्या करें

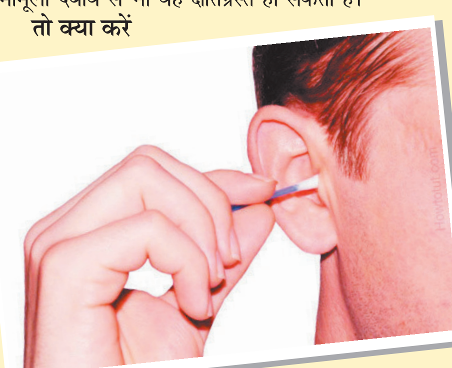

तो ऐसे में सवाल उठता है कि हमें वाकई अपने कान साफ करने की जरूरत होती है। कान का बाहरी हिस्सा जो नजर आता है उसे कभी कभार साफ किया जाना चाहिए। इस काम को आप थोड़े से साबुन, पानी और तौलिए से भी कर सकते हैं।

सुनने की क्षमता जा सकती है

ज्यादातर मामलों में इयर कैनाल को साफ करने की जरूरत नहीं होती। नहाते या शॉवर के समय हमारे कान में इतना पानी चला जाता है कि जमी हुई वैक्स अपने आप ही ढीली हो जाती है।

डॉक्टरी मदद की दरकार

ऐसे लोग जिनके कान में बहुत ज्यादा वैक्स होती है, उन्हें डाक्टरी सहायता की जरूरत होती है। डाक्टर पानी में थोड़ा सा पेरोक्साइड मिलाकर उसे कान में इंजेक्ट कर आसानी से वैक्स को बाहर निकाल सकते हैं। इस प्रक्रिया में दर्द बिलकुल नहीं होता। कान में जमी वैक्स निकालने के लिए यह तरीका बेहद प्रभावशाली है। अगर यह समस्या काफी ज्यादा रहती है तो मरीज डाक्टर से यह प्रक्रिया समझ कर इसे घर पर ही कर सकता है। अगर आपके कान में वैक्स या गंदगी जमा हो रही है तो आप डाक्टर की सहायता ले सकते हैं। आप उनसे सही कान साफ करने का तरीका पूछ सकते हैं।

मामूली उपायों से बच सकती है 50 प्रतिशत दिल के मरीजों की जान

सही समय पर अस्पताल नहीं पहुंच पाने के कारण देश में दिल का दौरा पड़ने के बाद 50 प्रतिशत मरीजों की जान चली जाती है जबकि प्राथमिक उपचार की मामूली तकनीक से उनकी जान बचाई जा सकती है।

दिल की बीमारियों के कारण देश में हर वर्ष 34 लाख लोगों की मौत हो जाती है और एक लाख बीस हजार बच्चे जन्मजात दिल की बीमारियों के से ग्रसित होते हैं। अकेले जम्मू में 30 से अधिक उम्र के 10 प्रतिशत से 14 प्रतिशत लोग दिल की बीमारियों से पीड़ित हैं। विशेषज्ञों का कहना था कि इनमें से बहुत से मरीजों की समस्याओं का इलाज संभव होता है और उन्हें मौत के मुंह में जाने से रोका जा सकता है।

उन्होंने बताया कि इस तकनीक का प्रशिक्षण हर व्यक्ति को मिले, यह मौजूदा समय की मांग है। उन्होंने बताया कि सीपीआर तकनीक सिर्फ 5 मिनट में सीखी जा सकती है जिसकी मदद से हृदयाघात से पीड़ित व्यक्ति को दस मिनट के भीतर बचाया जा सकता है।

कहीं मुश्किल में न डाल दें ये सेहतमंद आदतें

स्वस्थ रहने के लिए हम हर उस बात का अनुसरण करने के लिए तैयार रहते हैं, जो सेहतमंद रखने का दावा करती हैं. मगर कुछ अच्छी बातें भी हमारे स्वास्थ को नुकसान पहुंचा सकती हैं. सेहत को लेकर सचेत रहना अच्छी बात है, लेकिन आपको इस बात के प्रति भी सचेत रहना चाहिए कि अपनी सेहत के लिए आप जिन आदतों को फायदेमंद मानती हैं, वे वाकई में फायदेमंद हैं या नहीं. क्योंकि ऐसा कई बार देखने में आया है कि हम अपने मन में सेहत, खाने-पीने की आदतों, साफ-सफाई को लेकर काफी सतर्कता बरतते हैं, लेकिन इस बात से बेपरवाह रहते हैं कि हमारी ये आदतें सेहत के लिए फायदेमंद न होकर नुकसानदेह साबित हो सकती हैं. हम आपको बता रहे हैं कि वे सेहतमंद आदतें कौन सी हैं, जो आपके लिए घाटे का सौदा साबित हो सकती हैं.

हर बार खाने के बाद ब्रश करना

कई लोगों को लगता है कि हर बार खाना खाने के बाद ब्रश करना आपके दांतों को कीटाणु-मुक्त और दांतों को मोतियों-सा दमकता हुआ बनाये रखने में मददगार होता है. लेकिन हकीकत यह है कि यह आपके दांतों पर से सुरक्षाकारी एनामेल को घिस सकता है और इससे आपको दांतों में सेंसिटिविटी की समस्या पैदा हो सकती है. इसलिए अपनी मां की हर दिन दो बार ब्रश करने की सलाह को याद कीजिए. आपके लिए वही फायदेमंद है. खाना खाने के बाद हर बार ब्रश करने की बजाय अच्छी तरह से कुल्ला करना आपके लिए ज्यादा उपयोगी है.

ठीक नहीं हैंड सैनिटाइजर का बार-बार इस्तेमाल

क्या आप बाहर निकलने के बाद कुछ भी छूने, किसी चीज को पकड़ने के बाद बार-बार अपने हाथों में सैनिटाइजर मलती हैं? तो आप सतर्क हो जाइए. यह आदत आपको नुकसान पहुंचा सकती है.यह सही है कि हैंड सैनिटाइजर हाथों को साफ करने का सुविधाजनक तरीका है, लेकिन इस बात का ख्याल रखना भी जरूरी है कि इसका समझदारी से उपयोग किया जाये. अमेरिका में किये गये एक शोध के मुताबिक ज्यादातर सैनिटाइजर में ट्राइक्लोसान नामक एक केमिकल होता है, जिसे हाथ की त्वचा तुरंत सोख लेती है. अगर यह रक्त संचार में शामिल हो जाये, तो यह मांसपेशी को-ऑर्डिनेशन के लिए जरूरी सेल-कम्युनिकेशन को बाधित करता है. इसका लंबे समय तक ज्यादा इस्तेमाल त्वचा को सूखा बनाने, बांझपन और हृदय के रोग को न्योता दे सकता है.इसलिए अगर आपको हाथ धोने की जरूरत महसूस हो रही है, तो इंतजार कीजिए और मौका मिलते ही साबुन और पानी से ही अपने हाथों को धोइए.

क्या आप अपने कॉस्मेटिक्स को बार-बार बदलती हैं?

अगर आप विज्ञापनों के प्रभाव में अपने कॉस्मेटिक्स को बार-बार बदलती हैं, तो इस आदत को बदल दीजिए. त्वचा विशेषज्ञों का कहना है कि इनसानी त्वचा का पीएच स्तर 55 होता है.अलग-अलग कंपनियों के कॉस्मेटिक्स के पीएच मान अलग-अलग होते हैं.जिन लोगों की त्वचा संवेदनशील होती है, उनके लिए अलग-अलग पीएच मानकों के प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल नकुसानदेह साबित हो सकता है. इससे आपकी त्वचा लाल पड़ सकती है. इसमें जलन या चकत्ते आने की शिकायत आ सकती है. इसलिए सिर्फ भरोसेमंद ब्रांड्स के कॉस्मेटिक्स का इस्तेमाल करें और इस्तेमाल से पहले सबके पीएच मानकों को जरूर पढ़ लें.

हर बार बोतल बंद पानी नहीं

कई लोगों को लगता है कि बोतलबंद पानी आपको रोगों से दूर रखने में मददगार होता है. लेकिन ध्यान रखिए. बोतलबंद पानी प्रोसेस्ड पानी होता है, जिसमें खनिज तत्व मौजूद नहीं रहते हैं. लंबे समय तक इसका इस्तेमाल करने से आपके शरीर में मैग्नीशियम, कैल्शियम, पोटैशियम, सिलिका, सल्फेट जैसे खनिजों की कमी हो सकती है. यह आपके लिए नुकसानदायक है, क्योंकि ये खनिज आपके शरीर में कई काम करते हैं.ये तत्व आपको ऊर्जा मुहैया कराने के साथ-साथ कोशिका और मांसपेशियों की मरम्मत भी करते हैं.

फ्लिप फ्लॉप और पांव

क्या आपको लगता है कि हील वाली चप्पल आपके पांवों को नुकसान पहुंचाती हैं, इसलिए आपको चपटे सोल वाली चप्पल का इस्तेमाल करना चाहिए? लेकिन यह ख्याल आपके लिए वास्तव में नुकसानदायक साबित हो सकता है.क्योंकि आर्क नहीं होने के कारण फ्लिप फ्लॉप (चपटे सोल वाली चप्पल) आपके पांवों को कोई सपोर्ट नहीं दे पातीं. चलते वक्त चपटे स्लिपर को कंट्रोल करने के लिए अंगूठों को लगातार चप्पल पर ग्रिप बनाना पड़ता है, ताकि वह पांव से फिसल न जाये.इससे पांवों का नैचुरल लिफ्ट ऑफ और पांव रखना गड़बड़ा जाता है. इससे पांवों के तलवे में दिक्कत आ सकती है. अगर आपको अपने पांवों का ख्याल है, तो कोशिश रहे कि आप फ्लिप फ्लॉप कम ही पहनें.

प्रेग्नेंसी के दौरान महिलाएं खान-पान का रखें विशेष ध्यान

महिलाओं को गर्भधारण के बाद अपने खाने-पीने की चीजों पर विशेष ध्यान देने की जरूरत होती है। इस समय उन्हें सामान्य से ज्यादा ऊर्जा और कैलोरी की आवश्यकता होती है। जच्चा और बच्चा दोनों को सही मात्रा में कैलोरी मिले इसके लिए जरूरी है कि गर्भवती महिलाएं अपने खाने पर विशेष ध्यान दें। प्रेग्नेंसी में फल और जूस बहुत फायदेमंद होते हैं। फलों से जहां प्रोटीन, कैल्शियम और सिलिकॉन मिलता है, वहीं जूस पीने से शरीर में ताजगी बनी रहती है। लेकिन जूस पीते वक्त ये ध्यान रखें कि जूस ताजे फलों का बना हो। डिब्बा बंद जूस पीने से बचें। प्रेग्नेंट महिला को ब्रेकफास्ट में दूध और डेयरी प्रोडेक्ट का इस्तेमाल भी करना चाहिए।

प्रेग्नेंट महिलाएं अपने नाश्ते में अंडा या ऑमलेट भी ले सकती हैं। पालक के साथ ऑमलेट लेने से भी फायदा होता है। इससे 41 कैलोरी के साथ आयरन, फोलिक एसिड और कैल्शियम भी मिलता है। साबुत अनाज जैसे दलिया, कॉर्न, दालें, ब्राउन राइस भी प्रेग्नेंसी में काफी लाभप्रद रहते हैं। इसमें विटामिन, प्रोटीन, कैल्शियम और फाइबर होता है, जो प्रेग्नेंट महिलाओं के लिए जरूरी है। प्रेग्नेंसी के दौरान पानी खूब पीना चाहिए। फिल्टर्ड पानी का ही उपयोग करें। फिल्टर्ड पानी ना हो तो इसे उबाल लें। उबालने से पानी साफ हो जाता है। जब घर से बाहर हो तब अच्छे ब्रांड की बोतल का ही पानी पिएं।